आज का मौसम
30.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.18
सूर्यास्त 05.26

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 07:31 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 2 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 72, पृष्ठ 14+4 मूल्य 5 रुपये

- भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट- 12

- त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री - 12

- एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण - 13

- तीसरा टी20 मैच आज : हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत - 14

महिला विश्व कप: इतिहास रचने की दहलीज पर भारत और दक्षिण अफ्रीका

विश्वकप ट्रॉफी के साथ भारत और साउथ अफ्रीका टीम की कप्तान।

नवी मुंबई। आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां जब मैदान पर उतरेगी तो उसे पिछले सात में से छह मैच जीत कर पहली बार इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना होगा। यह मुकाबला सिर्फ एक खिताब के लिए जंग नहीं है, बल्कि महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है, क्योंकि इस फाइनल से नया विश्व चैंपियन मिलने वाला है। भारतीय टीम तीसरी बार (2005 और 2017 के बाद) इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

लखनऊ यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल

- समृद्ध और विविध पाक कला विरासत के चलते मिला स्थान, भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने कहा- यह गर्व का क्षण

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

लखनऊ को उसकी समृद्ध और विविध पाककला विरासत के लिए यूनेस्को के रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने 58 शहरों को यूनेस्को के रचनात्मक शहरों के नेटवर्क के नए सदस्य के रूप में नामित किया है। इस सूची में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को पाक कला श्रेणी में मान्यता दी गई है।

यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लिए गर्व का क्षण। लखनऊ की समृद्ध पाककला विरासत को अब वैश्विक मंच पर पहचान मिली है! प्रतिनिधिमंडल ने कहा, विश्व नगर दिवस 2025 (30 अक्टूबर) के अवसर पर लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नामित किया गया है। लखनऊ के साथ 58 नए शहरों को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' (यूसीसीएन) में स्थान मिला है। यूसीसीएन में अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं। लखनऊ अपने समृद्ध और पारंपरिक लजीज व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें चाट से लेकर अवधी व्यंजन और स्वादिष्ट मिठाइयां शामिल हैं। विश्व नगर दिवस पर घोषित यह सम्मान शहरों को सतत शहरी विकास के प्रेरक के रूप में रचनात्मकता को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित करता है। अजोले ने कहा, यूनेस्को के रचनात्मक शहर दर्शाते हैं कि संस्कृति और रचनात्मक उद्योग विकास के ठोस प्रेरक हो सकते हैं। हम 58 नए शहरों का स्वागत करके एक ऐसे नेटवर्क को मजबूत कर रहे हैं जहां रचनात्मकता स्थानीय पहलों का समर्थन करती है, निवेश आकर्षित करती है और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देती है। वर्ष 2004 में स्थापित यूसीसीएन का उद्देश्य उन शहरों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है जो समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति और रचनात्मकता का लाभ उठाते हैं।

मोदी ने की विश्व भर के लोगों से लखनऊ आने की अपील

नई दिल्ली। यूनेस्को द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' की सूची में शामिल किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दुनिया भर के लोगों से लखनऊ आकर इस शहर की विशिष्टता को जानने की अपील की। मोदी ने कहा कि लखनऊ जीवंत संस्कृति का पर्याय है, जिसके मूल में एक शानदार पाककला संस्कृति है। उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक पोस्ट के जवाब में कहा कि लखनऊ को यूनेस्को द्वारा 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया जाना इसकी विशिष्ट पाककला विरासत और भारत की समृद्ध पाककला परंपराओं में इसके अमूल्य योगदान को मान्यता देना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बच्चों में बढ़ता जा रहा सिक्स पॉकेट सिंड्रोम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

आंध्र के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ आठ महिलाओं समेत नौ की मौत

भीड़ उमड़ने के कारण सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल टूटने से हुआ हादसा

- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया दुख, पुलिस बंदोबस्त के लिए नहीं किया गया था आवेदन

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में मची भगदड़। दाएं : टूटी पड़ी रेलिंग जो हादसे का कारण बनी।

श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में एक मंदिर में भगदड़ मचने से आठ महिलाओं और एक लड़के समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। शनिवार को एकादशी और कार्तिक मास का अवसर होने के कारण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने से यह घटना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले श्रीकाकुलम जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी।

श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया, नौ लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसकी मौत नहीं हुई है। 12 साल के एक लड़के की मौत हुई है। बाकी सभी मृतक महिलाएं हैं। यह एक निजी मंदिर है। यह कोई सरकारी मंदिर नहीं है। इसका निर्माण हाल ही में हुआ है। काशीबुग्गा उपमंडल प्रभारी डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि भगदड़ पूर्वाह्न करीब 11:30 बजे काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में हुई। रेड्डी ने कहा कि हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल के गिरने से हुआ, जिसके बाद लोग डर गए और उन्हें लगा कि कुछ गिर रहा है। उन्होंने कहा, घबराहट के कारण वे लगभग छह फुट की ऊंचाई से गिर गए। चूंकि यह छह फुट की ऊंचाई से गिरा था, इसलिए एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और इसी वजह से यह हादसा हुआ। यह पूरी तरह से एक दुर्घटना है और मालिक की गलती के कारण ऐसा हुआ है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, इसके लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 2,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। साथ ही घायलों के स्वस्थ होने की कामना की। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर दुख जताया।

हादसे के जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : नायडू

घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ से मुझे बहुत दुख हुआ है। नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों और स्थानीय नेताओं को भगदड़ स्थल पर राहत कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। हादसे के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वी. अनीता ने कहा कि मृतकों में कम से कम सात की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। गृह मंत्री के अनुसार, मंदिर पहली मंजिल पर ऊंचाई पर स्थित है और जब श्रद्धालु चढ़ रहे थे, तो रेलिंग टूट गई, जिससे एक कोने में खड़े लोग गिर गए और कुछ लोग उनके ऊपर गिर पड़े।

दिल्ली में बीएस-4 से निचली श्रेणी के वाहनों की एंट्री बैन

नई दिल्ली, एजेंसी

- बाहरी वाणिज्यिक मालवाहक वाहन को प्रवेश नहीं, 23 टीमें गठित की गईं

राष्ट्रीय राजधानी में बीएस-3 या उससे कम उत्सर्जन मानकों वाले दिल्ली से बाहर पंजीकृत सभी वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को लागू हो गया। परिवहन विभाग ने प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस के सहयोग से 23 टीम गठित की हैं।

जिन 23 स्थान पर इन टीम को तैनात किया गया है उनमें कुंडली बॉर्डर, रजोकरी बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, आया नगर बॉर्डर, कालिंदी कुंज बॉर्डर, औचंदी बॉर्डर, मंडोली, कापसहेड़ा और बजघेड़ा टोल/द्वारका एक्सप्रेसवे आदि शामिल हैं। अनुमानित 50 से 70 हजार वाहन बीएस-4 से कम उत्सर्जन मानकों वाले हैं। दिल्ली में पंजीकृत वाणिज्यिक मालवाहक वाहनों, बीएस-4 वाहनों, या सीएनजी, एलएनजी एवं बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 17 अक्टूबर को हुई बैठक में शहर में प्रदूषण की समस्या के मद्देनजर दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर एक नवंबर से व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दे दी थी।

वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' श्रेणी में रही और समग्र एक्यूआई थोड़ा बढ़कर 251 हो गया जो एक दिन पहले 218 था। आठ केंद्रों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। समीर ऐप के अनुसार, वजीरपुर में सबसे अधिक 333 एक्यूआई दर्ज किया गया।

ब्रीफ न्यूज

विमान ईंधन महंगा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार से विमान ईंधन के दाम बढ़ा दिए हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में पांच रुपये की कटौती की गई है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 777 रुपये (0.83 प्रतिशत) बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले, अक्टूबर में इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर 93,766.02 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी।

नक्सल और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न देते छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह।

- प्रधानमंत्री ने कहा- लाल झंडे की जगह शान से आज लहरा रहा तिरंगा
- छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में की शिरकत, 14,260 करोड़ के उद्घाटन शिलान्यास किए

नवा रायपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत नक्सलवादी और माओवादी आतंक को खत्म करने की ओर अग्रसर है और आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। लाल झंडे की जगह शान से आज तिरंगा लहरा रहा है। मोदी ने नवा रायपुर, अटल नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत आतंकवाद के विनाश की प्रतिज्ञा करके आतंकियों की कमर तोड़ रहा है। भारत आज नक्सलवाद, माओवादी आतंक को भी समाज से खत्म करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत अभूतपूर्व विजय के गर्व से भरा हुआ है और गर्व की यही भावना छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए परिसर में चारों तरफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल कानून बनाने का स्थान नहीं बल्कि राज्य के भाग्य निर्धारण का केंद्र है। सभी को सुनिश्चित करना होगा कि यहां से निकलने वाले हर विचार में जनसेवा की भावना हो, विकास का संकल्प हो तथा भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का विश्वास हो। उन्होंने कहा, नई विधानसभा भवन के उद्घाटन का असली महत्व हमारे इस सामूहिक संकल्प में है कि हम अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाएं और लोकतंत्र की भावना को बनाए रखें। उन्होंने 14,260 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया।

नागरिक देवो भव: हमारे सुशासन का मंत्र : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, एक ऐसे छत्तीसगढ़ की नींव रखनी है जो विरासत से जुड़कर विकास के पथ पर आगे बढ़ सके। नागरिक देवो भव : हमारे सुशासन का मंत्र है, इसलिए विधानसभा के हर निर्णय में जनता के हित को ध्यान में रखकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि कानून ऐसे बनाए जाएं जो सुधारों को गति दें जिससे लोगों का जीवन आसान हो। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में भारत की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो परिवर्तन देखा है वह प्रेरणादायी है। कभी यह राज्य नक्सलवाद और पिछड़ेपन से पहचाना जाता था, आज वही राज्य समृद्धि, सुरक्षा और स्थायित्व का प्रतीक बन गया है। विकास की लहर और मुस्कान नक्सल प्रभावित इलाकों तक पहुंच गई है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के चीफ इंजीनियर निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन आशीष गोयल ने सख्त कार्रवाई करते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) हरिश्चंद्र वर्मा को निलंबित कर दिया है। वर्मा पर संविदा कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता, वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और कार्य निष्पादन में लापरवाही के आरोप हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में निगम के विभिन्न मंडलों से संविदा कर्मियों की नियुक्ति में मनमानी और पारदर्शिता की कमी की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। जांच के दौरान यह पाया गया कि वर्मा ने न केवल नियुक्ति नियमों का पालन नहीं किया, बल्कि विभागीय आदेशों की अनदेखी भी की। साथ ही, कई मामलों में कार्यदायित्वों के प्रति लापरवाह रवैया अपनाया गया था। इन आरोपों की पुष्टि के बाद चेयरमैन ने शुक्रवार को आदेश जारी करते हुए वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम से संबद्ध किया गया है।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया

रीवा (मप्र), एजेंसी

- सेना प्रमुख ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से किया गया

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिद्धांतों और तकनीक की मिली-जुली ताकत से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान में नागरिक या सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं ने यह सुनिश्चित किया कि जब प्रार्थना या नमाज अदा की जा रही हो तो कोई कार्रवाई न की जाए।

हमने उन जगहों पर हमला किया जहां आतंकवादी मौजूद थे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में अपना लक्ष्य हासिल किया और पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि हम उनके जैसे नहीं हैं। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में जनरल द्विवेदी ने पत्रकारों से कहा कि भारत ने पड़ोसी देश में सिर्फ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई की दरम्यानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इन हमलों के कारण चार दिनों तक जबरदस्त झड़पें हुईं जो 10 मई को सैनिक कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ खत्म हुईं। जनरल द्विवेदी ने अपने पुराने स्कूल, रीवा सैनिक स्कूल में एक सभा को भी संबोधित किया।

मार्गदर्शन | मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीं पुस्तकें और की भावनात्मक अपील, गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुरू हुआ नौ दिनी पुस्तक महोत्सव

युवाओं से योगी बोले- स्मार्टफोन की जगह पढ़ें अच्छी पुस्तकें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर समय व्यर्थ न करें और अपने समय का उपयोग पुस्तकों में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वारियर्स' छात्रों के लिए उपयोगी मार्गदर्शक है।

वे शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 की शुरूआत करने के बाद बोल रहे थे। यह नौ दिनी मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन में 200 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में पुस्तक मेले की शुरुआत करने के बाद छात्राओं को किताबें भेंट करते सीएम योगी।

हर ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही सरकार

योगी ने कहा कि पुस्तकें नई प्रेरणा देती हैं, इसलिए हर किसी को उनसे जुड़ना चाहिए। सरकार ग्राम पंचायत में पुस्तकालय स्थापित कर रही है। 57,600 पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय बने हैं और 1.36 लाख प्राथमिक विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और उन्हें पुस्तकें भेंट कीं। योगी ने कहा कि अच्छी पुस्तकें व्यक्ति की सच्ची साथी और सही मार्गदर्शक होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की परंपरा विकसित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है। उन्होंने गीता प्रेस, फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद और श्रीराम दरस मिश्र का स्मरण करते हुए कहा कि गोरखपुर की भूमि साहित्यिक चेतना से संपन्न है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी का शुभ दिन है। भगवान विष्णु की कृपा से यह पुस्तक महोत्सव पूरे प्रदेश में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति के विस्तार का प्रतीक बनेगा।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 2 नवंबर 2025

अवैध कब्जे पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं शिकायतें, दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पात्र को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले और अवैध कब्जा या अपराध से जुड़ी शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता और तत्परता से जनता की शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

गोरखपुर : जनता दर्शन में लोगों की शिकायतें सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शनिवार सुबह को गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान को संकल्पबद्ध है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान भारत योजना के पोर्टल में फिर साइबर सेंधमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हेराफेरी कर अधिकारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबर हटाए गए
- फर्जी नंबरों पर ओटीपी भेजकर पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन से वित्तीय गड़बड़ी की आशंका

अमृत विचार : राजधानी लखनऊ में आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के संचालन से जुड़ी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रेहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) में एक बार फिर बड़ी साइबर जालसाजी उजागर हुई है। इस बार संबन्धित पोर्टल्स से अधिकारियों के मोबाइल नंबर बदलकर वित्तीय हानि पहुंचाने का खुलासा हुआ है। योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य ने इस मामले में थाना हजरतगंज, कोतवाली लखनऊ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

जानकारी के अनुसार, साइबर अपराधियों ने साचीज से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के आधार लिंक मोबाइल नंबरों को बिना अनुमति राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के पोर्टल पर बदल दिया और नए फर्जी नंबरों पर ओटीपी प्राप्त कर एनएचए के पोर्टलों में अनधिकृत लॉगिन कर कई संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों अंजाम दे डाला। इसकी भनक अधिकारियों को मोबाइल पर अपडेट रिक्वेस्ट मैसेज मिलने पर हुई, हालांकि अब तक वित्तीय नुकसान का आंकड़ा नहीं जुटाया जा सका है।

पूर्व में भी सामने आ चुकी गड़बड़ी : जून माह में तकनीकी गड़बड़ी के चलते 39 अस्पतालों को 9.94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान हो गया था। इस राशि की वसूली कर ली गई और सभी संबंधित अस्पतालों को आयुष्मान योजना की सूची से बाहर कर दिया गया।

फर्जी ओटीपी से डेटा व सेवाओं पर खतरा

साचीज की मुख्य कार्यपालक अर्चना वर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि फर्जी मोबाइल नंबरों और आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में फर्जी प्रवेश कर यह साइबर फ्रॉड किया गया। संभव है कि अस्पतालों के भुगतान कराने के लिए फर्जीवाड़ा किया गया हो, क्योंकि जांच के बाद अधिकारियों के मोबाइल नंबर पर अप्रूवल आता है। मगर इस फर्जीवाड़े से सरकारी सेवाओं, बैंकिंग लेनदेन और डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि साचीज द्वारा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पोर्टलों की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से आईपी एड्रेस मैपिंग पूरी कर ली गई है। साथ ही सख्त चेतावनी दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था फर्जी तरीके से आयुष्मान कार्ड बनाते या उपयोग करते पाए गए, तो उनके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

दो माह बाद भी अधर में आउटसोर्स सेवा निगम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में दो सितंबर को स्वीकृत हुए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के गठन की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दो माह बीतने के बाद भी निगम का पंजीकरण न होने से प्रदेशभर के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी मानदेय वृद्धि और अन्य सुविधाओं के लाभ से वंचित हैं। 20 सितंबर को शासनादेश जारी करते समय कहा गया था कि दो माह में निगम का गठन कर भर्तियां शुरू कर दी जाएंगी। प्रस्तावित योजना के तहत निगम को पब्लिक लिमिटेड, गैर-लाभकारी संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसमें कार्यरत कर्मचारियों को न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय देने का प्रावधान किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान के अनुसार, रजिस्ट्रेशन से पूर्व की सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। पंजीकरण के बाद सबसे पहले महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी, इसके बाद निगम की अन्य व्यवस्थाएं लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता अयोध्या सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

लोहिया विधि विवि का दीक्षांत समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ का चतुर्थ दीक्षांत समारोह रविवार प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया है। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत उपस्थित रहेंगे। साथ ही न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अरुण भंसाली की उपस्थिति रहेगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधियां प्रदान की गईं।

बिहार में भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में राजद प्रत्याशी भोला यादव को भारी मतों से विजयी बनाने और तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सत्ता का भविष्य तय करेगा, और जनता सामाजिक न्याय की ताकतों को फिर सत्ता में लाएगी। सपा प्रमुख ने जनसभा में कहा कि इस बार का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है।

भारत बना दुनिया की बड़ी ताकत : मुख्यमंत्री

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में योगी आदित्यनाथ ने 1300 विद्यार्थियों को दिए प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

गोरखपुर में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में कंपनी के अधिकारी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी पहचान के संकट से जूझ रहा भारत आज दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में अपना एहसास करा रहा है। यह परिवर्तन सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व की देन है, जिसने देश की वैश्विक पहचान को बदला है।

वे शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह गोरखपुर में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहित विभिन्न तकनीकी संस्थानों के 1300 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले का भारत भ्रष्टाचार और अविश्वास की छाया में था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत वैश्विक मंच पर सम्मान और स्थिरता का प्रतीक बन चुका है। पीएम स्टार्टअप, स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर किया है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व वही समर्थ होता है, जो देश के प्रति दुनिया की धारणा बदलने का सामर्थ्य रखता है।

योगी ने युवाओं से इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईज ऑफ लिविंग बढ़ाने में तकनीक अहम भूमिका निभा सकती है। योगी ने कहा कि समस्याओं को कोसने से कुछ नहीं होगा, उनके समाधान की दिशा में काम करना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति ही जाम जैसी समस्या की जड़ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी सरकार ने युवाओं के स्वावलंबन के लिए 1000 करोड़ रुपये का स्टार्टअप फंड बनाया है और टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर 150 आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है।

- योगी ने युवाओं से नवाचार तकनीकी और रिसर्च से जुड़ने का किया आह्वान

यूपी बोर्ड परीक्षा का केंद्र निर्धारण 10 से

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी

अमृत विचार : उप्र. माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण इस बार पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा शनिवार को केंद्र निर्धारण की नीति और मानक तय कर दिए गए हैं। इस प्रक्रिया को 10 नवंबर से 30 दिसंबर तक पूरा किया जाएगा।

शासनादेश के अनुसार, 10 नवंबर तक विद्यालयों द्वारा भौतिक संसाधनों का विवरण अपलोड करना होगा। तहसील स्तरीय समिति द्वारा भौतिक सत्यापन 17 नवंबर, सत्यापित आख्या अपलोड करने की अंतिम तिथि 24 नवंबर, परिषद द्वारा 27 नवंबर को प्रारंभिक केंद्र सूची जारी करनी होगी। 28 नवंबर को डिबार एवं अनर्ह विद्यालयों की सूची जारी की जाएगी। जारी सूची के बाद 4 दिसंबर तक आपत्तियां-प्रत्यावेदन लिए जाएंगे। आपत्तियों का निस्तारण जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 11 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद अनुमोदित केंद्र सूची 17 दिसंबर को अपलोड होगी। हालांकि इसके बाद भी 22 दिसम्बर तक पुनः आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण कर अंतिम परीक्षा केंद्र सूची 30 दिसंबर को जारी होगी।

19 वर्ष से फरार घोटाले का आरोपी वीडीओ गिरफ्तार

बलिया में हुआ था 3.45 करोड़ का खाद्यान्न घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राज कुमार दुबे

अमृत विचार : बलिया में 19 वर्ष पूर्व हुए 3.45 करोड़ के खाद्यान्न घोटाले में आरोपी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया। वह 19 वर्ष से फरार चल रहा था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले दर्ज हैं। आरोपियों ने मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया। इस मामले में 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक, पकड़ा गया आरोपी राज कुमार दुबे बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद का रहने वाला है। वह उस वक्त ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर तैनात था। ईओडब्ल्यू वाराणसी यूनिट की टीम ने आरोपी को बरेली स्थित कचहरी ऑफिसर्स कालोनी से गिरफ्तार किया है। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हुए थे।

60.7 प्रतिशत ने छोड़ी कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए के 1129 पदों पर भर्ती के लिए ऑफलाइन लिखित परीक्षा (ओएमआर आधारित) में शनिवार को 39.3 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। जबकि 60.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती के लिए आवेदन दिसंबर 2023 में किए गए थे। इसके बाद फरवरी 2024 में 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था और सिपाही भर्ती की परीक्षा अगस्त 2024 में दोबारा सकुशल संपन्न कराई गई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के चलते कंप्यूटर आपरेटर की परीक्षा दो वर्ष विलंब से हुई।

फर्जी मतदाताओं को जड़ से उखाड़ फेंकेगी भाजपा

बंद कमरे में हुई संगठन की अहम बैठक, एसआईआर को लेकर बनी रणनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और जनभागीदारी को सशक्त बनाएगी भाजपा : भूपेंद्र सिंह

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर संगठनात्मक स्तर पर कमर कस ली है। शनिवार को प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में बंद कमरे में हुई अहम बैठक में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक की कार्ययोजना तय की गई। स्पष्ट संदेश दिए गए कि फर्जी वोटरों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में जोड़ना भाजपा का संकल्प है।

बैठक दो चरणों में हुई, जिसमें प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों, प्रभारी और अभियानों के संयोजकों ने हिस्सा लिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि भाजपा सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान जनांदोलन बन चुका है और अब संगठनात्मक स्तर पर इसे और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रियता से होती है और भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में पूर्ण समर्पण से जुटें।

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ, मंडल और शक्ति केंद्र पर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी भी साझा करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान संगठन के लिए जनता से जुड़ने और विश्वास बढ़ाने का सुनहरा अवसर है।

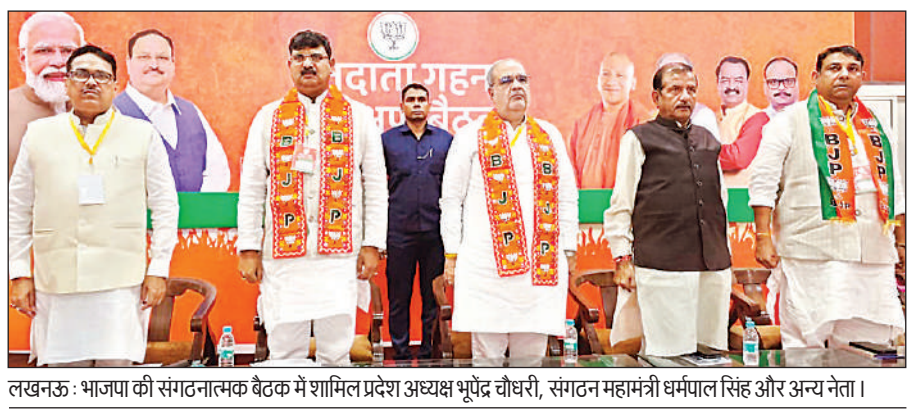

लखनऊ : भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और अन्य नेता।

संगठनात्मक बैठक में शामिल होने प्रदेशभर से आए जिलों के भाजपा पदाधिकारी।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में कार्यक्रम

संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि भूपेंद्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पार्टी 7 नवंबर को प्रदेश के 18 स्थानों पर एक साथ भव्य कार्यक्रम आयोजित होंगे। यह सिर्फ एक गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा दी। आज फिर उसी राष्ट्रभक्ति के भाव को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इन आयोजनों का संयोजन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी करेंगे।

ओबीसी वर्ग को संगठित करें : मायावती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा प्रमुख ने भाईचारा बैठक में पिछड़ा वर्ग पदाधिकारियों से मांगा आर्थिक व राजनीतिक सहयोग

अमृत विचार : सपा के 'पीडीए' को टारगेट करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि ओबीसी समाज जितनी जल्दी बसपा के बैनर तले संगठित होगा, उतनी जल्दी उसके अच्छे दिन आएंगे। साथ ही कहा कि अपर कास्ट समाज राजनीतिक रूप से पहले से ही मजबूत और जागरूक है, इसलिए वह अपना हित देखकर खुद ही बसपा से जुड़ जाएगा।

बसपा प्रमुख शनिवार को मॉल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में पिछड़ा वर्ग समाज भाईचारा संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रही थी। साल 2007 की तरह सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले पर उन्होंने संगठन की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि ओबीसी समाज कई जातियों में बंटा हुआ है। इनमें से कुछ जातियों द्वारा अलग-अलग संगठन या दल बनाने से इनकी एकता प्रभावित होती है, जिसका लाभ जातिवादी पार्टियां हर चुनाव में उठाती हैं।

कांशीराम का असली बामसेफ पंजीकृत नहीं

बैठक में बामसेफ संगठन को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों पर भी मायावती ने स्थिति स्पष्ट की, कहा कि बामसेफ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षित कर्मचारियों का एक सामाजिक संगठन है, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज में जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कांशीराम द्वारा स्थापित मूल बामसेफ पंजीकृत नहीं है और वही असली संगठन है। बाकी बने हुए पंजीकृत बामसेफ "स्वार्थी और अवसरवादी लोगों" के संगठन हैं, जिनसे कांशीराम ने हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी थी।

प्रतिक्रिया

यूनेस्को की सूची में शामिल होकर नवाबों की तहजीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा

लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर होगी और मजबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नवाबों की तहज़ीब, अदब और स्वाद का संगम अब विश्व मंच पर जगमगा रहा है। यूनेस्को ने लखनऊ को "क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोमी" की सूची में शामिल कर भारत को गौरवान्वित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध अवधी पाककला, उसके स्वाद, परंपरा और विविधता को मिला है। शहर अब वैश्विक नक्शे पर अपनी तहजीब के साथ अपनी थाली के स्वाद से भी पहचाना जाएगा।

लखनऊ की पहचान हमेशा से शहर-ए-अदब और शहर-ए-तहज़ीब के रूप में रही है, मगर यहां का खाना इस तहज़ीब का सबसे स्वादिष्ट अध्याय है। टुंडे कबाब, गलौटी, सीक और बोटी कबाब, दुम पुख्त बिरयानी, टोकरी चाट, मक्खन मलाई, खस्ता कचौरी- इन व्यंजनों में सदियों का इतिहास, नवाबी रसोई की नज़ाकत और आम जनता की जुबान का स्वाद समाया है। यूनेस्को की विशेषज्ञ समिति ने लखनऊ की पाक विरासत, उसके कारीगर खानसामाओं, स्थानीय व्यंजन परंपराओं और खाद्य स्थिरता को उच्च मूल्यांकन में स्थान दिया।

लखनऊ अपनी जीवंत संस्कृति और शानदार खानपान के लिए प्रसिद्ध है। खुशी है कि यूनेस्को ने इसकी इस विशेषता को मान्यता दी है। दुनिया के लोग लखनऊ आइए और इसकी अनोखी परंपरा को देखें।

– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

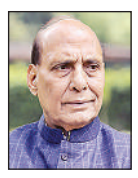

लखनऊ को यूनेस्को की क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी के रूप में चुना जाना इसकी सदीयों पुरानी पाक परंपरा, तहज़ीब और स्वाद की वैश्विक पहचान है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध करेगा।

–राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

यूनेस्को की यह मान्यता लखनऊ की समृद्ध पाक-धरोहर और भारत की खाद्य परंपरा के योगदान की पुष्टि है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की संस्कृति को वैश्विक सम्मान मिल रहा है।

–गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति मंत्री

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए, थोड़ा और मुस्कुराइए... क्योंकि अब विश्व के खानपान के मानचित्र पर अपने लखनऊ का नाम दर्ज हो गया है। हर लखनवी का मान बढ़ा है।

–अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह गौरव संभव हुआ है। लखनऊ की पहचान अब वैश्विक स्तर पर और मजबूत होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

–जयवीर सिंह, पर्यटन मंत्री, उत्तर प्रदेश

प्रमुख सचिव, पर्यटन अमृत अभिजात ने इस उपलब्धि पर कहा कि यूनेस्को की इस मान्यता से लखनऊ के छोटे खाद्य उद्यमों और फूड टूरिज्म को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि लखनऊ की यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के गौरव को बढ़ाने वाली है।

बाहर की दवा लिखी तो होगी सख्त कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य महानिदेशक ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों व प्रभारी चिकित्सकों को दिए निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों से मिलने वाली शिकायतों और शासकीय अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान मिलने वाली खामियों को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन ने नाराजगी व्यक्त की है। चेतावनी देते हुए उन्होंने अस्पतालों में बेहतर इलाज और समुचित सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और स्वास्थ्य इकाइयों के प्रभारी चिकित्सकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

स्वास्थ्य महानिदेशक ने शनिवार को जारी निर्देश में कहा है कि शासन द्वारा पूर्व में भी कई बार निर्देश दिए जा चुके हैं कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सरकारी चिकित्सा इकाइयों में आने वाले रोगियों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं से ही उपचार दिया जाए। बावजूद इसके, कुछ स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज को बाहर की दवा न लिखी जाए।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702,
शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

संपूर्ण समाधान दिवस में 108 शिकायतें आईं, 7 का निस्तारण

डीएम व एसपी ने सुनीं शिकायतें, मातहतों को शीघ्र समाधान के दिए निर्देश

संवाददाता, अमृतपुर

महिला का प्रार्थना पत्र देखते डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी, मौजूद एसपी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में किया गया। इसमें कुल 108 शिकायतें आईं। सात शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

इस अवसर पर सर्वाधिक शिकायतें राजस्व संबंधी आईं। ग्राम कुडरा निवासी रईस ने चकमार्ग पर कब्जे को लेकर, नगरिया जवाहर निवासी मुन्नू ने चक मार्ग पर मिट्टी डलवाने, सरह निवासी कौशल ने बन्द चकमार्ग को खुलवाने, गुर्जरपुर से विजेंद्र ने गली में जानवर बांधकर अवैध कब्जा हटावाने, अमृतपुर निवासी अशोक कुमार ने चकमार्ग की पैमाईश कराने, बहादुरपुर निवासी सर्वेश ने बंद नाली खुलवाने, राजेपुर से सोनू ने मकान पर से दबंगों का कब्जा हटवाने, की शिकायत की। इस मौके पर पुलिस कप्तान आरती सिंह, एसडीएम संजय कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक सिंह यादव, क्षेत्राधिकारी संजय वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू यादव आदि अधिकारी मौजूद रहे।मुख्य विकास अधिकारी संबंधित थानों की पुलिस राजस्व विभाग की टीम सहित तमाम लोग मौके पर मौजूद रहे। कार्यक्रम समापन के बाद जिलाधिकारी की टीम ग्राम आसमपुर पहुंची जहां उन्होंने ग्राम चैपाल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दी। ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर समस्या निस्तारण का आश्वाशन दिया।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसों में 9 लोग घायल

कायमगंज। क्षेत्र में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में नौ लोग घायल हो गए। चार की हालत गंभीर है। कायमगंज नगर के मोहल्ला मेहंदी बाग निवासी ग्रीस चंद्र (62) थाना मेरापुर क्षेत्र के गांव हथौड़ा निवासी सुरेश चंद्र का 17 वर्षीय पुत्र गीतम व जबर सिंह (18) कंम्पिल क्षेत्र के गांव जलालपुर निवासी रामऔतार का 15 वर्षीय पुत्र आनंद, लटूरी (50) व जितेंद्र (28) जनपद शाहजहांपुर के थाना पुरार क्षेत्र के गांव भुनौरा निवासी अंजली (33) सोनू (26) व कुंअर पाल (28) घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों व 108 एम्बुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया गया।

अधिवक्ता के घर लगी आग, गृहस्थी जली

फर्रुखाबाद। आग लगने से अधिवक्ता विनोद सक्सेना का घरेलू सामान स्वाहा हो गया। पड़ोसियों ने प्रयास करके आग बुझाई। थाना मऊ दरवाजा के मोहल्ला के मोहल्ला शेख इनायत अली निवासी विनोद सक्सेना एडवोकेट को उनका बेटा ऋषभ लेकर कचहरी गया था। करीब 12.30 बजे विनोद की पत्नी किरन घर के बाहर चबूतरे पर बैठीं थीं। उनका कुत्ता घर में बंधा था उसी समय शार्ट सर्किट से घर में आग लग गई आग को देखकर कुत्ता भौंकने लगा। तभी किरन व पड़ोसियों को घटना की जानकारी हुई।आग के विकराल रूप धारण करने पर अड़ोस पड़ोस में अपरा तफरी मचकर भगदड़ मच गया।

संदिग्ध हालात में युवक ने फांसी लगाकर जान दी

कायमगंज। शुक्रवार देर शाम को नगर के मोहल्ला बजरिया रामलाल निवासी नितिन जैन उम्र 45 वर्ष पुत्र अरनती शरण जैन ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर के कमरे में दुपट्टे से फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। जब परिजनों ने उसे फांसी पर लटका देखा तो आनन-फानन में उसे नीचे उतारा और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक विपिन कुमार ने प्राथमिक जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी रीना जैन ने बताया कि उनका कोई भी विवाद किसी से भी नहीं था लेकिन वह शराब पीने के आदी थे। जिसके कारण आए दिन घर पर झगड़ा करते रहते थे।और आज उन्होंने कमरे में फांसी लगा ली। पत्नी रीना ने बताया उसके दो बेटे रौनक एवं छोटू तथा एक बेटी खुशी है। मृतक की पत्नी रीना, मां उर्मिला का रो-रो कर बुरा हाल था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा।

सदर तहसील में एसडीएम व तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष महेश्वर सिंह व जिला मंत्री अभय त्रिवेदी व अन्य। अमृत विचार

ग्रेड-पे व स्टेशनरी भत्ता 100 से 1000 रुपये करने की मांग

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

- तहसील दिवस में लेखपाल संघ ने मांगों का सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। लेखपालों ने ग्रेड पे बढ़ाने और स्टेशनरी भत्ता 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की प्रमुख मांगें रखीं।

संघ के जिला अध्यक्ष महेश्वर सिंह व जिला मंत्री अभय त्रिवेदी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि लगभग तीन हजार लेखपाल अपने परिवारों से 500 से एक हजार किलोमीटर दूर नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने अंतर मंडलीय स्थानांतरण सूची तत्काल जारी करने की मांग की। परिषद ने 23 अगस्त 2018 को ऑनलाइन आवेदन मांगे थे, लेकिन सूची अभी तक जारी नहीं हुई है, जबकि अन्य विभागों में हजारों कर्मचारियों का स्थानांतरण हो चुका है। लेखपालों ने प्रारंभिक वेतनमान सूचीकरण लेवल पांच का करने, पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि करने और एसीपी विसंगति को दूर करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, भत्तों में वृद्धि, नियत यात्रा भत्ता के स्थान पर वाहन भत्ता, विशेष वेतन भत्ता और पदनाम परिवर्तन जैसी अन्य मांगें भी में शामिल थीं। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो लेखपाल 15 नवंबर को आंदोलन पर जाने के लिए विवश होंगे। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष रघुवंश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष हरमुख पाल आदि रहे।

'आयुर्वेद जीवन जीने की एक संपूर्ण वैज्ञानिक पद्धति'

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

कार्यक्रम को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह।

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में शनिवार को बीएएमएस सत्र 2025 के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का पहला दिन उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ विश्वविद्यालय पहुंचे और शिक्षकों से आयुर्वेद की परम्परा, महत्व तथा आधुनिक चिकित्सा में इसके योगदान को समझा।

लेक्चर थिएटर संख्या-एक में आयोजित आयुर्वेद प्रवेशिका (ट्रांजिशनल कैरिकुलम) कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह, चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव, प्रति कुलाधिपति डॉ. अंचल सिंह, कुलसचिव रणजीत सिंह एवं डीन डॉ. अम्बरीष कुमार बाथम ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विद्यार्थियों को अनुशासन और सदाचरण की शपथ दिलाई और अपने सीनियर्स का सम्मान करने और चिकित्सकीय पेशे के अनुरूप अपना आचरण बदलने का भी पाठ पढ़ाया गया।

कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ अनार सिंह ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण वैज्ञानिक पद्धति है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे देश ने संसार को 'आरोग्य' का यह मार्ग दिखाया है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अध्ययन के साथ-साथ आयुर्वेदिक दर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करें। चेयरपर्सन डॉ अनीता यादव ने कहा कि आयुर्वेद में निहित ज्ञान आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। स्वस्थ जीवन शैली और प्राकृतिक उपचार की दिशा में यह शिक्षा विद्यार्थियों के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होगी। कुलसचिव रणजीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएँ एवं अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डीन डॉ एके बाथम ने कहा कि आयुर्वेद का अध्ययन केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन के व्यवहार में भी अपनाया जाए। डॉ कुंदन मिश्रा ने आयुर्वेद से जुड़े ऋषियों मुनियों और आयुर्वेद के इतिहास से विद्यार्थियों को परिचित कराया। विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव हरिओम शुक्ला, आयुर्वेद के उप प्राचार्य डॉ विनायक किन्नाल, डॉ संतोष कुमार मिश्रा, डॉ. अभिषेक गुप्ता, डॉ आरके भदौरिया, डॉ कुन्दन कुमार मिश्रा, डॉ शारदा, डॉ आराध्या देव मिश्रा, डॉ नवीन पीवी, डॉ सोनी गुप्ता आदि रहे।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

आदर्श युवा समिति कन्नौज की ओर से
समिति के संयोजक एवं युवा समाजसेवी भाई प्रशांत त्रिपाठी को
जन्म दिवस की अनन्तकोटि बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं

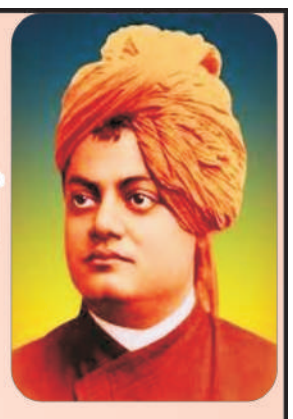

प्रशांत त्रिपाठी
युवा समाजसेवी
पुत्र गोपाल त्रिपाठी
पूर्व जिला पंचायत सदस्य

सौरभ कुशवाहा
युवा समाजसेवी

ऋषभ कुशवाहा
युवा समाजसेवी

विशाल कुशवाहा
युवा समाजसेवी

सोनू ठाकुर

रमन तिवारी

पारस त्रिपाठी

शुभम् तिवारी

विकास पांडेय

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

भाई की शादी में जा रही बहन की सड़क हादसे में मौत

छिबरामऊ। पति के साथ बाइक से भाई की शादी में जा रही महिला की सडक हादसे में मौत हो गई। तालग्राम थाना क्षेत्र के गांव अकर्माबाद के रहने वाले ब्रजेश कुमार की ससुराल एटा जिले के अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव अमोगपुर में है। बृजेश कुमार शनिवार को पत्नी दुर्गेश कुमारी व बेटा अरनव के साथ ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा था। तालग्राम रोड पर नगला बल्देव के सामने पहुंचा तभी सामने से आ रहे टेम्पो से भिडंत हो गई। इसमें तीनों घायल हो गये। यहां मौजूद लोगों ने सभी घायलों को शौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डाक्टरों ने दुर्गेश कुमारी को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गये।

गैंगस्टर में दो दोषियों को 5 साल की सजा

कन्नौज। गैंगस्टर एक्ट में दोषी पाए गए दो अभियुक्तों को पांच-पांच साल के कठोर कारावास से दंडित किया गया। इसके साथ ही 5000-5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। शासकीय अधिवक्ता ब्रजेश शुक्ल ने बताया कि 25 मई 2020 को प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने मिंटू पाल पुत्र सतीश पाल व अंकुर पटेल पुत्र स्व. ध्रुव किशोर निवासीगण ग्राम आसफपुर पट्टी, थाना तालग्राम जनपद कन्नौज के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में अंतिम सुनवाई के बाद दोनों पर दोष सिद्ध पाया गया। इस पर विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट हरेंद्र नाथ ने दोनों को सजा तथा जुर्माने से दंडित किया।

छात्र के साथ अधेड़ ने किया कुकर्म

सौरिख। थाना क्षेत्र ग्राम भावलपुर में एक अधेड़ ने 12 साल के छात्र के साथ गेस्ट हाउस में कुकर्म किया। इसका वीडियो एक युवक ने बना लिया था और उसको ब्लैकमेल कर रुपये मांगे। आरोपी गुड्डू मिश्रा ने रकम नहीं दी तो वीडियो वायरल कर दिया। घटना करीब तीन माह पूर्व की है। पीड़ित के परिजनों व आरोपी के बीच पंचायत पड़ी लेकिन समझौता नहीं हो सका। थाना प्रभारी जयंती प्रसाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

अधेड़ युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

गुरसहायगंज, कन्नौज। फर्रुखाबाद के थाना कम्पिल ग्राम निजामुददीनपुर निवासी शमशाद (45) पुत्र नगर के मोहल्ला किदवई नगर स्थित एक बेकरी में काम करता था। शनिवार की सुबह नंगापुरवा रोड के सामने बने नगर पालिका के यात्री प्रतीक्षालय उसका शव जमीन पर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे कस्बा चौकी प्रभारी दीपक चौधरी ने शिनाख्त कराई। मृतक का भाई दिलशाद मौके पर पहुंचा और कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को उसके भाई को सौंप दिया। चौकी प्रभारी दीपक चौधरी ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था और प्रतीक्षालय में बनी पटिया से गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। मौके पर ही पड़ा रहने से उसकी मौत हो गई।

फ्रांस से आए 10 नागरिकों ने पुरातत्व संग्रहालय देखा

कन्नौज। राजकीय पुरातत्व संग्रहालय में भी भारत रत्न पटेल की जयंती पर पुष्पांजलि, व्याख्यान एवं एकीकरण के वास्तुकार विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी लगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक पप्पू सरोज शामिल हुए। सभी ने लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। डीआईओएस एवं जेपी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी एवं संग्रहालय का भ्रमण किया। विद्यार्थियों को जानकारी भी दी गई। इसी क्रम में फ्रांस से आए 10 नागरिकों को पीपीटी के द्वारा प्रवीण टंडन सदस्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद ने इतिहास एवं इत्र के विकास पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन व संचालन डॉ. पवन तिवारी ने किया। डॉ. पवन श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

यातायात माह शुरू एसपी ने किया उद्घाटन

कन्नौज। रिजर्व पुलिस लाइन में यातायात माह का आयोजन हुआ। एसपी विनोद कुमार ने हरी झंडी दिखा प्रचार वाहन को रवाना किया। इसके बाद एसपी ने मौजूद लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। बताया कि पूरे माह जिले में विभिन्न यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

दो माह से नहीं मिला मानदेय सफाई कर्मियों ने की हड़ताल

जिला अस्पताल का मामला : संस्था पर लापरवाही का लगाया आरोप

जिला अस्पताल के मुख्य गेट पर हड़ताल कर खड़े सफाई कर्मचारी। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग पर लगे सफाई कर्मचारियों ने दो माह से मानदेय न मिलने पर हड़ताल करदी। बाद में सीएमएस व अन्य कर्मचारियों के समझाने पर कर्मचारी काम पर लौटे।

जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग से मानदेय पर 40 सफाईकर्मी तैनात हैं। दो माह से इनको मानदेय नहीं मिला। बीते माह भी इन्होंने हंगामा करते हुए हड़ताल की थी। तब सीएमएस डॉ. शक्ति बसु ने इनको समझा दिया था। कर्मचारी इस उम्मीद में काम करते रहे कि कुछ समय के बाद मानदेय आ जायेगा। अब दो माह बाद भी मानदेय खाते में नहीं पहुंचा तो सफाई कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू लेकर हड़ताल शुरू करदी। शनिवार को जिला अस्पताल के मुख्य गेट के सामने खड़े होकर प्रदर्शन किया। सफाई व्यवस्था चरमराते देख सीएमएस ने कर्मचारियों को भेज कर सभी को बुलाया। उन्होंने सीएमएस को बताया कि वे 7400 रुपये मासिक मानदेय पर काम करते हैं। इसके बावजूद कंपनी कई-कई महीनों तक मानदेय नहीं देती है। इससे उनको परिवार का भरण-पोषण करने में दिक्कतें आ रही है। बाद में सीएमएस के आश्वासन पर कर्मचारियों ने काम पर लौटने की बात कही।

बीएलओ पर लेखपाल से अभद्रता का आरोप

तिर्वा। बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा सुपरवाइजर (लेखपाल) से अभद्रता और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बीएलओ ने न केवल तहसील सभागार में हंगामा किया बल्कि सरकारी कर्मचारी को छेड़छाड़ के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी।

तिर्वा तहसील में तैनात लेखपाल अमित कुमार विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सुपरवाइजर हैं। उन्होंने बताया कि हंसापुर प्राथमिक विद्यालय पर महिला बीएलओ जो शिक्षामित्र है से मतदाता सूची उपलब्ध कराए जाने को लेकर बुधवार को फोन किया। उसने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और उच्च अधिकारियों तक गाली गलौज कर डाली। शनिवार को वे तहसील सभागार में शासकीय कार्य कर रहे थे, तभी उक्त बीएलओ वहां पहुंच गई और नाम पूछकर गाली-गलौज व मारपीट करने लगी। धमकी दी कि छेड़छाड़ का मुकदमा लगवाकर जेल भिजवा दूंगी। घटना की जानकारी मिलने पर तहसील परिसर में मौजूद अन्य कर्मचारियों में भी रोष फैल गया। पीड़ित लेखपाल ने इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

संविदा लाइनमैन की क्लीनिक में मौत, रात तक कटा हंगामा

संवाददाता, गुरसहायगंज

अमृत विचार। नगर के एक निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान संविदा लाइनमैन की मौत हो गई। परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए देर रात तक हंगामा किया। रोड पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने समझा बुझाकर शांत कराया। पिता ने डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई के लिए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है।

विमलेश जाटव।

कोतवाली क्षेत्र के मतौली निवासी सर्वेश जाटव का 25 वर्षीय पुत्र विमलेश तालग्राम स्थित विद्युत उपकेंद्र पर संविदा कर्मी लाइनमैन था। पिता ने बताया कि तबीयत खराब होने पर विमलेश को गुरसहायगंज के नंगापुर्वा स्थिति एक निजी क्लीनिक ले गए। शुक्रवार को सुबह 11 बजे भर्ती कराया। डॉक्टर के इलाज के बाद भी हालत बिगड़ती चली गई। कई बार कहने के बाद भी पुत्र को अस्पताल से छुट्टी नहीं दी और न ही उसे कहीं दूसरी जगह ले जाने दिया। रात करीब 08 बजे विमलेश की सांस उखडने लगी तो डॉक्टर ने वाहन मंगवा कर अपने स्टाफ के साथ उसे कानपुर के लिए भेज दिया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उसकी मौत अस्पताल में गलत इलाज के दौरान हो गई थी। मौत से गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव को रखकर जमकर हंगामा काटा और जाम लगाने का भी प्रयास किया। सूचना पर पहुंचे कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक सीपी तिवारी व कन्नौज कोतवाल जितेंद्र प्रताप सिंह ने परिजनों को समझाकर शांत किया। शनिवार को कस्बा चौकी प्रभारी दीपक चौधरी ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज भेजा गया है। प्रार्थना पत्र मिला है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट भेजी जा रही है।

क्लीनिक संचालक डाक्टर दंपति हैं एमडी

कन्नौज। संबंधित क्लीनिक की जांच सीएमओ की ओर से कराई गई। इसमें पाया गया कि क्लीनिक संचालक डाक्टर दंपति एमडी है। वह कानपुर के उर्सला अस्पताल में रह चुके हैं।

सिया को ब्याहने बारात ले जनकपुरी पहुंचे प्रभु श्रीराम

जलालाबाद। श्रीराम चरित मानस अखिल चेतना मंच के द्वारा भव्य श्री राम बारात का आयोजन किया गया। श्रीराम बारात का ग्राम प्रधान, प्रतिनिधि व संरक्षक अनिल दुबे सहित स्थानीय लोगों ने तिलक व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

शुक्रवार की रात श्रीराम की बारात का शुभारंभ ग्राम जलालाबाद स्थित मनीभूषण शिक्षण संस्थान (पक्का बाग़) से किया गया। जहां ग्राम प्रधान मीना वाथम व प्रतिनिधि हरीओम वाथम (लालू) व संरक्षक अनिल दुबे व रानी दुबे ने श्री गणेश, श्री राम, लक्ष्मण सहित सभी रथों पर विराजमान देवी देवताओं का तिलक कर स्वागत किया। बारात क्षेत्र का भ्रमण कर वापस मनीभूषण शिक्षण संस्थान परिसर में सम्पन्न हुई। अखिल नगर में चल रही रामलीला में श्री राम माता सीता का विवाह संपन्न कराया गया। बारात में 36 संजीव व निर्जीव झांकियां रहीं। पैदल में संत प्रेमानंद महाराज की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली के उपनिरीक्षक सीपी तिवारी, जसोदा चौकी प्रभारी राजेंद्र कुमार, नीरज कुमार, अशोक कुमार राहुल शेरपाल पुलिस कर्मी मौजूद रहे। इस दौरान संरक्षक मंडल के अनिल दुबे, रवि कुमार द्विवेदी आदि रहे।

छिबरामऊ में फरियादियों की समस्याएं सुनते एसपी विनोद कुमार, सीडीओ राम कृपाल चौधरी व एसडीएम ज्ञानेंद्र द्विवेदी। अमृत विचार

ठगी के 48 हजार रुपये कराए वापस

तिर्वा। 4 अप्रैल 25 को कोतवाली क्षेत्र के गागेमऊ निवासी प्रदीप कुमार से साइबर ठगी हुई। साल भर में रुपये डबल करने का झांसा देकर 48 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी हुई। साइबर डेस्क प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि पीड़ित कि शिकायत पर खाते को होल्ड करा 4 अक्टूबर को न्यायालय के आदेश पर बैंक ने उस खाते से पीड़ित को पैसा वापस कर दिया। कोतवाल संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि ऑनलाइन ठगी पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

आकर्षण का केंद्र रहा चंद्रयान-3 का मॉडल

संवाददाता, छिबरामऊ

कन्नौज। एक स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई। इसमें चन्द्रयान-3 का मॉडल सभी के आकर्षण का केंद्र रहा। नेहरू पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जयवीर सिंह ने फीता काटकर श्री आरएस लाल देवकी किड्जी ग्लोबल स्कूल में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करने एवं दीप प्रज्ज्वलन के बाद उन्होंने मॉडल देखे और बच्चों की प्रतिभा को सराहा। प्रदर्शनी में बच्चों ने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कंप्यूटर, पर्यावरण संरक्षण व सोलर एनर्जी आदि विषयों पर बनाए मॉडल प्रदर्शित किए। बेहद सराहे गए मॉडलों में चंद्रयान-2, सोलर एनर्जी सिस्टम रहे।

प्रदर्शनी में बच्चों के मॉडल देखते मुख्य अतिथि डॉ. जयवीर सिंह।

इस अवसर पर प्रिंसिपल बरखा अवस्थी ने कहा सीबीएसई एवं सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए 'करके सीखो' नीति पर यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अनूप कुमार द्विवेदी व कोऑर्डिनेटर शुभम ने मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉक्टर जयवीर सिंह को अंग वस्त्र व प्रतीक चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य प्रतिमा शुक्ला आदि रहे।

समाधान दिवस में आईं 135 समस्याएं, 11 निपटीं

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। सदर तहसील सभागार में एडीएम वित्त एवं राजस्व देवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इसमें कुल 135 शिकायतें आईं। इसमें 11 का निस्तारण किया गया। खास बात यह है कि 81 मामले केवल राजस्व विभाग से ही संबंधित हैं जिसमें से 11 मौके पर निपटाए गए। शनिवार को पुलिस विभाग की 27, नगर पालिका कन्नौज की 03, विकास विभाग की 07, बिजली व पूर्ति विभाग की 02-02, चकबंदी की 08, पीडब्ल्यूडी, पंचायती राज, एलडीएम, वन विभाग व सीवीओ की 01-01 शिकायत आई। इस मौके पर एएसपी अजय कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट वैशाली, बीईओ शिवेंद्र वर्मा मौजूद रहे।

146 शिकायतों में 5 का निस्तारण

- **छिबरामऊ।** तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 146 शिकायतें पहुंचीं जिसमें 05 का निस्तारण किया गया। शनिवार को एसपी विनोद कुमार, सीडीओ राम कृपाल चौधरी व एसडीएम ज्ञानेंद्र द्विवेदी के समक्ष राजस्व विभाग से 72, पुलिस से 28, विकास से 23, रसद विभाग की 06 विद्युत विभाग की 07 व अन्य विभागों से 10 शिकायतें पहुंचीं। कुछ मामलों में पुलिस और लेखपालों की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर भेजा गया। सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

देवोत्थान एकादशी पर पूजा अर्चना, कराया तुलसी विवाह

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ गुरसहायगंज/ तिर्वा

- **दिनभर जमकर हुई गन्ना सिंघाड़ा के अलावा शकरकंदी की खरीदारी**

अमृत विचार। देवोत्थान एकादशी का पर्व जिले भर में धूमधाम से मनाया गया। बाजारों में गन्ने व सिंघाड़े की जमकर बिक्री हुई। इसके अलावा कार्तिक एकादशी को महिलाओं ने माता तुलसी और सालिगराम का विवाह भी बड़े धूमधाम से किया और उनकी पूजा अर्चना की।

शनिवार को जिले भर के मुख्य तिराहों, चौराहों सुबह से ही गन्ने की अस्थायी दुकानें सज गईं। इसके साथ ही खरीदार भी सुबह से जुटने लगे। खास बात यह रही कि पूजा का दिन होने के कारण 80-100 रुपये तक में पांच गन्ने बिके। वहीं उबला सिंघाड़ा 200 रुपये प्रति किलो की दर से बेंचा गया। इसके अलावा स्थानीय लोगों ने भगवान की पूजा से संबंधित अन्य सामग्री को भी खरीदा। गुरसहायगंज राममंदिर के महंत राकेश चंद्र दुबे ने बताया कि देवोत्थान एकादशी वाले दिन भगवान विष्णु अपनी निद्रा का त्याग कर जागते हैं जिसको लेकर यह त्यौहार मनाया जाता है। इसमें सच्चे मन से भगवान विष्णु की पूजा करने वाले व्यक्ति को सारे सुखों की प्राप्ति होती है। वहीं महिलाओं ने अपने घरों में माता तुलसी का विवाह भी पूजा पाठ के साथ संपन्न कराया। बता दें कि भगवान विष्णु के जागने के बाद से मांगलिक कार्य प्रारंभ हो जाते हैं।

श्रीखाटू श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से निकाली गई निशान यात्रा

संवाददाता, सौरिख

अमृत विचार। श्रीखाटू श्याम सेवा ट्रस्ट की तरफ से नगर में निशान यात्रा का आयोजन किया गया। अंत में विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया।

नगर में खाटू श्याम सेवा ट्रस्ट की तरफ से निकली निशान यात्रा का का शुभारंभ तिर्वा विधायक कैलाश सिंह राजपूत ने किया। संतोषी माता मंदिर के परिसर से शुरू हुई यात्रा बिधूना रोड, नदीमऊ रोड सौरिख छिबरामऊ मार्ग, सकरावा मार्ग मोहल्ला लोहिया नगर, संजय नगर ,सुभाष नगर होती हुई वापस संतोषी माता के मंदिर में समाप्त हुई। उसके बाद कमेटी के पदाधिकारियों ने विशाल भंडारे का आयोजन भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज के प्रांगण में किया जिसमें नगर क्षेत्र के हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रबंधक अमित दुबे, कोषाध्यक्ष आशीष पाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धुव त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंजेश पाल एवं उपाध्यक्ष रजनीश गुप्ता के अलावा नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल गुप्ता, राघव दुबे, ओम चतुर्वेदी रहे।

निशान यात्रा में शामिल विधायक कैलाश राजपूत। अमृत विचार

जगह-जगह हुए भंडारे: तिर्वा संवाददाता के अनुसार शनिवार को श्रीखाटू श्याम के जन्म दिन पर जगह-जगह विशाल भंडारे आयोजित कर प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम एसएम प्रधान फाउंडेशन का छात्रवृत्ति वितरण व संस्थापक दिवस समारोह

विद्यार्थियों के करतबों ने बटोरीं तालियां

संवाददाता, छिबरामऊ (कन्नौज)

अमृत विचार। एसएम प्रधान फाउंडेशन के छात्रवृत्ति वितरण व संस्थापक दिवस समारोह में रंगबिरंगें परिधानों में सजे धजे नन्हें मुन्ने बच्चों ने सतरंगी रोशनी से नहाए रंगमंच पर अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से ऐसी इन्द्रधनुषी छटा बिखेरी। विद्यालय प्रांगण में परीलोक साकार हो गया।

शुक्रवार की शाम सिटी चिल्ड्रेस एकेडमी की खुबरियापुर शाखा में आयोजित इस समारोह में बच्चों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता से ओतप्रोत अनेक रंगारंग एवं संदेशपरक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि इनवर्टिस यूनीवर्सिटी बरेली के कुलाधिपति व बरेली शहर के महापौर डॉ० उमेश गौत्तम ने दीप प्रज्ज्वलन और प्रमुख शिक्षाविद् स्व. एस. एन. प्रधान के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सीसीए के संस्थापक दिवस के कार्यक्रम में करतब दिखाते विद्यार्थी। अमृत विचार

संस्था के प्रबन्धक प्रदीप प्रधान ने अपने संबोधन में कार्यक्रम के उद्देश्यि के बारे में बताया कि हम जनपद के मेधावियों का चयन कर उन्हें सम्मानित करते हैं। प्रशासिका सुधा प्रधान एवं सी०ई०ओ० विश्वास प्रधान, कन्विनर मधू प्रधान ने भी विचार व्यक्त किये।

इस मौके पर अंग्रेजी भाषा की हाई स्कूल स्तर पर हुई लिखित परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त यशश्वी चतुर्वेदी, प्रेमांशी गौतम एवं ऐश्वर्या श्रीवास्तव को 5000 रुपये, इंटरमीडिएट स्तर पर क्षितिज सिंह, केशव त्रिपाठी एवं श्रेया भदौरिया को 5500 व स्नातक स्तर पर पलक शर्मा, निवेदिता यादव एवं आराध्या कटियार को 6000 रुपए नगद की छात्रवृत्तियां, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेट किए गए।

डिबेट (सीनियर वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त आर्यन दीक्षित को 4000 रुपये, द्वितीय अर्शिमा परवीन को 3000 रुपये एवं तृतीय वैभवी टंडन को 2500 रुपये नकद, डिबेट (जूनियर वर्ग) में प्रथम स्थान प्राप्त यशशवी चतुर्वेदी को 3500, द्वितीय पलक त्रिपाठी को 3000 एवं तृतीय हादिया फातिमा को 2500 रुपये नगद छात्रवृत्ति दी गई। सीसीए के इंटरमीडिएट बोर्ड टॉपर दिव्यांशू शुक्ला को पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के स्वरूप ने स्वर्गीय राम सुमिरन लाल मेमोरियल अवार्ड के अंतर्गत 11 हजार रुपये की नगद छात्रवृत्ति, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

डिजिटल हाजिरी के विरोध में शिक्षकों ने दिया ज्ञापन

कन्नौज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने परिषदीय स्कूलों के अध्यापकों की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर के विरोध मार्च निकाला। कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री एवं बेसिक शिक्षा मंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अविनाश गौतम को दिया।

जिलाध्यक्ष सुशील यादव के नेतृत्व में शनिवार को कई शिक्षक कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने अक्टूबर से परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत बच्चों एवं कार्यरत स्टॉफ की लागू की गई ऑनलाइन डिजिटल उपस्थिति को लेकर विरोध किया। कहा कि डिजिटल उपस्थिति से निजता का हनन होने के साथ ही बाल संरक्षण अधिकारों का उल्लंघन है इस पर रोक लगाई जाए। मंत्री बृजपाल भदौरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद यादव ने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर जावेद अहमद, योगेंद्र यादव, अवधनारायण, सुधीर कुमार, रमाकांत पाल, रामौतार शंखवार, संदीप कुमार आदि रहे।

पुण्यतिथि के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को नमन करते लोग। अमृत विचार

गुरसहायगंज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को पुण्यतिथि पर नमन कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, गुरसहायगंज

अमृत विचार। नगर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुण्यतिथि पर गोष्ठी व श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नगर के मोहल्ला गोपाल नगर स्थित प्रतिष्ठान पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दादा गोपाल गुप्ता की पुण्यतिथि पर गोष्ठी व भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र देव, आलोक दीक्षित 'कन्हैया' ने समेत सैकड़ों लोगों ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, जिला पंचायत अध्यक्ष फर्रुखाबाद मोनिका यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष कन्नौज प्रिया शाक्य, जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया, जिलाध्यक्ष इटावा अन्नू गुप्ता, जिलाध्यक्ष औरैया सर्वेश कठेरिया, रूपेश गुप्ता, नरेन्द्र सिंह राजपूत, राजीव ठाकुर, रामवीर कठेरिया, जीतू तिवारी, धीरेन्द्र आर्य, दिनेश यादव, योगेन्द्र भदौरिया, विजय मिश्र, आनंद सिंह, मुनीश मिश्रा, आकाश गुप्ता, राजीव सिंह, अजय वर्मा, राजेन्द्र यादव, मयंक गुप्ता, सरित दुबे, नकीम अहमद, सौरभ गुप्ता, राहुल गुप्ता, मुस्ताक अहमद, राजीव वर्मा, आंचल गुप्ता, शिवा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट की घटनाओं में तीन लोग घायल

इटावा। जनपद के अलग अलग स्थानों पर हुईं मारपीट की घटनाओं में तीन लोग घायल हो गए, घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना बढ़पुरा क्षेत्र के अंतर्गत सुनवारा निवासी नैंसी देवी पत्नी रामनरेश को गांव में दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। थाना जसवंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत जनकपुर निवासी राहुल कुमार पुत्र राम नरेश व उनकी पत्नी खुशबू को गांव में दबंगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। परिजन घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया।

सरदार पटेल जयंती समारोह 7 को

इटावा। सरदार पटेल विचार मंच द्वारा लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापना के पच्चीस वर्ष पूर्ण होने एवं उनकी 150वीं जयंती के उपरांत के के कालेज में 7 नवम्बर को सुबह 10 बजे सरदार पटेल जयंती समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक आशीष पटेल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, अतिविशिष्ट अतिथि सेवानिवृत डीआईजी राजूबाबू सिंह प्रतिभाग कर समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। श्री पटेल ने जनपद वासियों से उक्त कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

ई-रिक्शा नीलगाय से टकराया, तीन घायल

बकेवर। बकेवर से लखना की तरफ जा रहे ई-रिक्शा के सामने अचानक से नीलगाय के आ जाने से ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसके चलते ई-रिक्शा चालक सहित तीन लोग घायल हो गये। घायलों को उपचार हेतु पच्चास शैय्या अस्पताल भेजा गया। जहां उन्हे प्राथमिक उपचार दिया गया। शनिवार को बकेवर से लखना की तरफ जा रहे ई-रिक्शा के सामने केके पेट्रोल पम्प के समीप अचानक नीलगाय आ जाने से ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक प्रवीण तथा सवारी भूरी देवी व उनका बेटा देव घायल हो गया। हादसे में घायल तीनों घायलों को उपचार हेतु पचास शैय्या अस्पताल ले आया गया।

राज्य महिला आयोग की सदस्य 6 को सुनेंगी समस्याएं

इटावा। जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि पूनम द्विवेदी सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग 6 नवम्बर को पूर्वाहन 11 बजे प्रेरणा सभागार विकास भवन में महिलाओं की समस्याओं को सुनेंगी। सुनवाई के समय विभिन्न विभागों के अधिकारी भी महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित रहेगें। द्वितीय सत्र की अवधि में महिलाओं सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक जाकरूकता चौपाल का आयोजन आंगनवाडी केन्द्र चितभवन में अपरान्ह 2 बजे से 4 बजे तक किया जायेगा। जागरूकता चौपाल में उपस्थित व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिलाये जाने हेतु योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध रहेगें। जनपद की पीड़ित महिलाएं समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को रख सकती हैं।

डीबीए चुनाव : यूपी बार के निर्देश पर एल्डर्स कमेटी भंग

सात नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति

कार्यालय संवाददाता इटावा

कचहरी में हंगामा कर पुतला फूंकते वकील। अमृत विचार

अमृत विचार। सात नवंबर को होने वाले बार संघ के चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। शुक्रवार को यूपी बार एसोशिएशन के अध्यक्ष ने कुछ वकीलों की शिकायत पर एल्डर्स कमटी के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए है। यूपी बार ने डीबीए अध्यक्ष को पत्र लिखकर एल्डर्स कमेटी को भंग कर दूसरी एल्डर्स कमेटी बनाकर चुनाव कराने के निर्देश दिए है। यूपी बार अध्यक्ष के निर्देश के बाद डीबीए अध्यक्ष ने एल्डर्स कमेटी को भंग कर दिया। एल्डर्स कमेटी भंग होने के जानकारी मिलते ही अधिवक्ताओं ने जुलूस निकालकर जमकर हंगामा काटा।

उप्र प्रदेश बार काउंसिल के आदेश पर शनिवार को जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एल्डर्स कमेटी भंग कर दी। जानकारी होने पर शनिवार करीब 11 बजे बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने एकत्रित होकर कचहरी परिसर में जुलूस निकाला और जमकर हंगामा काटा व पुतला फूंका। इसके बाद डीबीए हाल में एल्डर्स कमेटी के तत्कालीन सदस्यों के साथ बैठक की गई। बैठक में चुनाव सात नवंबर को ही कराने की बात कही गई। उन्होंने चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगाया।

वकीलों ने कहा कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए एल्डर्स कमेटी को भंग किया गया है। जिला बार एसोसिशएन के अध्यक्ष अनिल गौर ने बताया कि 31 अक्तूबर को उप्र बार काउंसिल से एक पत्र प्राप्त हुआ है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष की ओर से एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष शांति स्वरूप पाठक को पदमुक्त करने की बात कही गई है। उन पर नियम विरुद्ध मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का आरोप है। बताया कि वरिष्ठता सूची के आधार पर नए अध्यक्ष का नाम प्रस्तावित करके नई एल्डर्स कमेटी घोषित करने की बात कही गई है। इसके आधार पर मेरे स्तर से पत्र जारी करके पुराने एल्डर्स कमेटी को भंग कर दिया गया है। अब नई एल्डर्स कमेटी का गठन होने के बाद चुनाव होगा। एल्डर्स कमेटी के भंग होने के बाद सात नवम्बर को होने वाले चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है।

धूप निकलने से किसानों ने ली राहत की सांस

महेवा। विकासखंड क्षेत्र के कस्बा एवं ग्रामीण अंचलों में 27 अक्टूबर से चल रहे रिमझिम बारिश के मौसम में शनिवार को कुछ सुधार हुआ। सुबह के समय सूर्य देवता आसमान में चमकते हुए दिखाई दिए। हालांकि उसके बाद फिर से बादल छा गए। वहीं क्षेत्र में तापमान कम रहने से लोगों को सर्दी का एहसास हुआ। पिछले दिनों हुई बारिश के चलते कई जगह सड़कों पर कीचड़ हो गया,जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

लगातार खराब मौसम के चलते किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। किसानों को खेत में खड़ी व कटी पड़ी फसल की चिंता सता रही है। छठवें दिन मौसम में हो रहे बदलाव के चलते हर वर्ग परेशान हो रहा है। शनिवार को सुबह धूप निकली बीच में काले बादल भी छाए रहे हालांकि बादल छाने के दौरान चालक वाहनों की लाइट जलाकर निकलते दिखाई दिए। हालांकि शुक्रवार की अपेक्षा शनिवार को तापमान में बढ़ोतरी रही जिसके चलते बाजारों में रौनक बढ़ी। सर्दी बढ़ने से लोगों ने ऊनी कपड़ों की खरीदारी भी शुरू कर दी। दिन में मौसम खुलने से कुछ राहत रही शाम को सर्दी का असर बढ़ गया।

बच्चों की प्रगति रिपोर्ट देखते अभिभावक अमृत विचार

अभिभावकों ने शिक्षकों से जानी बच्चों की प्रगति

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

- चौ. सुघर सिंह वर्ल्ड स्कूल में टर्म-एक परीक्षा परिणाम घोषित

अमृत विचार। चौ. सुघर सिंह वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को टर्म-एक परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों ने अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन और व्यवहार पर शिक्षकों से विस्तारपूर्वक चर्चा की।

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर अनुज मोंटी यादव ने विद्यालय की प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस, डिजिटल टीचिंग, ऑडियो-वीडियो लर्निंग सिस्टम, कंपोजिट लैब और स्मार्ट कंप्यूटर लैब जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो छात्रों में नेतृत्व क्षमता और सृजनात्मक सोच को विकसित करती हैं। प्रधानाचार्य मनराज कौर नामधारी ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत है। विद्यालय में खेलकूद, विज्ञान प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। बैठक में सभी शिक्षक उपस्थित रहे और छात्रों की प्रगति रिपोर्ट साझा की। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था और अनुशासन की सराहना करते हुए विद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया।

सीडीओ ने लाइब्रेरी का किया शुभारंभ

ताखा। क्षेत्र के ग्राम मामन हिम्मतपुर में नवनिर्मित ग्राम पुस्तकालय का शुभारंभ शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी ने फीता काटकर किया। सीडीओ अजय कुमार गौतम ने लाइब्रेरी का निरीक्षण किया और अंदर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सबसे पहले लाइब्रेरी की दीवारों पर कराए गए रंग-रोगन पर असंतोष जताते हुए कहा कि पुस्तकालय में सफेद रंग होना चाहिए ताकि प्रकाश और अध्ययन का वातावरण अनुकूल रहे। उन्होंने साफ-सफाई और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

सीडीओ ने बताया कि ताखा ब्लॉक क्षेत्र में कुल आठ पुस्तकालय स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें प्रत्येक पुस्तकालय में सप्ताह में दो-दो दिन एसडीएम (न्यायिक) और एसडीएम (प्रशासनिक) समय दें, ताकि पुस्तकालयों की निगरानी और सुधार कार्य लगातार होते रहें। उन्होंने यह कहा कि रात में अध्ययन करने वाले छात्रों की सुरक्षा और सहायता के लिए किसी जिम्मेदार व्यक्ति की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस मौके पर एसडीएम ताखा श्वेता मिश्रा, बीडीओ प्रदीप कुमार समेत प्रधान व तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

डॉक्टर के पास लगी मरीजों की भीड़। अमृत विचार

50 शैय्या अस्पताल में डॉक्टरों की कमी से परेशानी

संवाददाता बकेवर इटावा

- सर्दी जुकाम बुखार के करीब तीन सौ मरीज आ रहे रोजाना

अमृत विचार। कस्बा स्थित 50 शैय्या अस्पताल डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है। ओपीडी में मरीजों को उपचार दे रहे इमरजेंसी मेडिकल चिकित्सक की अचानक तबियत खराब हो गई है। ईएमओ के जाने के बाद बाल रोग विशेषज्ञ ने ओपीडी में ईएमओ के रूप में मरीजों का देखकर उनका उपचार किया।

कस्बा बकेवर के 50 शैय्या अस्पताल में इमरजेंसी चिकित्सक डॉ रविन्द्र साहू की तबीयत ओपीडी में मरीजों को देखने के दौरान ही करीब 12 बजे अचानक तबियत बिगड़ गयी। इस पर वे तत्काल उपचार के लिए प्रार्थना पत्र देकर 20 दिन के मेडिकल अवकाश पर चले गए। शुक्रवार को अस्पताल में तीन सौ के करीब मरीज उपचार के लिए आये। मौसम को देखते हुए बच्चों व बुजुर्गों में सर्दी जुकाम बुखार के रूप में लक्षण अधिक देखने को मिल रहे हैं। शुक्रवार को अस्पताल में ओपीडी में मात्र चार चिकित्सक ही रहे। ईएमओ की तबीयत बिगड़ जाने के बाद बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तैय्यब ने ओपीडी में खांसी जुखाम बुखार के सभी मरीजों को देखा। बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तैय्यब ने बताया इस समय मौसम का परिवर्तन के कारण छोटे बच्चों बुजुर्गों में खांसी जुकाम बुखार के रोग अधिक बढ़ रहे हैं।

अस्पताल के सीएमएस डॉक्टर वीरेंद्र भारती सरकारी कार्य से कानपुर एडी कार्यालय में मीटिंग में गए हुए थे। अस्पताल में मौजूद कार्यकारी सीएमएस वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ संदीप गुलाटी ने बताया ईएमओ की तबीयत अचानक बिगड़ जाने के कारण वह ओपीडी के दौरान अचानक चले गए। इसके अलावा ओपीडी में उन्होंने व बाल रोग विशेषज्ञ ,नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ ने मरीजों को उपचार दिया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक स्वर्णकार की दोपहर दो बजे से शाम 8 बजे तक इमरजेंसी में ड्यूटी है।

पुलिस की मौजूदगी में लाखी स्थित संघ पर वितरित की गई डीएपी

संवाददाता महेवा इटावा

डीएपी के लिए किसानों की लगी लाइन व मौजूद पुलिसबल। अमृत विचार

अमृत विचार। न्याय पंचायत लाखी अंदावा के अंतर्गत स्थित लाखी संघ पर शनिवार को किसानों के लिए डीएपी खाद का वितरण पुलिस की मौजूदगी में किया गया। खाद वितरण के दौरान सुबह से ही किसानों की लंबी लाइनें लग गईं। किसानों में खाद प्राप्त करने को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम के दौरान संघ की अध्यक्ष शारदा देवी और सचिव रामवीर सिंह की मौजूदगी में सुव्यवस्थित तरीके से खाद वितरण कराया गया। किसानों को एक-एक कर पर्ची के आधार पर खाद दी गई, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इस दौरान बराऊख चौकी इंचार्ज दया शंकर वर्मा अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे और व्यवस्था को संभाले रखा। टीम क्रांतिवीर के सदस्य, आसिफ अली सहित अन्य सहयोगी भी सक्रिय रहे और किसानों की लाइन में अनुशासन बनाए रखने में मदद की। ग्रामीणों ने बताया कि समय पर डीएपी खाद मिलने से अब रबी फसलों की बुआई में आसानी होगी। किसानों ने प्रशासन और समिति की इस पहल की सराहना की।

दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत इटगांव निवासी एक युवक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। उसकी सैफई पीजीआई में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

थाना फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र के अंतर्गत इटगांव निवासी शिवा 20 वर्ष पुत्र अवतार विगत 18 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे अपने दोस्त आशीष और अंकित के साथ गांव में सड़क के किनारे खड़ा होकर बातचीत कर रहा था तभी तेज रफ्तार कार ने अचानक तीनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों की मदद से घायलों को जिला

अस्पताल पहुंचाया गया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने शिवा को मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर कर दिया था। 13 दिनों तक चले इलाज के बाद शिवा की मौत हो गई। थाना फ्रेंड्स कालोनी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। वहीं आशीष और अंकित की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। शिवा बीएससी का छात्र था। वह एक बहन और दो भाइयों में सबसे बड़ा था। पिता अवतार सिंह खेती करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटे की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

हाईवे पर दुर्घटना में तीन गंभीर घायल

जसवंतनगर। बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक होटल के पास दो युवकों की बाइक हादसे का शिकार हो गई। हादसे में आशु और छोटू , दोनों निवासी ग्राम महलई, गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को सीएचसी जसवंतनगर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं दूसरी घटना में राज देवी पत्नी रामबाबू, निवासी चित्रहाट, सड़क पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आकर घायल हो गईं। उन्हें भी स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

देवोत्थानी एकादशी पर्व के साथ मांगलिक कार्यक्रमों की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता बकेवर

- लोगों ने घरों में पूरे विधि-विधान के साथ भगवान विष्णु की पूजा अर्चना की

अमृत विचार। देवोत्थान एकादशी का पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इसके साथ ही शुभ कार्यों की शुरुआत हो गई। महिलाओं ने घरों के आंगन में पीसे चावल और खड़िया से रंगोली सजाई। शंख घड़ियाल बजाकर उठो देव, जागो देव , ऊंगली पांव चटकाओ देव का आह्वान करके जग के पालन हार भगवान विष्णु को जगाया। गन्ने से चौकी सजाकर सिंघाड़े, फूलमाला और फलों से भगवान विष्णु की पूजा की गई।

देवोत्थान एकादशी पर भक्तों ने भगवान विष्णु जी का पूजन किया। एकादशी के दिन भगवान विष्णु जी के उठने से शादी आदि मांगलिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो जाती है। महिलाओं ने तुलसी जी का भगवान सालिग्राम से साथ विवाह कराया। एकादशी के दिन से लगातार पांच दिनों तक भीष्म पितामह ने पांडवों को राजनीति का उपदेश दिया था। ग्रामीण अंचलों में श्रद्धालुओं ने चौक पर गन्ने रखकर दीपक जलाकर भगवान का पूजन अर्चन कर घर परिवार में सुख समृद्धि की कामना की है। महिलाओं ने घरों में तुलसी जी का विवाह सालिग्राम भगवान से कराते हुए विवाह गीत गाए- मगन भई तुलसी राम गुन गाइके, मगन भई तुलसी राम गुन गाइके, भक्त चले पइया पइया, चींटी को बचाए के, मगन भई तुलसी राम गुन गाइके।। महिलाओं ने माता तुलसी जी का श्रृंगार भी किया।

पुलिस ने चोरी की ट्राली सहित दबोचा

इटावा। पुलिस के अनुसार वादी मोहित कुमार निवासी ग्राम लौंगपुर थाना सैफई द्वारा थाना सैफई पर 29 अक्टूबर की रात्रि को उसकी ट्रॉली को सौरभ यादव द्वारा चोरी कर के संबंध में तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना सैफई पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। थाना सैफई पुलिस थाना क्षेत्रान्तर्गत भ्रमणशील थी। तभी आरोपी बबलू व सौरभ को नगला बाबा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये आरोपियों में सौरभ ने बताया कि 29 अक्टूबर को अपने मामा को ट्रैक्टर लेकर बुलाया हम दोनों ने सर्वोदय इण्टर कालेज की बाउन्ड्री के पास से इसी ट्रैक्टर से ट्राली चोरी किया था।

समाधान दिवस | जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल व एएसपी की मौजूदगी में सुनीं गईं समस्याएं

शिकायतों का निस्तारण एक सप्ताह में करें : डीएम

कार्यालय संवाददाता इटावा

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें सुनते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल व एएसपी अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल एवं अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील चकरनगर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस में कुल 34 शिकायतें आई जिसमें केवल पांच शिकायतों का निस्तारण किया गया। बाकी शिकायतों को एक सप्ताह के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण सम्बंधित कर्मचारियों के साथ मौके पर जाकर शिकायतकर्ता का पक्ष सुनते हुए उसका निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रकरणों की गंभीरता से जांच की जाये साथ ही जवाबदेह लोगों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये। तहसील चकरनगर में विभिन्न संदर्भों से संबंधित कुल 34 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये, जिसमें मौके पर 5 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष संबंधित अधिकारियों को प्राप्त कराकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में सबसे अधिक जमीन से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निस्तारण में विलम्ब के कारण का भी उल्लेख किया जाये, साथ ही सभी प्रकरणों को अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर निस्तारित करा दिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित मामलों की सुनवाई की। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिये कि प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में जन सुनवाई के दौरान समस्याएं प्राप्त होती है उनका निस्तारण शासन स्तर से समस्याओं के निस्तारण के संबंध में समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जा रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए निस्तारण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। उक्त अवसर पर उप जिलाधिकारी चकरनगर सहित अन्य समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इकदिल थाना परिसर में पुलिस कर्मियों ने किया महादान

कार्यालय संवाददाता इटावा

थाना प्रभारी को प्रशस्ति पत्र देते रक्तदाता समूह के सदस्य।

अमृत विचार। रक्तदाता समूह के तत्वावधान में थाना इकदिल परिसर में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व चेयरमैन इकदिल डॉ. सौरभ दीक्षित ने किया। शिविर में नौ पुलिस कर्मियों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया।

रक्तदाता समूह के द्वारा थाना परिसर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई की ब्लड बैंक टीम द्वारा कुल 9 यूनिट रक्त संकलित किया गया। शिविर में थाना इकदिल प्रभारी विक्रम सिंह चौहान, सब इंस्पेक्टर शैलेन्द्र कुमार, एएसआई कुलदीप सिंह, हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, कांस्टेबल सचिन वाजपेई, कांस्टेबल शक्ति सिंह, आशीष कुमार, श्रीकांत दुबे, सतेंद्र कुमार ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम के दौरान थाना इकदिल प्रभारी को रक्तदाता समूह की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया और रक्तदाता समूह के सदस्य सौरभ परिहार मौजूद रहे। आयोजक शरद तिवारी ने बताया कि रक्तदान एक महान मानव सेवा है और समूह द्वारा ऐसे शिविर समय समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम में सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय रक्त केंद्र से डॉ. डॉक्टर यतेन्द्र मोहन, डॉ. राम प्रकाश तिवारी, डॉ. राकेश मीणा, इशू , विजय, केदारमल शर्मा, राम स्वरूप, प्रियंका पाल, राजेश, कपिल, अवध, सुशांत मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 2 नवंबर 2025 औरैया

न्यूज ब्रीफ

पानी की पाइप लाइन में लीकेज, सड़क पर फैल रहा जल

फफूंद। कस्बे में कई वर्षों से पेय जल की जर्जर पाइप लाइन जगह-जगह लीकेज हो रही है। जिससे सड़कों पर भर रहा है। पानी कस्बे के ख्यालीदास आश्रम में सुबह पूजा अर्चना को आते भक्तों को इसी पानी में होकर गुजरना पड़ता है। और डामर से बनी हुई सड़के भी बर्बाद हो रही है। ऐसे ही नाला की पुलिया से जब पानी सप्लाई की जाती है तो वहां पर पानीं भर जाता है। कई महीनों से पेयजल लीकेज होने के कारण आज तक किसी जिम्मेदार ने सुध नहीं ली है। इस संबंध में अधिषासी अधिकारी विनय कुमार पाण्डेय ने बताया है कि नगर पंचायत कर्मियों को भेजकर अति शीघ्र फटी हुई पाइप लाइन दुरस्त करवाई जाएगी।

खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग मचा हड़कंप

अछल्दा। थाना क्षेत्र के बीसरमऊ मजरा जरेला गांव में शनिवार सुबह खाना बनाते समय एक घर में गैस सिलेंडर में आग लग गई। इटैली चौकी पर तैनात सिपाही संदीप कुमार ने साहस दिखाते हुए जलते सिलेंडर को तालाब में फेंककर एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। यह घटना सुबह करीब 10:40 बजे हुई, जब गृहस्वामिनी पुष्पा देवी पत्नी शिव राम खाना बना रही थीं। बताया गया कि शुक्रवार शाम को ही गैस एजेंसी से नया सिलेंडर आया था। सिलेंडर में अचानक आग लगते ही पुष्पा देवी घर से बाहर भागीं और ग्रामीणों को सूचना दी। आग लगने से गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर सिपाही संदीप कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने सूझबूझ और साहस दिखाते हुए जलते सिलेंडर को घर के बाहर खींचा और पास के तालाब में फेंक दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया ।

गोकशी का फरार आरोपी गिरफ्तार

बिधूना। बिधूना थाना क्षेत्र में दर्ज गोवध एवं गोकशी के गंभीर मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी आलोक परिहार को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने आलोक परिहार पुत्र रुद्र प्रताप सिंह, निवासी पेट्रोल पंप के पंप सामने बिधूना को सहार मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह आरोपी घटना के समय से ही फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार लुकछिप कर रह रहा था। पुलिस ने शुक्रवार को उसकी गिरफ्तारी के लिए न्यायालय से गैर-जमानती वारंट की अनुमति मांगी थी, अनुमति के बाद पुलिस ने उसे धर दबोचा और जेल भेज दिया। इस गिरफ्तारी से गोकशी मामले की जांच में तेजी आई है।

स्कूल निर्माण के लिए भूमि पूजन करवाते डायरेक्टर व अन्य।

स्कूल निर्माण को भूमि पूजन

संवाददाता, बिधूना

अमृत विचार। संत विवेकानंद पब्लिक स्कूल बिधूना के नए कैंपस का शनिवार को विधि विधान एवं मंत्रोच्चारों के बीच भूमि पूजन कराया गया। अछल्दा भरथना रोड बाईपास रोड पर स्थित यह शिक्षण संस्था नगर एवं क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित करेगी।

नगर के आचार्य मुन्नू त्रिवेदी के द्वारा भूमि पूजन का कार्यक्रम विधि विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर एवं संस्थापक प्रबंधक रमेश चंद्र अग्निहोत्री व मैनेजिंग डायरेक्टर अजय अग्निहोत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा की गुणवत्ता के साथ बच्चों को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने में यह शिक्षण संस्था मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर आर्किटेक्ट संजय सिंह एवं कंस्ट्रक्शन कांट्रेक्टर गुलाब सिंह, राम सिंह वर्मा , विधालय परिवार के लोग एवं नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने कैंप्स के निर्विघ्न निर्माण के साथ बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राघवेन्द्र प्रताप सिंह गौर उर्फ राघव, मनोज शुक्ला आदि के अलावा शिक्षक शिक्षिकाएं एवं नगर के लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मना खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव

संवाददाता, फफूंद, औरैया

अमृत विचार। हारे के सहारे और भक्तों की हर मनोकामना पूरी करने वाले बाबा श्री खाटूश्याम का जन्मोत्सव नगर फफूंद में इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। हर साल की तरह देवउठानी एकादशी (कार्तिक मास की एकादशी) के पावन अवसर पर बाबा का जन्मोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया।

इस विशेष अवसर पर नुमाइश मैदान के सामने श्री श्याम शरणम् सेवा समिति फफूंद के द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। शुभारम्भ हारे का सहारा बाबा खाटू श्याम हमारा के भक्तों ने पूजा-अर्चना कर किया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। सुबह से शुरू हुआ प्रसाद वितरण शाम तक चलता रहा, जिसमें आस-पास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने बाबा के दिव्य दर्शन किए और अपनी मन्नतें मांगी। भंडारे के सफल आयोजन में मृत्युंजय पाण्डेय, प्रतीक तिवारी, अंकित पाण्डेय, विकास पाल, नीलू राजपूत, भोलू त्रिपाठी, अशोक शर्मा, सल्लू राजपूत सहित श्री श्याम शरणम् सेवा समिति के समस्त सदस्यगण और भक्तगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त फफूंद के मुख्य तिराहे पर स्थित ख्यालीदास मंदिर पर भी बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दोपहर एक बजे से देर शाम सात बजे तक भंडारे का आयोजन किया गया। खाटू श्याम के भक्तगण प्रति वर्ष नगर में ऐसे पुण्यकारी भंडारे का आयोजन करते आ रहे हैं। इस आयोजन में अर्पित शर्मा, कपिल अग्निहोत्री, शिवम अग्निहोत्री, विशाल यादव, अनमोल अवस्थी, शिवा गुप्ता, गौरव तिवारी, प्रियम पांडेय, अंशु, रेवती रमन शुक्ला समेत कई भक्तगणों ने अपनी सेवा दी और व्यवस्था संभाली। नगर फफूंद में बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर हुए इन आयोजनों ने भक्ति और आस्था का माहौल बना दिया।

खाटू श्याम जन्मोत्सव के दौरान मौजूद भक्त।

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अछल्दा में गूंजे खाटू श्याम के जयकारे

अछल्दा, औरैया। कस्बे में बाबा खाटू श्याम जी का जयंती उत्सव देवउठनी एकादशी के अवसर पर मनाया गया। यह कार्यक्रम शनिवार शाम 5:20 बजे हरीगंज बाजार स्थित ब्लॉक रोड पर आयोजित किया गया। उत्सव की शुरुआत बाबा श्याम के भजन-कीर्तन और आरती के साथ हुई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम स्थल पर सुंदर साज-सज्जा की गई और एक झांकी भी निकाली गई। दिनभर भक्तों की भीड़ बनी रही। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें राहगीरों और भक्तों को सब्जी-पूड़ी व हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। सुमित गुप्ता, हरिओम, आर्यन गुप्ता और रवि सहित अन्य भक्तों ने मिलकर सेवा कार्य संभाले और इस उत्सव को सफल बनाने में सहयोग किया।

तय समय में समस्याओं का निस्तारण करें

संपूर्ण समाधान दिवस : जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सुनीं शिकायतें, मातहतों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायती आवेदन पत्रों को विभागीय अधिकारी स्वयं संज्ञान लेकर स्थलीय निरीक्षण के उपरांत निष्पक्षता के साथ दोनों पक्षों को संतुष्ट करते हुए समाधान सुनिश्चित करें। जिससे किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के लिए बार-बार परेशान न होना पड़े।

जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने सदर तहसील औरैया में आयोजित संपूर्ण समाधान में क्षेत्र से आये फरियादियों के समस्या संबंधी आवेदन लेकर उनकी समस्याओं को सुनते हुए संबंधितों को दिए। जिलाधिकारी ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने अपने कार्यालयों में प्रति दिन प्रातः जन सुनवाई अवश्य करें तथा प्राप्त शिकायतों को जन सुनवाई पंजिका में अंकन करते हुए प्रति दिन साय को प्राप्त शिकायतों का विवरण ई डिस्ट्रिक्ट अधिकारी को उपलब्ध कराए ताकि उनका निस्तारण पोर्टल पर अपलोड़ कराया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक 15 दिवस के बाद जन सुनवाई पंजिका का उन्हें अवलोकन अवश्य कराए और अपने अपने कार्यालयों में इस हेतु कार्मिक को नामित किया जाए।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी कार्यालय में उचित परिधान में आए तथा कार्यालय में आगंतुकों तथा शिकायतकर्ताओं के साथ सौम्य तथा शिष्ट व्यवहार किया जाए और सभी कार्यरत कार्मिक का परिचय पत्र बनवाने के साथ ही उनके कार्यस्थल पर उनके नाम की पट्टिका एवं पटल का विवरण भी अंकित किया जाए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर को निर्देश दिए कि ई-स्टांप चोरी की जांच करते हुए सात दिन में आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिसकी शिकायत में आपके विभाग में कर चुकी हैं। जिसका अभी तक कोई सन्तुष्ट पूर्ण निस्तारण नहीं हुआ है। जिससे मुझे अपनी भूमिपर कृषि कार्य करने व फसल को समय से बुबाई व फसल कटाने में बहुत ही असुविधा हो रही। उन्होंने चकरोड व नाली बनवाये जाने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर को निर्देशित किया कि सात दिन में निस्तारण कर अवगत कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर 104 विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 07 आवेदन पत्रों का त्वरित निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अजय आनंद वर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी, प्रभारी तहसीलदार सदर प्रकाश चौधरी, नायब तहसीलदार, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमर सिंह सहित संबंधित अधिकारी, लेखपाल आदि उपस्थित रहे।

बिधूना संवाददाता के अनुसार: शनिवार को उप जिलाधिकारी गरिमा सोनकिया की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान तहसील दिवस में कुल 141शिकायतें आयीं जिनमें 11शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।शेष शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए गए।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी गरिमा सोनकिया तहसीलदार सर्मानानंद ,नायब तहसीलदार रुचि मिश्रा,नायब तहसीलदार हरिकशोर ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनके गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों का परीक्षण कर मौके पर पहुंच कर गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण करने को कहा। उन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने को कहा। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों/ मामलो से संबंधित कुल 141शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 11प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

इस अवसर पर ,प्रशासनिक अधिकारी अयोध्या प्रसाद, नायब नाजिर राजेश शाक्य, बाल विकास परियोजना अधिकारी अभिषेक कठेरिया, साधना दीक्षित एडीओ पंचायत रंजीत कुमार उप निरीक्षक विनोद सचान ,कानून गो सत्येन्द्र श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

फरियादियों की शिकायतें सुनते डीएम व एसपी। अमृत विचार

बिधूना तहसील में फरियादियों की शिकायतें सुनतीं उप जिलाधिकारी।

चौपाल लगा ग्रामीणों से जानी समस्याएं

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- जिलाधिकारी व एसपी पहुंचे भाग्यनगर के आमपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने विकास खण्ड भाग्यनगर की ग्राम पंचायत आमपुर में आयोजित ग्राम चौपाल में उपस्थित ग्रामीण जनों से समस्याओं की जानकारी प्राप्त करते हुए सभी संबंधितों को निर्देशित किया कि चौपाल में प्राप्त शिकायतों का विभागीय अधिकारी शीघ्रता से निस्तारण कराना सुनिश्चित करें जिससे किसी को समस्या निस्तारण के लिए तहसील व जनपद मुख्यालय पर परेशान न होना पड़े। इस अवसर पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने गर्भवती माताओं को पोषण किट एवं नवजात शिशुओं को अन्नप्राशन कराया।

जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत में विधवा, वृद्धा, निराश्रित, दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने वालों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की और पंचायत सिक्रेटरी को निर्देश दिए कि यदि कोई पात्र योजना के लाभ से वंचित है तो उसका आवेदन आदि पूर्ण कराते हुए पात्रता के अनुसार लाभ दिलाने के साथ-साथ केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को आवास योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों की जांचकर सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एएनएम व आशा को घर-घर जाकर गर्भवती महिला एवं बच्चों को नियमित टीकाकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री को निर्देशित किया कि गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को प्रत्येक माह पोषण किट वितरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिशाषी अभियंता विद्युत को विद्यालय में लगे पोलों को हटाने व विद्युत संबंधी समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधितों को निर्देशित किया कि ज्यादा से ज्यादा फार्मर रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि कल ग्राम में भ्रमण कर पशुओं का टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने ग्राम मंर छूटे हुए पात्र लाभार्थियों, राशन कार्ड संशोधन आदि की सूचनाएं पंचायत सहायक व पूर्ति निरीक्षक के माध्यम से जिला पूर्ति अधिकारी को उपलब्ध कराया जाये ताकि उनका सत्यापन आदि की प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आमपुर निवासी जनकदुलारी पत्नी प्रेम नारायण के निधन के पश्चात उनकी वरासत पत्र, खतौनी, संवेदना पत्र तथा एक पौधा उनके परिजनों को उपलब्ध कराते हुए कहा कि हम लोग अपने दायित्व का निर्वहन कर एक पीड़ित परिवार को समय से उनके हक संबंधी कागजात उपलब्ध कराकर उनकी संवेदना में शरीक हो सकते हैं जिसके लिए परिजनों को अपने इन आवश्यक प्रपत्रों के लिए इधर-उधर नहीं दौड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह सभी का दायित्व है कि अपनी-अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण ईमानदारी के साथ समय से निर्वहन करें तो कोई भी जरूरतमंद परेशान नहीं होगा। इसके बाद जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने विद्यालय परिसर में आम का पौधा रोपित किया।

कुल्हाड़ी मार किया घायल

सुमेरपुर (हमीरपुर)। खेत से घर आ रहे युवक को दबंग ने कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। बरुआ निवासी शिवकुमार ने बताया कि वह खेत से घर आ रहा था तभी रास्ते में गांव निवास शैलेंद्र यादव ने उसे रोककर गाली-गलौज की और कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

प्रथम संस्था के राज्य स्तरीय समन्वयक ने किया अनुश्रवण

संवाददाता, फफूंद (औरैया)

- बोले, एफएलएन कार्यक्रम के संचालन में अभिभावकों की भागीदारी जरूरी

अमृत विचार। शिक्षा की गुणवत्ता सुदृढ़ करने हेतु बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लाक भाग्यनगर के प्राथमिक विद्यालय बदुआ, भाऊपुर व जैतपुर में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का प्रथम संस्था के राज्य स्तरीय समन्वयक (एससीटीए) द्वारा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का अनुश्रवण किया गया। अनुश्रवण के दौरान विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्थाएं सही मिलीं। एफएलएन कार्यक्रम की सफलता हेतु उन्होंने शिक्षकों को अभिभावकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने को कहा। शनिवार को प्राथमिक विद्यालय बदुआ में अनुश्रवण के दौरान उन्होंने कक्षाओं का अवलोकन किया तथा बच्चों की सीखने की स्थिति को समझते हुए भाषा एवं गणित दोनों विषयों पर केंद्रित गतिविधियों का मूल्यांकन किया।राज्य स्तरीय समन्वयक रजनीश यादव ने शिक्षकों से शिक्षक संदर्शिका के उपयोग, शिक्षण योजना की प्रभावशीलता तथा रिमीडियल पैकेज की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों की सक्रिय भागीदारी और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए यह कहा कि एफ एल एन कार्यक्रम के माध्यम से प्रारम्भिक कक्षाओं में बच्चों की पठन, लेखन एवं गणना की बुनियादी क्षमताओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।विद्यालय परिवार को सीखने के अनुकूल वातावरण बनाए रखने तथा समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु भी प्रेरित किया गया।

प्राथमिक विद्यालय में अनुश्रवण करते प्रथम संस्था के समन्वयक। अमृत विचार

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

शिविर कोतवाली पुलिस ने ग्राम खानजहांपुर, चिरकुआ में किया जागरूक

ग्रामीणों को नए कानून में हुए बदलाव की जानकारी दी

संवाददाता, बिधूना

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खानजहांपुर चिरकुआ में पुलिस विभाग ने 'भारतीय न्याय संहिता' पर एक विस्तृत जानकारी सत्र आयोजित किया। इस दौरान इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में हुए प्रमुख परिवर्तनों, उनके सकारात्मक-नकारात्मक प्रभावों और नए कानूनों के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान ने ग्रामीणों को भारतीय न्याय संहिता की प्रमुख धाराओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह नया कानून न्याय प्रक्रिया को अधिक समयबद्ध, पीड़ित-केंद्रित और तकनीक-आधारित बनाता है। कानून में हुए बदलावों की जानकारी ग्रामीणों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए पुलिस विभाग ने ग्रामीणों से चर्चा की । इस अवसर पर चर्चा में मुख्य विषयों में जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण, नए अपराध, प्रौद्योगिकी और फॉरेंसिक का उपयोग, तथा पीड़ित-केंद्रित प्रावधान शामिल थे। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्रधान प्रतिनिधि राजीव कुमार राठौर सत्येन्द्र भदौरिया,सुधीर तिवारी अशोक कुमार शर्मा राजेश शर्मा आदि के अलावा उप निरीक्षक सुघर सिंह, गोपाल कृष्ण आदि रहे।

शिविर लगाकर लोगों को जागरूक करते पुलिसकर्मी। अमृत विचार

मारपीट का वीडियो हुआ वायरल

औरैया। फफूंद थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर पति-पत्नी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है (अमृत विचार वायरल वीडिया की पुष्टि नहीं करता। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

दखलीपुर गांव निवासी सत्यभान पुत्र रामप्रसाद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे गली की जगह को लेकर विवाद हो गया। जयशंकर पुत्र रामचरन, उनकी पत्नी राजेश्वरी और नाती सूर्यकांत ने उन्हें गाली-गलौज दी। सत्यभान ने इसका विरोध किया, तो तीनों ने मिलकर उन्हें लात-घूसों और लाठी-डंडों से पीटा। सत्यभान की पत्नी सुशीला जब बचाने आईं, तो हमलावरों ने उन्हें भी मारा-पीटा।

देवोत्थान एकादशी पर बाजार में गन्ना खरीदने वालों की रही भीड़

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। कार्तिक माह की एकादशी को मनाया जाने वाला देवोत्थान पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। लोगों ने अपने घरों में भगवान विष्णु और नई फसलों की पूजा कर धन धान्य और संपन्नता की कामना की। आस्थावानों ने शाम को अपने घरों में गन्ना, चने की भाजी, बेर, कचरिया, ज्वार की भी पूजा की। एकादशी के दीप जलाकर लोगों ने अपने घरों को रोशन किया। इस मौके पर खूब पटाखे फोड़े गए। कस्बा और ग्रामीण क्षेत्र में देवोत्थान एकादशी के त्योहार पर शाम ढलते ही घर घर पूजन शुरू हो गया।

ऐसी मान्यता है कि आज से देवी देवता विचरण करने लगते हैं। देव उठने के बाद विवाह आदि शुभ कार्य का होना भी शुरू हो जाता है। अच्छी फसल की कामना के उद्देश्य का भी इस पूजन में महत्व माना गया है। शनिवार को इस त्योहार के मद्देनजर गन्ना बेचने वालों की खूब चांदी रही। महंगाई की मार बाजार में देखने को मिली। जहां लोग एक एक दर्जन गन्ना लेकर पूजा अर्चना करते थे आज दो चार गन्ना खरीद पूजा करने को मजबूर हैं। बाजार में एक गन्ने की कीमत 10 रुपये से लेकर 20 रुपये तक में बिका। जबकि पिछले साल एक गन्ने की कीमत 10 रुपये के बीच थी। बाजार में गन्ना बेंच रहे किसान शिवराम, कमलापत, राजकुमार आदि का कहना था मंहगाई के चलते खाद बीज और पानी के दाम बढने से गन्ने के दाम बढ़ाना भी उनकी मजबूरी हो गई। वहीं शाम को लोगों ने श्रद्धाभाव के साथ ठाकुरजी की पूजा कर गन्ना, सिंघाड़ा, बेर, चने की भाजी चढ़कार पूजा-अर्चना की।

देवोत्थान एकादशी पर गन्ना खरीदते लोग। अमृत विचार

दीवारी नृत्य करते कलाकार। अमृत विचार

बेरी गांव में काल भैरव मंदिर में हवन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

10 से बीस रुपये तक बिका एक गन्ना, महंगाई के चलते लोगों ने कम खरीदे

मौन व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण की उपासना की

■ **बिवांर (हमीरपुर)।** देवउठनी एकादशी होने पर मौनियों ने नंगे पैर व्रत रहकर भगवान की आराधना की है दोपहर से मंदिरों में दिवारी खेलकर प्रभु की आराधना की है कस्बे में देवउठनी एकादशी का पर्व बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया है वहीं मौन चराने वाले मौनियों ने व्रत रखकर भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की है दोपहर को दिवारी नृत्य,लाठी से दिवारी खेलने वाले कल्लू यादव सरदार ईशु यादव दिनेश यादव पप्पू यादव सहित करीब एक दर्जन से अधिक दिवारी कलाकारों ने मंदिरों मोहल्ले में जाकर दिवारी खेलने का कार्य किया है शाम को घरों में चना की भाजी, गन्ना, जारी बेरी आदि सामान को रखकर भगवान की पूजा आराधना कर दरवाजा में दीपक जलाकर देवउठनी एकादशी बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई है।

देवउठनी एकादशी पर किया हवन-पूजन

■ **कुरारा (हमीरपुर)।** बेरी गांव में काल भैरव बाबा मंदिर परिसर में एकादशी पर मौनियों ने हवन पूजन कर दीवारी नृत्य किया गया। बेतवा नदी तट पर मंदिर परिसर में एकादशी पर बेरी, इंदपुरी, बिंदपुरी, बरौली गांवों के मौनियों ने हवन-पूजन किया। इस अवसर पर एकत्रित ग्रामीणों द्वारा दीवारी नृत्य किया गया। महंत जीतू शास्त्री ने बताया कि एकादशी का दिन पापों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है, जिसमें पीले फूल, तुलसी दल और चंदन अर्पित किए जाते हैं। मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत के पालन से सभी पापों का नाश होता है और विष्णु लोक की प्राप्ति होती है। श्याम बाबू पाल और लाखन निषाद ने बताया कि दीपावली पर मौनियों द्वारा जंगल में मौन चराया जाता है। इसके बाद ग्यारस (एकादशी) के दिन उन्हें जमीन पर सोने के लिए कहा जाता है। काल भैरव बाबा के मंदिर में हवन के बाद ही वे इन बंधनों से मुक्त होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पहले दिन दो किसानों का 85 क्विंटल धान खरीदा, किया सम्मान

सुमेरपुर। कस्बे की नवीन गल्ला मंडी में संचालित हाट शाखा के धान खरीद केंद्र पर पहले दिन दो किसानों से 85 क्विंटल धान खरीदकर बोहनी की। मंडी सचिव एवं केंद्र प्रभारी ने किसानों को माला पहनाकर मुंह मीठा कराया। हाट शाखा के प्रभारी रणजीत सिंह एवं धान खरीद केंद्र के प्रभारी मोबीन अहमद ने संयुक्त रूप से बताया कि खरीद के प्रथम दिन टेढ़ा के किसान शिवगोपाल से 62 .80 क्विंटल एवं गोपाल से 23 क्विंटल धान खरीदकर बोहनी की गई है। दोनों किसानों का मंडी सचिव ब्रजेश कुमार निगम ने स्वागत किया।

कुछेछा की ध्वस्त सड़क को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

राठ (हमीरपुर)। राठ कुछेछा मार्ग पर ओवर लोड़ मौरंग से भरे ट्रकों के गुजरने से सड़कें ध्वस्त हो गई। जिसके चलते सैकड़ों ग्रामीणों ने शनिवार को प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने तहसील परिसर में जनप्रतिनिधियों, सांसद विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समस्या के समाधान की मांग की। शनिवार को बिहर, मल्हौंवा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने टूटी सड़कें बयां करते हुए बताया कि इस सड़क पर ओवर लोड़ मौरंग से भरे ट्रक प्रतिदिन निकलते हैं। जिसके चलते सड़कों पर अक्सर जलभराव और कीचड़ रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चें, बाइक सवारों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस को बार-बार फोन कर युवक ने किया परेशान

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के बांधुर खुर्द गांव निवासी मुन्ना पुत्र मिट्ठू प्रजापति 2 दिन से लगातार 112 नंबर में फोन कर परेशान करता चला आ रहा है। पुलिस के पहुंचने पर भाग जाता है। शनिवार को सुबह युवक ने 112 नंबर पर फोन कर दिया है, पुलिस के आने पर भाग गया है। दोबारा फोन करने पर पुलिस ने आकर युवक को पकड़ लिया। लेकिन युवक सिपाहियों को धक्का मारकर हाथ छुड़ाकर भाग गया। तीसरी बार फोन करने से थाना जलालपुर की पीआरवी पुलिस आ गई है युवक को दबोच कर थाना ले आई है। एसआई प्रेम प्रकाश ने बताया कि युवक बार बार फोन कर परेशान कर रहा है। युवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

राठ (हमीरपुर)। उरई मार्ग पर अमगांव मोड़ पर एक सप्ताह पहले ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई थी। इस हादसें में दो लोगों की मौत मौके पर हो गई थी। जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे। गंभीर रूप से घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। शनिवार को इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। बीते 25 अक्टूबर की शाम राठ उरई मार्ग पर अमगांव मोड़ के पास चिकासी थाने के बरौली खरका गांव का एक ट्रैक्टर पलट गया था। इस हादसे में गांव के सुरेश और भइयालाल की मौत मौके पर हो गई थी। आधा दर्जन ग्रामीणों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज कानपुर ले जाया गया था। एक सप्ताह तक इलाज होने के बाद घायल नीरज की मौत हो गई। जिससे मरने वालों की संख्या तीन पहुंच गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

दो महिलाओं ने वृद्ध को लाठी से पीटा, उपचार के दौरान मौत

कुरारा कस्बे के वार्ड पांच में मकान को लेकर दो पक्षों में हुआ था विवाद

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे के वार्ड पांच में मकान संबंधी चल रहे विवाद में पड़ोसी दो महिलाओं ने वृद्ध पर जमकर लाठी-डंडे बरसाए। गंभीर रूप से घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई। इस मामले में आरोपी दोनों महिलाओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

कस्बे में वार्ड पांच निवासी कांशीराम (62) पुत्र बल्दी कबाड़ का काम करता था। कुछ साल पहले कांशीराम ने अपने हिस्से का मकान बेच दिया। इधर वह अपने भतीजे के हिस्से में रहने लगा। जबकि भतीजे ने पड़ोसी को अपने हिस्से का मकान बेच दिया। इसी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। गुरुवार को कांशीराम घर में लेटा था तभी पड़ोस की अनीता पत्नी सुरेश, राजेश कुमारी पत्नी राम प्रकाश लाठी डंडा लेकर उसके घर में घुसकर मारपीट करने लगीं। इस घटना से उसे गंभीर चोट आई। मारपीट के दौरान आरोपी महिलाएं पुराना केस वापस लेने की बात कहती रहीं। वहीं चोरी की झूठी साजिश रचकर फसा देने की बात कहती रहीं। फिलहाल गंभीर रूप से घायल वृद्ध को पुलिस ने कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया। लेकिन हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां उसकी मौत हो गई।

चार युवकों ने घर में घुसकर दंपति को पीटा

■ **बिवांर (हमीरपुर)।** जुआ के खेल में रुपये हार जाने पर चार युवकों ने जाकर एक युवक को घर से बाहर लाकर मारपीट के कर देने से शरीर में गंभीर चोट आ गई है। युवक को बचाने आई पत्नी के साथ भी मारपीट की और धक्का दे दिया, जिससे जमीन में गिर कर अचेत हो गई। युवक ने चारों युवकों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। थानाक्षेत्र के छानी खुर्द गांव के महेश कुमार पुत्र हरिश्चंद्र ने थाना में तहरीर देते हुए बताया कि गांव के राजू पुत्र कल्लू,अर्पित पुत्र सुशील कुमार के साथ बैठकर जुआ खेल रहा था। जिसमें राजू 50 रुपये हार गया है। बाद में रुपये वापस मांगने लगा है, रुपये देने से इनकार करने से वह अभद्रता करने लगा। वहां से वह घर आ गया। इसके बाद राजू ने अपने साथी अर्पित व दो भाइयों को फोन से बुला लिया। चारों युवकों ने घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की। बचाने आई उसकी पत्नी को भी मारा पीटा और धक्का दे दिया। जिससे वह जमीन में गिरकर अचेत हो गई। पीड़ित ने चारों आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। एसआई प्रेम प्रकाश ने बताया कि राजू को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य तीन युवक फरार हो गए है, उनकी तलाश की सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मौसम साफ होते ही खरीफ की फसलें सहेजने में जुटे किसान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। शनिवार को सुबह मौसम साफ होते ही किसान खेतों की तरफ दौड़ पड़े और बारिश से बर्बाद हुई खरीफ की फसलों को सहेजने में जुट गए। बारिश से सर्वाधिक नुकसान धान की फसल को हुआ है। साथ ही लगातार मौसम खराब होने से दलहन तिलहन बोने का समय किसानों के हाथों से फिसल गया है। इस वर्ष गेहूं के रकबे में इजाफा होने की उम्मीद बढ़ गई है।

बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान मोंथा का कहर अब शांत होने लगा है। शनिवार को सुबह से धूप खिली। इससे किसानों ने राहत की सांस ली और भोर से ही खेतों की ओर दौड़ लगाकर बारिश से बर्बाद हुई खरीफ की फसलें सहेजने में जुट गया है। किसान धीरेंद्र यादव, सुरेश कुमार, अट्टी नामदेव, उदयभान यादव, मानसिंह भदौरिया आदि ने बताया कि बारिश से सर्वाधिक नुकसान

धान की फसल काटतीं महिला किसान। अमृत विचार

● **बारिश के चलते धान की फसल में सर्वाधिक नुकसान**

धान की फसल को हुआ है। इसमें 50 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ है। ऐसा उनकी याददाश्त में पहली बार हुआ है जब धान की सबसे महफूज फसल में नुकसान उठाना पड़ रहा है। बिदोखर पुरई के किसान सुरेश यादव, कामता प्रसाद, अनूप कुमार ने बताया कि अधिक बारिश होने से तालाब का पानी ओवर फ्लो होकर खेतों में घुस गया है। पंपिंग सेट लगाकर पानी को निकालकर फसल बचाने की कोशिश में जुटे हुए हैं। वहीं किसान चंद्रपाल, धनीराम साहू, राम आसरे, रामस्वरूप वर्मा, रामेश्वर वर्मा, वरदानी कुशवाहा, उस्मान खान, राजेश खंगार, हीरालाल विश्वकर्मा आदि ने कहा कि कार्तिक मास की इस बारिश में दलहन एवं तिलहन की फसलें बोने का मौका हाथ से छीन लिया है। अब मात्र गेहूं बोने का समय बचा है।

कुल की फातिहा में उमड़े अकीदतमंद

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के कम्हरिया गांव स्थित प्रसिद्ध सूफी संत व वली-ए-बुंदेलखंड हजरत बाबा निजामी का चार दिवसीय सालाना उर्स शनिवार को कुल की फातिहा व कव्वालियों के साथ संपन्न हो गया। हजारों की संख्या में अकीदतमंद कुल की फातिहा में उपस्थित हुए। हालांकि अभी दो तीन दिन क्षेत्रीय लोगों की आवाजाही चलती रहने की उम्मीद है। उर्स में शुक्रवार की शाम दो से तीन किमी तक लंबा जाम घंटों तक लगा रहा। जिसे खुलवाने के लिए पुलिस प्रशासन व मेला कमेटी के वॉलेंटियर जद्दोजहद करते दिखाई दिए।

क्षेत्र के कम्हरिया गांव स्थित प्रसिद्ध सूफी संत हजरत बाबा निजामी कम्हरिया के उर्स के तीसरे दिन देर रात तक महफ़िल ए सिमां का आयोजन हुआ। जिसमें अलीगढ़ से आए मेहमान कव्वाल शमशुद्दीन अलीगढ़ी एवं रामपुर से आए सरदार हसन मौला अली ने शानदार कव्वालियों सुनाई। जिनके कलाम सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इसके अलावा उर्स के अंतिम दिन भी जायरीनों के लिए अलग-अलग स्थानों पर सुबह से ही लंगर जारी रहा और दिनभर चादरपोशी का दौर चलता रहा। उर्स में बारिश के पानी से सड़कें कीचड़युक्त रही। जिससे लोगों को निकलने चलने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इसके बाद चौथे दिन निकली धूप को देख लोगों का मेले की ओर जाना शुरू हुआ, जिससे मेले में रौनक बढ़ी।

कुल की फातिहा में मौजूद अकीदतमंद। अमृत विचार

मकान बनाने के विवाद में मारपीट

सुमेरपुर। मकान बनाने के विवाद में पड़ोसी महिला ने महिला को हसियां मारकर लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बदनपुर निवासी मखनिया वर्मा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पड़ोसी संजय वर्मा मकान बनाने के विवाद में 27 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे गाली गलौज करने लगा। गाली देने से मना करने पर उसकी पत्नी सुनीता आ धमकी और हाथ में हंसिया से हाथ में मारकर लहूलुहान कर दिया। शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंची देवरानी ने उसे बचाया। दोनों जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

खड़े ट्रक से टकराई कार, किशोर की मौत

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। दीपावली त्योहार के बाद पढ़ाई करने जीजा संग कार से जा रहे साले की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना के बाद जीजा मौके से फरार हो गया। हादसे में चालक घायल हो गया। जिसे गंभीर हालत में चिकित्सकों ने ग्वालियर रेफर किया है।

सुमेरपुर थानाक्षेत्र के कुंडौरा गांव निवासी देशराज का पुत्र पवन कुमार (12) अपनी बहन पूजा के घर जनपद जालौन के उमरार खेड़ा में पढ़ाई करता था। शनिवार को तड़के वह अपने जीजा राहुल के साथ कार से बहन के पास जा रहा था। जैसे

● **सदर कोतवाली क्षेत्र के कालपी चौराहा के पास हुई दुर्घटना**

ही कार शहर के कालपी चौराहा के पास पहुंची तभी कार खड़े ट्रक में टकरा गई। सूचना पर पहुंची सदर कोतवाली पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि कार चालक शिवम की हालत नाजुक होने पर उसे ग्वालियर रेफर कर दिया। इस घटना के बाद युवक का जीजा राहुल मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दो दिन बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

सुमेरपुर। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में सुधार के दृष्टिगत 40 एमबीए परिवर्तक से संबंधित 132 केवी मेन बस से जम्परिंग कार्य कराए जाने के कारण दो दिन शाम 5.30 बजे से 7 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत पारेषण खंड के अधिशासी अभियंता विक्रम सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि 132 केवी उपकेंद्र भरुआ सुमेरपुर पर 40 एमवीए परिवर्तक की स्थापना का कार्य किया जा रहा है ताकि जनपद के सभी क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति में सुधार हो सके। इसलिए मेन बस से जम्परिंग कार्य हेतु एक व दो नवंबर को शाम 5.30 बजे से 7 बजे तक 132 केवी उपकेंद्र भरुआ सुमेरपुर से जुड़े क्षेत्रों की आपूर्ति बाधित रहेगी।

मांग कहा-पृथक राज्य नहीं होने से विकास में पिछड़ रहा बुंदेलखंड

बीआरएस ने मनाया बुंदेलखंड काला दिवस, सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने बुंदेलखंड काला दिवस मना कर पृथक बुंदेलखंड राज्य का गठन करने की मांग को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है।

बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के जिलाध्यक्ष राहुल सिंह के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि 01 नवम्बर को देश में राज्य पुनर्गठन अधिनियम (1956) लागू हुआ था। उस दिन के साथ ही बुंदेलखंड का दुर्भाग्य भी शुरू हुआ। तब से लेकर आज तक यह क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से लगातार पिछड़ता गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सिंचाई, पेयजल, सड़क और औद्योगिक विकास हर सूचकांक पर बुंदेलखंड आज भी उपेक्षा का शिकार है। बताया कि बुंदेलखंड वह भूभाग है, जिसने देश की आज़ादी की लड़ाई में अपनी अमिट भूमिका निभाई। यह क्षेत्र आज पलायन, सूखा और बेरोजगारी के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। बताया कि 1 नवंबर को देश के कई हिस्सों ने अपने नए राज्य पाकर विकास की नई दिशा तय की, परंतु बुंदेलखंड आज भी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच बंटा हुआ और अपनी पहचान व न्याय से वंचित है। इसी अन्याय और उपेक्षा की पीड़ा के कारण ही बुंदेलखंड राष्ट्र समिति 1 नवम्बर को बुंदेलखंड काला दिवस के रूप में मनाती है। उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र की भौगोलिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और ऐतिहासिक एकरूपता को ध्यान में रखते हुए पृथक बुंदेलखंड राज्य के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की है। इस दौरान अरुण शंकर, मिथुन कुमार, ओंकार नाथ द्विवेदी, उमेश द्विवेदी, दीपू यादव, भागीरथ आदि कार्यकर्ता मौजूद रहें।

प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते बीआरएस कार्यकर्ता। अमृत विचार

खून से लिखे पत्र दिखाते कार्यकर्ता। अमृत विचार

खून से लिखा पत्र: मौदहा संवाददाता के अनुसार लंबे समय से चली आ रही बुंदेलखंड अलग राज्य की मांग अब मुखर होने लगी है। बुंदेलखंड नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष विनय तिवारी के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित खून से लिखा पत्र एसडीएम को सौंपा।

बुंदेलखंड नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष विनय तिवारी सहित संगठन के दर्जनों पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित पत्र लिखकर यूपी एमपी के जिलों को जोड़कर अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग उठाई। इस संबंध में अध्यक्ष ने बताया कि आजादी के बाद तक बुंदेलखंड अलग राज्य रहा है, जिसकी राजधानी नौगांव होती थी। लेकिन आजादी के कुछ सालों बाद सरकार ने बुंदेलखंड राज्य को समाप्त कर दिया। अगर बुंदेलखंड अलग राज्य बन जाता है तो बुंदेलखंड की धन संपदा, वन संपदा और प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य का एकाधिकार होगा। जिनका सदुपयोग कर राज्य की उन्नति होगी, क्योंकि अभी तक हमारे संसाधनों का दोहन लखनऊ और भोपाल द्वारा किया जा रहा है।

42 शिकायतें आईं, 3 का मौके पर निस्तारण

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

● **एडीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ समाधान दिवस**

अमृत विचार। महीने के पहले शनिवार को आयोजित समाधान दिवस पर बीते तीन दिन से लगातार खराब चल रहे मौसम का असर साफ देखा गया और कुल 42 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें तीन शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।

महीने के पहले शनिवार को कस्बे की तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी ने की। क्षेत्र में बीते तीन दिन से खराब चल रहे मौसम और कम्हरिया मेले का भी असर दिखाई दिया और समाधान दिवस पर फरियादियों की संख्या कम रही। हालांकि 42 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिसमें अधिकांश मामले जमीन जायदाद और अवैध कब्जों से जुड़े रहे। इसके अतिरिक्त पुलिस, बिजली, पूर्ति विभाग, पीएम आवास योजना, सड़क निर्माण, बारिश से फसल खराब और जमीनी बंटवारे से संबंधित रहे। जिनमें तीन मामलों को मौके पर निस्तारण किया गया। शेष मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है। इस दौरान एसडीएम कर्णवीर सिंह, तहसीलदार शिखर मिश्रा, चिकित्सा, नगरपालिका, पूर्ति विभाग, बिजली विभाग सहित अन्य विभागों के जिम्मेदार या उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

महोबा

न्यूज ब्रीफ

संत नामदेव की जयंती धूमधाम से मनाई

महोबा। शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संत नामदेव की जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर संत नामदेव के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। वक्ताओं ने संत नामदेव महाराज के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत नामदेव ने समाज में प्रेम, समानता और मानवता का संदेश दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार धुरिया ने कहा कि ऐसे संतों के आदर्श आज भी समाज को एकता और सद्भाव की राह दिखाते हैं। इस मौके पर देशराज रैकवार, लोकेंद्र नामदेव, वृंदावन, अखिलेंद्र नामदेव सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो कारों की टक्कर में छह लोग घायल

बेलाताल। थाना नौगांव क्षेत्र के गुरखा गांव निवासी राजू सहित छह लोग कार पर सवार होकर जैतपुर अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए गए हुए थे, तभी रास्ते में नहर माईनर पेट्रोल पम्प के आगे बेलाताल तरफ से आ रही बोलेरो कार से आमने सामने टक्कर हो गई, जिससे राजू, शिब्बू, मुन्ना, आशारानी, बब्लू, बती सहित छह लोग घायल हो गए। घटना के बाद राहगीरों की मदद से डायल 100 ने सभी घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से डाक्टरों ने बती, मुन्ना शिब्बू और राजू की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

दशरथ विलाप देख दर्शकों के निकले आंसू

बेलाताल। अजनर के श्रीराम मुहाल में चल रही आदर्श रामलीला मंडल द्वारा आयोजित रामलीला में शुक्रवार की रात कैकई हठ, राम वनवास और दशरथ विलाप की भावनाओं से भरी लीलाओं का मंचन हुआ। कलाकारों ने रामलीला का मंचन करते हुए दिखाया कि जब कैकई ने अपने पूर्व में प्राप्त वरदानों की मांग राजा दशरथ के सामने रखी और एक में राम को वनवास और दूसरे में भरत को राज्य देने की बात कही, जिसे सुन राजा दशरथ व्याकुल हो गए। अंततः दशरथ को वरदान देना पड़ा और राम को वनवास जाना पड़ा। इसके बाद राजा दशरथ के विलाप का मंचन इतना हृदयस्पर्शी रहा कि दर्शकों की आंखों से आंसू बह निकले। लीला के दौरान व्यास गद्दी पर पप्पू मिश्रा डहो ने कथा का वाचन किया।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी को किया याद

महोबा। आल्हा चौक स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में मनाई गई, वहीं लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार धुरिया ने बताया कि इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान पर युद्ध कर उसे घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। वहीं कांग्रेस के जिला कोआर्डिनेटर ब्रजराज सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल एक वकील और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन से भारतीय स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी। कहा कि भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल ने 565 रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष कुंवर राकेश सिंह, अखिलेंद्र नामदेव, जिला महासचिव वृंदावन कुशवाहा, कोषाध्यक्ष देशराज रैकवार, यगवेंद्र यादव, मोहम्मद अजीज, नगर अध्यक्ष संतोष रैकवार सहित तमाम लोग रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को सभी करें प्रयास : एसपी

यातायात माह नवंबर का एसपी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। सुरक्षित यात्रा जीवन की गारंटी के संदेश के साथ पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह ने शनिवार को रिवर्ज पुलिस लाइन में यातायात माह नवम्बर 2025 का फीता काटकर शुभारंभ किया। बाद में यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर एसपी ने कहा कि हमें जिले में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। साथ ही उन्होंने सभी से यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित समाजसेवियों, व्यापारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों आदि से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं नियमों का पालन करें तथा आमजन को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि

यातायात माह का शुभारंभ करते एसपी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

यातायात नवम्बर माह दौरान जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग, निबंध लेखन प्रतियोगिता सहित अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने कहा कि यातायात अनुशासन केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का संकल्प है, यदि हर व्यक्ति थोड़ी सी जिम्मेदारी दिखाए, तो हम अनमोल जीवन को बचा सकते हैं। जनप्रतिनिधि राहुल अग्रवाल, एआरटीओ दयाशंकर, समाजसेवी शिवकुमार गोस्वामी, शरद दाऊ तिवारी, रियाज अहमद, रामजी गुप्ता, एवं सरगम खरे व ज्योति सिंह पे भी यातायात सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन से हरी झंडी दिखाकर यातायात जागरूकता रैली को रवाना किया गया, जो शहर के प्रमुख तिराहों व चौराहों से होकर गुजरी। रैली दौरान पंपलेट एवं बैनरों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इस क्रम में लगभग 25 दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट की अनिवार्यता के बारे में बताया गया साथ ही उन्हें निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए।इस अवसर क्षेत्राधिकारी यातायात तेज प्रकाश सिंह, एआरटीओ दयाशंकर, आरआई शिवकुमार, प्रभारी यातायात उप निरीक्षक सुनील कुमार सिंह सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शिक्षक, स्कूली छात्र-छात्राएं तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अपर्णा नायक ने किया।

26 विद्यालयों में एक-एक सहायक अध्यापक

नईमुर्रहमान, महोबा

अमृत विचार। जिले के नगर क्षेत्र की प्राइमरी शिक्षा का बुरा हाल है। हालत यह है कि कई प्राथमिक विद्यालय बिना सहायक अध्यापकों के संचालित हो रहे हैं। जिले में नगर क्षेत्र के 45 विद्यालयों में 32 अध्यापकों के भरोसे चल रही शिक्षा व्यवस्था, बच्चों के मानक के अनुरुप विद्यालयों में अध्यापकों की संख्या काफी कम है। नगर क्षेत्र चरखारी में 17 प्राथमिक विद्यालयों में मात्र एक सहायक अध्यापक तैनात है, जबकि नगर क्षेत्र महोबा के 9 प्राथमिक विद्यालयों में तीन सहायक अध्यापक हैं।इससे कहीं पर शिक्षामित्रों तो कहीं पर ग्रामीण स्कूल के एक एक टीचर विद्यालय चला रहे हैं।

महोबा नगर क्षेत्र में 9 प्राथमिक और 6 कम्पोजिट विद्यालया संचालित हैं, कुल 15 विद्यालयों में 2 प्रधानाध्यापक और 13 सहायक अध्यापक तैनात है। इसी तरह चरखारी नगर में 17 प्राथमिक विद्यालय, 7 उच्च प्राथकिम विद्यालय, 6 कंपोजिट विद्यालय कुल 30 विद्यालय में कुल 19 अध्यापक कार्यरत हैं, जिसमें 10 प्रधानाध्यापक भी शामिल हैं।

क्षेत्र के विद्यालयों में अध्यापकों की स्थिति

नगर क्षेत्र महोबा		
विद्यालय की संख्या	सहा. अध्यापकों की संख्या	प्र. अध्यापकों की संख्या
प्राथवि. 09	03	06
उ.प्रा. वि.06	06	00

नगर क्षेत्र चरखारी		
विद्यालय की संख्या	सहा. अध्यापकों की संख्या	प्र. अध्यापकों की संख्या
प्राथवि. 17	01	09
उ.प्रा. वि.13	08	0

- **नगर क्षेत्र की प्राइमरी शिक्षा का बुरा हाल, 41 साल से नगर क्षेत्र में नहीं हुई शिक्षकों की भर्ती**

नगर क्षेत्र महोबा के 6 प्राथमिक विद्यालयों में एक भी टीचर नहीं है। इसी तरह चरखारी नगर क्षेत्र के 17 प्राथमिक विद्यायलों में मात्र एक सहायक अध्यापक तैनात है, जिससे नगर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। वर्ष 1984 से नगर क्षेत्र में शिक्षकों की भर्ती न किए जाने से पूर्व में तैनात शिक्षक एक एक करके रिटायर्ड होते चले गए, जिससे नगर क्षेत्र के विद्यालय धीरे धीरे अध्यापकों से खाली होने लगे। शासन ने इस व्यवस्था को ठीक करने के लिए वर्ष 2012 में नगर क्षेत्र के विद्यालयों को संचालित कराने के लिए ग्रामीण अंचलों में तैनात अध्यापकों से नगर क्षेत्र में आने के लिए विकल्प मांगे थे, जिसके चलते करीब दो दर्जन शिक्षकों ने गांव के विद्यालयों को छोड़कर नगर क्षेत्र के स्कूलों में तैनाती ले ली थी, अब उन्हीं शिक्षकों के भरोसे नगर क्षेत्र के विद्यालय संचालित हो रहे हैं, जिससे नगर क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। बीएसए राहुल मिश्रा का कहना है कि शासन से नियुक्तियां न किए जाने के कारण अध्यापकों की कमी होती जा रही है।

स्कूली बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। कोतवाली कुलपहाड़ क्षेत्र के सतारी गांव में सर्दी को देखते हुए वेदनिधि फाउंडेशन के तत्वावधान में एक कार्यक्रम आयोजित कर आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को गरम कपड़े वितरित किए गए, गरम वस्त्र पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम दौरान 65 स्कूली बच्चों को कपड़ों का वितरण किया गया, जिसमें 37 लड़कियां भी शामिल रही। यह पहल फाउंडेशन बुंदेलखंड क्षेत्र में निरंतर चल रहे सामाजिक सशक्तिकरण अभियान का एक हिस्सा है।

फाउंडेशन की अध्यक्ष जागृति गुप्ता ने कहा कि हमारा मिशन समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के बीच खुशियां फैलाता है। हमारा मानना है कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव आते हैं। बच्चों के चेहरे पर शिक्षा के प्रति उत्साह और एक नए वस्त्र से आने वाली खुशी हमारे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। फाउंडेशन

गर्म वस्त्र वितरित करते फाउंडेशन के लोग। अमृत विचार

के निदेशक ने इस कार्यक्रम को बच्चों के प्रति स्नेह की एक छोटी-सी भेंट बताया। उन्होंने कहा कि यह फाउंडेशन की ओर से इन मेधावी बच्चों के प्रति प्यार का एक छोटा सा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बच्चे निडर होकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें और अपने सपनों को पंख लगाएं। इस कार्यक्रम में फाउंडेशन के सचिव रामचंद्र पाठक, प्रशांत गुप्ता, अतुल त्रिवेदी एवं गांव के अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। फाउंडेशन के इस सराहनीय प्रयास की सराहना करते हुए आशा जताई कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम होते रहेंगे। बच्चों के चेहरे पर उत्साह और नए वस्त्र पाकर आत्मविश्वास से भरपूर मुस्कान देखने लायक थी। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ कालका प्रसाद गुप्ता ने कराई। फाउंडेशन का संकल्प है कि वह शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

एकादशी पर्व पर गोवर्धन्नाथ जू मेले में जुटी भीड़

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। देवोत्थान एकादशी से ऐतिहासिक गोवर्धन्नाथ जू मेले में भारी भीड़ जुटना शुरू हो गई है। एकादशी के दिन मेला मैदान व मार्ग ग्रामीणों और नगर वासियों से खचाखच भरे नजर आए। मेले में भारी भीड़ जुटने से मेले में आए दुकानदारों की जमकर बिक्री हुई। वहीं दूसरी तरफ झूला संचालकों की भी खूब चांदी रही। इतना ही नहीं खानपान की दुकानों में भी लोगों की भारी भीड़ जुटने से उनकी भी अच्छी खासी दुकानदारी हुई। सुबह से ही मेला मैदान में महिला पुरुषों और बच्चों की भारी भीड़ जुटना शुरू हुई, जो देर रात तक लगी रही।

ऐतिहासिक गोवर्धन्नाथ जू मेला दीपावली के दो दिन बाद शुरू तो हो जाता है, लेकिन एकादशी के दिन से मेले में भीड़ जुटना शुरू होती है, जिसके चलते शनिवार को भारी भीड़ के चलते मेला दुकानदारों की बल्ले बल्ले रही। कई दिनों से मेले में दुकानदारों की थोड़ी बहुत

- **सन्नाटे में चल रहा गोवर्धन्नाथ जू मेला शनिवार को पर्व के चलते रहा गुलजार**

बिक्री हो रही थी, इतना ही नहीं झूला संचालक भी भीड़ कम जुटने से मायूस नजर आ रहे थे, लेकिन एकादशी पर्व को भीड़ जुटने के कारण अब मेला भी लोगों से गुलजार हो गया है। पर्व के चलते मेले में घरेलू सामान के अलावा अन्य वस्तुओं की और भी नई दुकानें लगाई गईं, जिससे मेला मैदान के साथ साथ आसपास सड़कों के दोनो तरफ खासी चहल पहल बढ़ गई है।

मालूम हो कि चरखारी के ऐतिहासिक मेले का आसपास के ग्रामीण अंचलों से लोग इंतजार करते हैं। मेला लगने के बाद गांवों के ग्रामीणों ने चरखारी मेले में पहुंचकर जमकर खरीददारी की, महिलाओं ने जहां गृहस्थी का सामान खरीदा तो वहीं बच्चों ने खेल खिलौने खरीदे। महिलाओ और बच्चों ने मेले में दूर दराज से आए बड़े बडे झूलों में झूल कर मेले का लुत्फ उठाया साथ ही

मेला में जुटी भारी भीड़। अमृत विचार

मेले में झूला झूलते लोग। अमृत विचार

फास्ट फूड व अन्य खानपान की वस्तुओं का भी स्वाद चखा। लोग बच्चो के साथ मेला देखने के लिए सुबह से ही पहुंच गए।

बुंदेलखंड राज्य बनाने को खून से लिखा खत

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। बुंदेलखंड विभाजन विभीषिका दिवस पर शहर के आंबेडकर पार्क में शनिवार को बुंदेली समाज संयोजक के नेतृत्व में बुंदेलियों ने काली पट्टी बांध कर काला दिवस मनाया साथ ही लोगों ने अपने खून से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 49वीं बार खत लिखकर अपनी व्यथा बयां कर बुंदेलखंड को अलग राज्य बनाए जाने की मांग उठाई। बुंदेली समाज के तमाम लोग शामिल हुए और 01 नवम्बर के दिन को बुंदेलखंड सबसे दुभाग्यपूर्ण दिन बताया।

बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर बुंदेलखंडी ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेई ने अपने 6 साल के कार्यकाल में 3 नये राज्य

खून से पीएम को खत लिखते बुंदेली। अमृत विचार

बनाए, लेकिन मोदीजी ने 11 साल में एक भी नया राज्य नहीं बनाया। एक नवंबर की तारीख बुंदेलखंड के इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन है। आज के दिन ही तत्कालीन नेहरू सरकार ने 1956 में मध्य प्रदेश का गठन करते वक्त बुंदेलखंड के दो टुकड़े कर दिए एवं उसे भारत के नक्शे से मिटा दिया। आधा हिस्सा मध्यप्रदेश में और आधा हिस्सा उत्तर प्रदेश में शामिल कर दिया। हम चाहते हैं कि मोदीजी नेहरू सरकार की इस ऐतिहासिक भूल को सुधार कर पुनः बुंदेलखंड राज्य बनाएं ताकि हमारा क्षेत्र विकास की मुख्य धारा में आ सके।

- **मांग पूरी न होन पर बुंदेली समाज ने काली पट्टी बांधकर मनाया काला दिवस**

बुंदेली समाज के महामंत्री अजय बरसैंया ने बताया कि आज करीब दो दर्जन लोगों ने अपने खून से प्रधानमंत्री को 51 खत लिखे हैं। इनमें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप जैन, कैप्टन मोहन सिंह, गया प्रसाद, अमरचंद विश्वकर्मा, हरीओम निषाद, सुधीर दुबे, विपिन भाखरी, डॉ. देवेन्द्र, अन्नू पुरवार, मनीष जैदका, दीपू,जागेश्वर सोनी, बलवान सिंह राजपूत, माधव खरे, महेन्द्र चौरसिया, गोविंद विश्वकर्मा, हरीओम ताम्रकार व मनोज गुप्ता समेत तमाम बुंदेले शामिल रहे।

वॉलीबाल प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। जिला स्तरीय जूनियर बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को जिला राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि समाजसेवी विनोद पुरवार ने प्रतियोगित की शुरूआत कराई। पहला मैच खरेला और स्टेडियम ए टीम के मध्य हुआ, जिसमें 25-12, 25-08 अंक के साथ खरेला ने जीत दर्ज की। दूसरा मैच नवोदय विद्यालय महोबा और बालिका एनजीडी के मध्य खेला गया, जिसमें 25-09, 25-15 से बालिका एनजीडी महोबा को हराकर जीत

वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती बालिकाएं। अमृत विचार

फाइनल मैच में खरेला ने 25-10, 25-14 से नवोदय विद्यालय महोबा की टीम को हराया और फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमी फाइनल मैच में नवोदय विद्यालय की टीम ने स्टेडियम ए को 25-22, 25-15 से हराया।

प्रतियोगिता का फाइनल खरेला और स्टेडियम ए के बीच खेला गया। इसमें स्टेडियम ए को 25-17, 25-21 से हरा कर खरेला टीम विजेता बनी। वॉलीबाल प्रतियोगिता देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ जुटी। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में ही शशिकान्त, गगन गुर्जर, पुष्पेन्द्र कुमार, नंद किशोर गोस्वामी, संजय यादव, लाल सिंह, रवि पटेल, इरफान अंसारी, प्रमोद, संदीप एवं कुनाल आदि ने भूमिका निभाई। इससे पूर्व सभी अतिथियों का स्वागत, प्रतियोगिता संचालन एवं आभार प्रदर्शन संदीप गुप्ता, जिला क्रीड़ाअधिकारी द्वारा किया गया।

देवोत्थन एकादशी पर्व | **सुबह से ही गन्ना खरीदने के लिए बाजरों और चौराहों पर जुटी लोगों की भीड़**

भक्तों ने विष्णु भगवान के चरणों में अर्पित किया गन्ना

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। देवोत्थान एकादशी का पर्व शहर सहित पूरे जिले में शनिवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। महिलाओं ने उपवास रखकर पूजा अर्चना के बाद भगवान विष्णु के चरणों में गन्ना, सिंघाड़ा व अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। इससे पूर्व महिलाओं, बलिकाओं ने घरों के आंगन में रंगोली की सुंदर आकृतियां बनाईं। पूजा अर्चना समाप्त होने के बाद प्रसाद के रूप में परिजनों व अन्य लोगों को गन्ना वितरित किया गया।

देवोत्थान एकादशी पर्व पर गन्नों की पूजा होने के कारण सुबह से ही शहर के ऊदल चौक, तहसील चौराहा, शुक्रवारी बाजार सहित जिले के अन्य कस्बों और गांवों के तमाम चौराहों के अलावा सड़क किनारे गन्ना विक्रेता ट्रैक्टरों व अन्य वाहनों में गन्ना लोड करके बेचने के लिए पहुंच गए। बाजार में

गन्ना खरीदते लोग व सरोवर में पूजा करती महिलाएं। अमृत विचार

गन्ना पहुंचते ही लोगों ने गन्ना खरीदना शुरू कर दिया। अच्छे गन्नों की 20 से 50 रुपये कीमत होने से किसानों ने भी जमकर कमाई की। वहीं महिलाओं ने पर्व से पूर्व ही घर व पूजा स्थलों को सजाकर तैयार किया। बताया जाता है कि भगवान विष्णु चार माह तक आराम करते हैं, इसके बाद देवोत्थान एकादशी के दिन जागते हैं। देवोत्थान के दिन से ही शादी, विवाह, सगाई व अन्य शुभ कार्य शुरू होते हैं। भगवान विष्णु की विधि विधान के साथ आराधना करने से भक्तों के हर दुख दर्द दूर हो जाते हैं। इस दिन लक्ष्मी नारायण की पूजा करना शुभ माना जाता है, इसलिए लोगों ने पूर्व में घरों की साफ सफाई, लिपाई पुताई करके चमाचम कर लिया और देवोत्थान पर्व पर पूजा अर्चना की।

किसान गन्ने की कटाई का शुरू करते हैं काम

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन देवोत्थान एकादशी का पर्व मनाया जाता है। एकादशी के दिन मां तुलसी और भगवान विष्णु के विवाह का दिन होता है और इस दिन मां तुलसी और भगवान विष्णु के विवाह में गन्ने का मंडप बनाया गया। ग्यास पर्व पर किसान नई फसल की कटाई का काम शुरू करते हैं।

भगवान विष्णु का किया गया जलाभिषेक

एकादशी पर्व पर भगवान विष्णु का गंगाजल से अभिषेक किया गया, पुष्प व तुलसी अर्पित की गई। सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद भक्तों ने घरों और मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित किए, मंदिर में भगवान की आरती करने के बाद भोग लगाया साथ ही एकादशी पर महिलाओं ने व्रत भी रखा। साथ ही नारियल, सुपाड़ी, फल, लौंग, धूपबत्ती, मिठाई, चंदन, घी आदि सामग्री से पूजा की।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी गुगरापुर जनपद–कन्नौज

कार्यालय जिलाधिकारी महोदय जनपद कन्नौज के आदेश पत्रांक एस0एस0ए0 /4554–59/2025–26 दिनांक 09.10.2025 के द्वारा विकास खण्ड गुगरापुर में संचालित विद्यालयों में कुल जर्जर 15 परिषदीय विद्यालयों की नीलामी अधोहस्ताक्षरित की अध्यक्षता में सहायक एवं वित्त लेखाधिकारी समग्र शिक्षा जनपद कन्नौज एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) गुगरापुर की समिति द्वारा स्थान कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड गुगरापुर में दिनांक 14.11. 2025 को किया जाना है नीलामी सम्बन्धित अधिकतम जानकारी निविदादाता/ठेकेदार ब्लाक संसाधन केन्द्र गुगरापुर से नीलामी दिनांक 14.11.2025 तक प्राप्त कर सकते हैं।

शिवेन्द्र कुमार वर्मा
खण्ड शिक्षा अधिकारी
वि0ख0–गुगरापुर, कन्नौज

न्यूज ब्रीफ

अधेड़ पर धारदार हथियार से हमला, गंभीर

मऊ चित्रकूट। शनिवार को मऊ थाना क्षेत्र के बरियारी कला गांव निवासी अशोक पांडेय 50 वर्ष अपने खेत में जानवरों को चरा रहे थे। तभी उनके खेत में अपने जानवर चरा रहा गांव का ही चांद निषाद को खेत स्वामी अशोक पांडेय ने जानवर चराने से मना कर दिया। इसपर वह गाली गलौज करने लगा, जब अशोक ने इसका विरोध किया तो उसने अशोक पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। रक्तरंजित अशोक पांडेय अपने खेत में ही घायलावस्था में गिर गए। ग्रामीणों की सूचना पर उनका छोटा भाई रामनारायण पांडेय मौके पर पहुंचे। तब तक हमलावर फरार हो चुका था। मऊ थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्ग विजय सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मुकदमा लिखा जा रहा है।

फिर से साथ रहने को राजी हुए दंपती

चित्रकूट। मोनू निवासी राजापुर ने एसपी को प्रार्थना पत्र दिया था कि उसकी पत्नी मायके से वापस नहीं आ रही है। इस परउन्होंने दंपती में सुलह कराने के लिये परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया था। प्रभारी परिवार परामर्श टीम महिला मुख्य आरक्षी रजनी सिंह, महिला आरक्षी सोनिका द्विवेदी द्वारा द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझा बुझा कर साथ रहने को राजी कराया। दोनों पक्षों ने भविष्य में आपस में सामजस्य बनाकर रहने तथा अपने अपने कर्तव्यों का सही से पालन करने की बात कही।

समयबद्ध सर्वे कराकर किसानों को दिलाएं उचित मुआवजा : डीएम

नवागंतुक जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में सुनीं लोगों की समस्याएं

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। नवागंतुक डीएम पुलकित गर्ग ने शनिवार को तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनीं। यह उनका जिले में पहला संपूर्ण समाधान दिवस था। डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे बारिश से फसलों के नुकसान का समय से सर्वे कराएं और किसानों को उचित मुआवजा उपलब्ध करवाएं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। जमीन संबंधी विवादों को राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर निस्तारित करें। संपूर्ण समाधान दिवस के तहत कर्वी में 57 प्रार्थना पत्र आए। इनमें आठ का निस्तारण मौके पर किया गया। मानिकपुर में 32 में एक, मऊ में 70 में पांच, राजापुर तहसील में 60 प्रार्थना पत्रों में पांच का निस्तारण किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी पूजा साहू व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में लोगों की समस्याएं सुनते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह। अमृत विचार

समय से कार्यालय पहुंचें अफसर

- जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय से अपने कार्यालय पहुंचें और जनसुनवाई करें। आईजीआरएस में आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय से कराएं। किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

लोगों से करें अच्छा व्यवहार

- नवागंतुक जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लोगों से सदव्यवहार करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि जो भी शिकायतकर्ता आएं, उनसे अच्छा व्यवहार होना चाहिए। उनको अच्छे से समझाएं। उन्होंने अफसरों से कहा कि शासन स्तर से कोई भी प्रकरण पेंडिंग है तो अवगत कराएं।

मौके पर जाकर देखी फसल की हकीकत

- बनाड़ी के किसान जगमोहन ने बताया कि धान की फसल का बरसात से नुकसान हो गया है। इस पर जिलाधिकारी ने मौके पर जाकर फसल का हाल देखा। लेखपाल को निर्देशित किया कि पैमाइश कराकर नियमानुसार किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाए।

पुलिस ने गुमशुदा को किया बरामद

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना मारकुण्डी पुलिस टीम ने गुमशुदा व्यक्ति को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। इस पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

30 अक्टूबर 2025 को शिवशंकर यादव पुत्र शिवबली द्वारा सूचना दी गई कि उनका पुत्र अमित यादव उम्र 25 वर्ष 28 अक्टूबर 2025 को घर से बाइक से मझगवां की ओर गया था । काफी खोजबीन किया गया लेकिन उसका पता नहीं चला न ही आज तक लौटकर आया।

इस सूचना पर थाना मारकुण्डी में गुमशुदगी दर्ज करते हुए उनि अरविन्द कुमार सिंह द्वारा तत्काल परिजनों के साथ अमित यादव पुत्र शिव शंकर यादव निवासी डोडा माफी की मिलने के संभावित स्थानों तथा सर्विलांस की मदद से मझगवां तथा सतना के कई स्थानों में तलाश किया गया। सर्विलांस द्वारा गुमशुदा की लास्ट लोकेशन रेलवे स्टेशन मझगवां पर मिली, मौके पर पहुंचकर तलाश किया गया तो अमित यादव वहीं पर मिल गया। परिजन अमित को पाकर अत्यंत प्रसन्न हुए। परिजनों द्वारा थाना मारकुण्डी पुलिस टीम को धन्यवाद दिया गया।

अस्पताल से रेफर महिला का रास्ते में हुआ प्रसव

संवाददाता रामनगर चित्रकूट

अमृत विचार। कौशाम्बी जिले के कन्दैली गांव के सर्वेश गौतम अपनी गर्भवती पत्नी प्रीती व अपनी मां के साथ मुम्बई से ट्रेन के रास्ते मुम्बई से प्रयागराज आ रहे थे तभी मानिकपुर स्टेशन के पहले प्रीती को दर्द शुरू हो गया। इस पर परेशान पति सर्वेश ने रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर फोन कर मदद मांगी, जिस पर जीआरपी ने मानिकपुर स्टेशन पर उन्हें ट्रेन से उतार कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानिकपुर में पहुंचा दिया।

पीड़ित महिला के पति सर्वेश ने बताया कि मानिकपुर अस्पताल के चिकित्सकों ने उनकी पत्नी को गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल चित्रकूट के लिए रेफर कर दिया। उस दौरान उसे अत्यधिक पीड़ा हो रही थी। रेफर करते समय अस्पताल में एम्बुलेंश भी नहीं थी। किसी तरह बड़ी मुश्किल से एक एम्बुलेंस अस्पताल के कर्मचारी के कारण मिली। वहां से आने पर रास्ते में ही पत्नी का प्रसव हो गया।

एम्बुलेंस चालक ने उस दौरान नजदीक होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामनगर में लाकर छोड़ दिया । वहां पर भर्ती कर आवश्यक उपचार शुरू किया गया। इस संदर्भ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मानिकपुर के अधीक्षक डॉ शेषर वैश्य ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात डाक्टरों ने बताया कि लगभग 10 बजे एक महिला को अस्पताल लाया गया, जिसकी हालत गंभीर थी इसलिए उसे जिला अस्पताल चित्रकूट के लिए रेफर किया गया था। पर एम्बुलेंस चालक उसे रामनगर कैसे ले गया यह समझ में नहीं आया उक्त एम्बुलेंस के बारे में जानकारी करने का प्रयास किया जा रहा है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथ कर्ता के पासपोर्ट में हरप्रीत कौर सेठी एलियास सिमरन पत्नी अमरजीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम हरप्रीत कौर अरोरा पत्नी अमरजीत सिंह अरोरा है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। हरप्रीत कौर अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथ कर्ता मूल पते का निवासी है शपथकर्ता के पासपोर्ट में अमर जीत सिंह पुत्र अतम जीत सिंह अंकित है जब कि शपथ कर्ता का वर्तमान व सही नाम अमर जीत सिंह अरोरा पुत्र अतम जीत सिंह है जो इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **अमर जीत सिंह अरोरा मेन रोड सलोन थाना सलोन रायबरेली।**

सूचना

मैं **नानबाबू तिवारी पुत्र शीतला प्रमाद तिवारी, निवासी– ग्राम वीरपुर थाना–ललिया जनपद बलरामपुर** मेरा नाम पहले नानबाबू त्रिपाठी था जिसको बदलकर मैं अब अपना नाम नानबाबू तिवारी कर रहा हूँ भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैं राम लाल सैनी निवासी – कस्बा व पोस्ट चिनहट जिला–लखनऊ, अपने पुत्र मनीष कुमार सैनी को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता है। भविष्य में उसके द्वारा किए गये किसी भी गलत कार्यो से मेरा कोई लेना देना नही है।

सूचना

मैं तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) पुत्री प्रदीप श्रीधर तोडणकर (PRADEEP SHRIDHAR TODANKAR) निवासी–बी–404, रोहतास अपार्टमेन्ट नियर पिकनिक स्पाट रोड, विकास नगर लखनऊ उ0प्र0–226022, मेरा सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) जो कि आधार कार्ड में अंकित है। जबकि मेरा पूर्व नाम तोडणकर प्राची प्रदीप (TODANKAR PRACHI PRADEEP) व आधार कार्ड के अनुसार सही नाम प्राची अमित वर्मा (PRACHI AMIT VERMA) है जो कि दोनों नाम मेरे ही है। मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

मैं अंकुश चतुर्वेदी पुत्र स्व. कृष्ण नारायण चौबे, निवासी–न्यू हैदराबाद, लखनऊ उ0प्र0, मेरी बहन के आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में स्तुति चौबे अंकित है। जो कि सत्य एवं सही है। जबकि मेरे पिता स्व0 कृष्ण नारायण चौबे के सर्विस बुक में त्रुटिवश बहन का नाम स्तुति दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि स्तुति चौबे व स्तुति एक ही महिला अर्थात मेरी बहन का नाम है। वह इन दोनों नामों से जानी व पहचानी जाती है।

सूचना

मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पुत्र के पासपोर्ट में पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित है। उक्त दोनो नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है। भविष्य में मुझे गया प्रसाद कनौजिया के नाम से जाना व पहचाना जाये। गया प्रसाद कनौजिया सुत स्व0–सोमई निवासी–ग्राम व पोस्ट –भाई थाना–धम्मौर जनपद–सुलतानपुर उ0प्र0

सूचना

मैं **अमरेन्द्र सिंह उर्फ पीयूष सिंह पुत्र अनूप कुमार सिंह निवासी ग्रा. बहादुरपुर पो. पूरे पाण्डेय, थाना सरेनी, जिला रायबरेली** का हूं। मुझे उक्त दोनों नामों से जाना और पहचाना जाता है। मेरी भारतीय जीवन बीमा पालिसी संख्या 236884864 में जन्म तिथि 03–08–2007 है।

दंत प्रत्यारोपण की आधुनिक विधि बताई

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। भारतीय दंत चिकित्सा में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए चित्रकूट में अन्तर्राष्ट्रीय दंत चिकित्सा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन यूके के वरिष्ठ डेंटिस्टों ने विचार रखे।

दीनदयाल शोध संस्थान, इंडियन डेंटल एसोसिएशन-यूके तथा सेवा-यूके के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकूट में 'दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बदलते प्रतिमान' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन के दूसरे दिन शनिवार को दीनदयाल परिसर, उद्यमिता विद्यापीठ के लोहिया भवन में तकनीकी सत्र में मुंबई के विख्यात बॉलीवुड डेंटिस्ट डॉ संदेश मयेकर ने पूर्ण मुस्कुराहट के लिए दंत चिकित्सा की बारीकियां बताईं। उन्होंने बताया की मुस्कुराहट एक स्वाभाविक गुण है। मुस्कुराहट स्वाभाविक होती है इसे बनाया नहीं जा सकता। इंग्लैंड के डॉ. कैरी बोपिया ने ऑटोजेनस 3डी बोन ग्राफ्टिंग के बारे में विस्तार से बताया। वहीं यूके इग्लेंड के डॉ. अशोक सेठी द्वारा प्रत्यारोपण दंत चिकित्सा में प्रकृति की नकल पर तथा लंदन के सीनियर डेंटिस्ट नरेश शर्मा द्वारा चित्रकूट में चलाए गए क्लेफ्ट और बर्न सर्जरी में सफलता, दंत चिकित्सा और सामुदायिक देखभाल के बीच सेतु का निर्माण आदि कई बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। डॉ शर्मा ने बताया कि आरोग्य धाम दंत चिकित्सा के माध्यम से आयोजित कैंपों में जन्मजात दोषों, चोटों या बीमारियों के कारण कटे फ़टे क्षतिग्रस्त त्वचा को ठीक करने का कार्य किया जा रहा है। आरोग्यधाम के वरिष्ठ दंतचिकित्सक डॉ वरुण गुप्ता ने चित्रकूट के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाएं जा रहे दंत शिविरों पर अपने अनुभवों को रखते हुए यहां की प्रमुख आवश्यकताओं और कठिनाइयों पर ध्यान केंद्रित किया। सम्मेलन में डेंटल की नवीनतम तकनीकों, डिजिटल दंत चिकित्सा, दंत प्रत्यारोपण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन भी किया गया। जिसके अन्तर्गत दंतचिकित्सा क्षेत्र के शोधार्थियों एवं छात्रों हेतु नवाचारों, सेवा, शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विषय में बहुमूल्य जानकारी दी गई।

सम्मेलन में मौजूद दंत चिकित्सक। अमृत विचार

जयंती पर सरदार पटेल को किया याद

चित्रकूट। सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज चकमाली कर्वी में आज बड़े ही धूमधाम से लौह पुरुष का जन्म दिवस मनाया गया। यहां पर संस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्यम से सरदार पटेल को याद किया गया। स्कूली बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर खूब मनोरंजन किया। वहीं सरदार वाललाभ भाई पटेल के जीवन के संघर्षों के बारे में भी जाना।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा और सरदार पटेल की प्रतिमाओं में माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सत्यनारायण सिंह परिहार उपाध्यक्ष वित्त विहीन शिक्षक महासभा उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे।

जयंती समारोह में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये, जिसमें बच्चों ने संगीत कार्यक्रम में राई नृत्य, दिवारी नृत्य, गीत, कविता, समेत कई तरह के संगीत कार्यक्रम पेस किये । इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ सत्यनारायण परिहार ने संबोधित करते लौह पुरुष सरदार पटेल के संघर्षों और उनके जीवन के बारे में बताया।

साहब! सड़क और नाली पर कब्जा कर रहे दबंग

संवाददाता राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। राजापुर तहसील समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी फूलचंद यादव, तहसीलदार भारत प्रताप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी राजकमल की मौजूदगी में शनिवार को कुल 60 फरियादियों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई । इस दौरान सबसे अधिक मामले भूमि विवादों से जुड़े रहे, जिन पर अधिकारियों ने गंभीरता से सुनवाई की।

शिकायतकर्ता श्रीकांत ग्राम पंचायत पियरिया माफी ने शिकायत करते हुए बताया है कि गांव के कुछ दबंगों के द्वारा सड़क और नाली में अवैध कब्जा कर लेने के कारण साफ सफाई नहीं हो पाती हैं। इसके चलते गांव में संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका है। सुनील कुमार निवासी सिरावल माफी ने शिकायत किया है कि बैनामा सुदा मेरी जमीन में गांव के दबंग के द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने कब्जा, पैमाइश, बंटवारे और रजिस्ट्री से जुड़े कई विवादों को अधिकारियों के सामने रखा । उपजिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें और मौके पर जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करें। वहीं समाधान दिवस में मौजूद उपजिलाधिकारी फूलचंद यादव ने मौके पर ही 5 समस्याओं का निस्तारण कराया।

अधिकारियों ने उपस्थित फरियादियों को भरोसा दिलाया कि शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। क्षेत्राधिकारी राजकमल ने राजापुर और सरधुवा थाने के प्रभारियों व पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए तथा विवादों को बढ़ने से पहले सुलझाया जाए।

छात्रों को दी नये कानूनों जानकारी

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। जनता इंटर कालेज में नए कानून के प्रति जागरूकता अभियान के तहत पुलिस द्वारा छात्र छत्राओ को जानकारी दी गई। इस दौरान क्विज, निबंध और कला के साथ साथ वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ । वहीं उत्कृट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को शील्ड व प्रमाणपत्र दिए।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में सिरसा कलार थानाध्यक्ष प्रवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को नए आपराधिक कानून के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से कालेज में कक्षा 11 व 12 के 50 छात्र-छत्राओं को तीन नए कानून बीएनस, बीएनएस एस और बीएसए के सम्बंध जानकारी दी। इस दौरान चित्रकला लेखन और वाद विवाद प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिताओं मे प्रथम आंशिक यादव, द्वतीय प्रिन्स कुशवाहा, तृतीय रिया सिंह ,चौथा शिखा तिवारी व पांचवा स्थान शांतनु को मिला। प्रतियोगिता के दौरान जनता इंटर कालेज के प्रधानाचार्य मुवीन शेख व समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

केशव शिवहरे 19वीं बार बने राष्ट्रीय अध्यक्ष

- इंटरनेशनल पायनियर्स का 56वां अधिवेशन नैनीताल में संपन

चित्रकूट। अंतरराष्ट्रीय समाज सेवी संस्था इंटरनेशनल पायनियर्स का 56वां राष्ट्रीय अधिवेशन रामनगर नैनीताल उत्तराखंड में संपन्न हुआ। संस्था के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शिवहरे ने दीप प्रज्ज्वलन कर अधिवेशन का शुभारंभ किया।

अधिवेशन की शुरुआत होने के बाद देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए संस्था के अध्यक्ष व सचिव ने अपनी शाखाओं के सामाजिक कार्यों व आय व्यय की प्रगति आख्या प्रेषित किया। सत्र के दूसरे चरण में सत्र 2025- 26 के लिए राष्ट्रीय कार्यकारणी का चुनाव सम्पन्न हुआ। इसमें 19 वीं बार केशव शिवहरे एड. चित्रकूट को राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। साथ ही नवीन तिवारी महामंत्री रामनगर एवम् विजय अग्रवाल रामनगर उत्तराखंड कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव शिवहरे को सुरेंद्र गुप्ता पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, दीवान कटारिया अध्यक्ष पीरुमदारा , पीयूष अग्रवाल अध्यक्ष रामनगर, हेमभट्ट पूर्व महासचिव, अशोक गुप्ता अध्यक्ष दिल्ली, राकेश अग्रवाल पूर्व महासचिव सचिव , सचिन अग्रवाल, अमित अग्रहरि आदि ने फूल माला एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया। केशव शिवहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर व्यक्ति को अपनी क्षमता अनुसार निः स्वार्थ भाव से पीड़ित मानवता और जरूरतमंदों की मदद प्रत्येक दशा में करना चाहिए। संस्था संस्थापक संतोष मेहरोत्रा ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को संस्था की शपथ दिलाई।

कार्यालय ग्राम पंचायत इस्लामपुर वि0ख0 सरीला (हमीरपुर)

पत्रांक / रा0वि0–चौ0वि0/ विज्ञप्ति / 2025–26 दिनांक 01–11–2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, एवं लघु सिचाई विभाग एवं व्यापार कर विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से मनरेगा / केन्द्रीय वित्त आयोग / पंचम वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु निविदायें दिनांक 08–11–2025 तक कार्यालय ग्राम पंचायत इस्लामपूर, वि0ख0 सरीला में आमत्रित की जाती है। जो दिनाक 02–11–2025 से दिनांक 08–11–2025 तक बेची जाएगी तथा दिनांक 08–11–25 को 2.00 बजे तक सील्ड बाक्स में डाली जाएगी, तथा दिनांक 08–11–25 को समय 3.00 बजे निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य देकर कार्यालय ग्राम पंचायत इस्लामपुर वि0ख0 सरीला से प्राप्त की जा सकती है। निविदा के साथ रसीदी टिकट पर हस्ताक्षर युक्त 100.00 रु0 मूल्य का स्टांम्प पेपर संलग्न करना अनिवार्य है। बिना कारण बताए किसी भी निविदा को आंशिक अथवा पूर्ण रूप से अस्वीकार फरने का अधिकार अधोहरताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा। कार्यालय दिवस में कार्य का समस्त विवरण देखा जा सकता है।

क्रमांक	योजना	कार्य का नाम	सामग्री लागत (लाख रू0 में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	निविदा का मूल्य+ टी.टी	कार्य पूर्ण होने की अवधि	ग्राम पंचायत का पता
1	2	3	4	5	6	7	8
01	केन्द्रीय / राज्य वित्त	बजरंगबली से तुलाराम केवट के घर तक रिफ्टा सीढी रैंप निर्माण कार्य	230224	4604	225+41	3 माह	पंचायत भवन इस्लामपुर
2	केन्द्रीय / राज्य वित्त	सीताराम केवट के मकान से बजरंगबली तक सीसी निर्माण	96424	1928	225+41	3 माह	पंचायत भवन इस्लामपुर

अन्य शर्तें :

1. सर्षत निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
2. प्रतिशत में अंकित दरें मान्य नही की जाएगी।
3. किसी भी दवा में अग्रिम भुगतान नही किया जाएगा।
4. ठेकेदार निविदा डालने के पूर्व कार्य स्थल को निरीक्षण कर लें।
5. सामग्री की आपूर्ति निर्धारित अवधि में पूर्ण न करने पर अनुबन्ध की शर्तो के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।
6. नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी एवं अन्य देवकर ठेकेदार द्वारा वहन किया जाएगा।
7. रावल्टी से सम्बन्धित प्रपत्र एम0एम0–11 अन्तिम भुगतान के समय कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार रायल्टी की कटौती बिल से कर ली जाएगी।
8. किसी भी निविदादाता को जिसका आपराधिक रिकार्ड हो निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अनुमति नहीं दी जा सकती है। यदि ऐसा पाया जाता है तो निविदा अस्वीकार की जाएगी।
9. निविदा की वैधता निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि से 90 दिवस होगी। एक बार प्रस्तुत की गई निविदा वापिस नही ली जा सकती है।
10. किसी भी प्रकार का वाद मात्र हमीरपुर न्यायालय में ही मान्य होगा।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी / सचिव
ग्राम पंचायत इस्लामपुर
वि0ख0–सरीला, (हमीरपुर)

भक्ति–भावना

श्रीमद भागवत कथा में सर्वेश महाराज ने श्रीकृष्ण के जीवन का किया वर्णन

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से मंत्रमुग्ध हुए श्रद्धालु

संवाददाता, कालपी जालौन

अमृत विचार। व्यास भूमि कालपी धाम के राधे गार्डन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास सर्वेश द्विवेदी महाराज हमीरपुर ने गोवर्धन लीला के साथ भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का रोचक प्रसंग सुनाया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

नगर के मनीगंज स्थित राधे गार्डन मे चल रही श्रीमद भागवत कथा के पांचवे दिवस कथा व्यास सर्वेश द्विवेदी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की माखन चोरी लीला, कालीदह लीला, गोवर्धन लीलाओं का वर्णन सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। व्यास जी ने कहा भगवान ने अपनी लीलाओं से जहां कंस के भेजे विभिन्न राक्षसों का संघार किया। वहीं ब्रज के लोगों को आनंद प्रदान किया। महाराज जी ने बताया पौराणिक कथा के अनुसार एक दिन श्री कृष्ण ने देखा कि सभी बृजवासी तरह-तरह के पकवान बना रहे हैं। पूजा का मंडप सजाया जा रहा है और सभी लोग प्रातः काल से ही पूजन की सामग्री एकत्रित करने में व्यस्त है, तब श्रीकृष्ण ने यशोदा जी से पूछा मइया आज सभी लोग किसके पूजन की तैयारी कर रहे हैं। इस पर मइया यशोदा ने कहा कि पुत्र सभी बृजवासी इंद्रदेव के पूजन की तैयारी कर रहे हैं । इस पर कान्हा ने कहा कि वर्षा करना तो इंद्र देव का कर्तव्य है। यदि पूजा करनी है तो हमें गोवर्धन पर्वत की करनी चाहिए। क्योंकि हमारी गायें तो वहीं चरती है और हमें फल,फूल ,सब्जियां आदि गोवर्धन पर्वत से प्राप्त होती है और गोवर्धन भगवान ही मेरी रक्षा करते है अतः हमें गोवर्धन पर्वत की पूजा करनी चाहिए इसके बाद सभी बृजवासी इंद्रदेव की बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे । इस बात को देवराज इंद्र ने अपना अपमान समझा और क्रोध में आकर प्रलय दायक मूसलाधार बारिश शुरू कर दी । इसके बाद भगवान कृष्ण ने इंद्रदेव का अहंकार दूर करने और सभी बृजवासियों की रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया तब सभी बृजवासियों ने गोवर्धन पर्वत के नीचे शरण ली । इसके बाद इंद्रदेव को अपनी भूल का एहसास हुआ और उन्होंने कृष्ण से क्षमा याचना की उसी के बाद से गोवर्धन पूजा पूजन की परंपरा आरंभ हुई। इस मौके पर गोवर्धन लीला की झांकी भी सजाई गई और गोवर्धन पूजा का उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। साथ ही कथा के दौरान संगीतमय भजनों पर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु नाचते रहे। गोवर्धन प्रसंग समाप्त होने के बाद मुख्य यजमान हिमांशु पत्नी दीपा,व आयोजक कृष्ण पाल सिंह उर्फ़ बवलू,परमानन्द यादव, पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित पाण्डे,अमर सिंह,पंकज सिंह सहित महिलाएं व श्रोतागण मौजूद रहे तथा समस्त भक्तगणों ने भागवत भगवान की आरती की।

भागवत कथा का श्रवण करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार

रविवार, 2 नवंबर 2025

सालाही सालाहि एती
सुरति न पाईआ।
नदीआ अतै वाह पवहि
समुंदि न जाणीअहि॥

गुरु नानक देव जी कहते हैं, ईश्वर की कितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके बाद भी उसकी संपूर्ण महिमा को समझ पाना संभव नहीं है। जैसे, नदियां हमेशा समुद्र की ओर बहती हैं, लेकिन कभी भी समुद्र की गहराई और उसकी संपूर्णता को पूरी तरह नहीं जान पातीं।

ज्ञान का प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है माया

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता, तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने दुख को ही समस्या का जड़ माना है।

शब्द 'माया' लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी 'माया' शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही 'माया सभ्यता' कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी। ऋग्वेद में एक शब्द आया है 'ऋभु'। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी न किसी रूप में, भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं।

माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत् में उन्हें जगत् जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके संबंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में

> माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थत : ब्रह्म ही एकमात्र सत् है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है, लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते।

अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत् किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत् के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत् को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है।

उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते।

वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है, जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरुआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है।

माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती, तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा-पूरा है। इस तरह माया सत् नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत् या असत् नहीं कहा जा सकता। माया सत् नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत् भी नहीं है। वह जगत् को आरोपित करती है।

इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है।

शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है, प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है, परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं, वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

पुराना उदाहरण लें, जब कोई अविद्या के कारण रस्सी में सर्प का ज्ञान प्राप्त करता है, तब सर्पत्व का कोई प्रभाव रस्सी पर नहीं पड़ता। अध्यास के प्रभाव में रस्सी सांप नहीं बन जाती। वह सांप जैसी प्रतीत होती है। इससे सर्प ज्ञान बाधित होता है। शंकर के अनुसार अध्यस्त वस्तु अपने मूल रूप में बनी रहती है। इसे असत नहीं कहेंगे। भ्रम काल में भी उसका अनुभव होता है और यह वस्तुतः सही नहीं होता है। हम भारतवासी अध्यात्मबोध को श्रेष्ठ मानते हैं, लेकिन ऐसा बोध माया की सीमा तक जाता है। माया की सीमा है। वह अनंत नहीं है।

स्मार्ट सिटी योजना में पीपीपी मॉडल का प्रयोग

साल 2015 में लॉन्च किए जाते समय 'स्मार्ट सिटीज मिशन' का उद्देश्य 100 शहरी क्षेत्रों का चयन करके उनके बुनियादी ढांचे को चमकदार बनाया जाना और निवासियों को बेहतर प्रशासनिक दक्षता उपलब्ध करवाने में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रस्तावित था। 'शहरी विकास मंत्रालय' ने 20 वर्षों की इसकी लागत सात लाख करोड़ रुपये बताई थी। इस मिशन के लिए चुने गए शहरों में नई दिल्ली से लेकर भोपाल, भागलपुर, इंदौर, इंफाल, सलेम, सतना और अहमदाबाद आदि शामिल थे। केंद्र सरकार ने प्रारंभ में मिशन के लिए 48,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसमें कुछ राशि उन राज्यों द्वारा भी मिलाई जानी थी, जिनमें परियोजनाएं लागू की जानी थीं। मिशन ने यह सिफारिश की थी कि जलापूर्ति, स्वच्छता, सीवरेज और परिवहन जैसी सार्वजनिक सेवाएं निजी साझेदारों के माध्यम से 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (पीपीपी) के तहत प्रदान की जाएं। 1990 के दशक की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत का शहरी विकास मॉडल निजी कंपनियों को सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में शामिल करने और फिर नागरिकों से उनका शुल्क वसूलने की रणनीति पर आधारित रहा है।

गौरव द्विवेदी
एक्टिविस्ट

'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' के प्रमुख सहयोगी बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी रहे हैं। उनमें 'सिस्को', 'आईबीएम', 'जनरल इलेक्ट्रिक', 'हिताची' और 'तोशिबा' आदि शामिल हैं। ऐसी स्मार्ट परियोजनाओं का उत्साहपूर्वक साथ देने वाले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी हैं, जैसे 'वर्ल्डबैंक,' 'एशियन डेवलपमेंट बैंक' और कई 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन।' भारत के 'स्मार्ट सिटीज मिशन' को 'वर्ल्डबैंक' के अलावा 'इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन' का सहयोग प्राप्त है जो 'वर्ल्डबैंक' समूह की निजी क्षेत्र की शाखा है।

> एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी मॉडल' कई स्तरों पर विफल रहा है, जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

पिछले दो दशकों में भारत का निजी ऑपरेटरों के माध्यम से परियोजनाओं को लागू करने और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने का अनुभव उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। जलापूर्ति में पांच 'पीपीपी' पर वर्ल्डबैंक के अध्ययन ने चेतावनी दी है कि 'सिर्फ ऐसे निवेश ही प्रभावी नहीं होंगे, जिनमें कम जवाबदेही हो। आपूर्ति को ठीक से चलाने और मानकों को पूरा करने की कमी हो। कमजोर वाणिज्यिक रुझान हो। बाहरी संस्थाओं द्वारा संचालन में हस्तक्षेप हो और ग्राहक सेवा, वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित नियामक ढांचे की अनुपस्थिति हो। इसी बीच, 'यूरोपियन नेटवर्क ऑन डॅट एंड डेवलपमेंट' की एक रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला है कि 'पीपीपी' मॉडल 'कई स्तरों पर विफल रहा है,' जिससे वित्तीय और मानवीय दोनों तरह के प्रभाव उत्पन्न हुए हैं। इसी रिपोर्ट रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'पीपीपी' की मानवीय लागत, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा वितरण में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इसका कारण यह है कि निजी कंपनियां नागरिकों के प्रति नहीं, बल्कि अपने शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदार होती हैं।

कॉफी की बूंदें बनाम मिल्क केक के ढेर

हाल में लंदन में एक महिला पर इसलिए 150 पाउंड जुर्माना लगा, क्योंकि बस पकड़ते समय उसने अपने कप में बची हुई कॉफी की बूंदें सडक के नाले में उंडेल दी थीं। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत उसे रोककर बताया कि आपने प्रदूषक पदार्थ सार्वजनिक जल निकासी में डाला है। महिला ने माफी मांगी, पर जुर्माना लगा, क्योंकि वहां नियम भावनाओं से नहीं, व्यवस्था से तय होता है। इसके विपरीत अब जरा राजस्थान में अजमेर की तस्वीर देखिए। अजमेर में खाद्य विभाग ने 2000 किलो मिल्क केक जांच के बाद मिलावटी पाया। अधिकारियों ने वह सारा खराब मिल्क केक कागज के डिब्बों समेत सीधे नदी में बहा दिया। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, लेकिन न कोई जुर्माना लगा, न कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी की जवाबदेही तय की गई। यह तुलना केवल दो देशों की नहीं है, बल्कि यह दो मानसिकताओं की कहानी है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

लंदन के उदाहरण से पता चलता है कि वहां कानून व्यक्ति से ऊपर है, जबकि अजमेर के उदाहरण से साफ है, हमारे यहां कानून व्यक्ति के अनुसार चलता है। हम कानून सबके लिए समान होने की बातें कहते हैं, पर ऐसा सिर्फ किताबों में है। हमारे देश में नियमों की कमी नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से लेकर स्वच्छता अभियान तक हर विभाग के पास नियम-कायदे हैं, लेकिन ये लागू किस पर होते हैं? ज्यादातर आम नागरिक पर। असरदार तो आम तौर पर इससे बच ही जाते हैं।

एक आदमी बिना हेलमेट के निकल जाए तो फौरन चालान हो जाता है, मगर कोई ठेकेदार निर्माण के बाद बचा मलबा खुले नाले में डाल दे तो उसे अनदेखा कर दिया जाता है। लंदन के नाले में कॉफी गिराने वाली महिला की गलती व्यक्तिगत जिम्मेदारी की प्रतीक है, जबकि अजमेर की घटना संस्थागत लापरवाही का उदाहरण है। एक सरकारी विभाग टीम ने मिलकर नदी को प्रदूषित किया, लेकिन दोनों में फर्क देखिए- एक को सजा मिली, जबकि दूसरे को सरकारी संरक्षण हासिल है।

जब भी किसी संस्थागत लापरवाही का मुद्दा उठता है, तो उसे बहाने बनाकर अनदेखा कर दिया जाता है। अजमेर में 2000 किलो मिल्क केक नदी में फेंकते हुए, यह भी नहीं सोचा गया कि इतनी भारी मात्रा में सड़ा हुआ दूध, शक्कर और कागज मिलकर जलचरों के जीवन, ऑक्सीजन स्तर और पानी की गुणवत्ता को किस कदर प्रभावित करेगा? यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों का उल्लंघन है। ऐसा करने वाला चाहे नागरिक हों या कोई अधिकारी, चूंकि यह उल्लंघन सरकारी विभाग की टीम ने किया है, इसलिए जवाबदेही की बात ही नहीं समझी जा रही है। यानी सरकारी विभाग जवाबदेही से ऊपर हैं। लंदन की महिला की गलती बेशक छोटी थी, पर वहां व्यवस्था ने यह दिखा दिया कि नियम सबके लिए एक हैं, जबकि हमारे यहां अजमेर की घटना यह याद दिलाती है कि जब कानून का पालन करने वाले ही कानून तोड़ते हैं, तब समाज का नैतिक ताना-बाना टूटने लगता है। किसी भी समाज में कानून का अर्थ केवल सजा देना नहीं होता, बल्कि विश्वास बनाना भी होता है।

किसानों की दुर्दशा व सरकारी व्यवस्था

निरंतर बढ़ती जनसंख्या, विकसित भारत के दृष्टिगत सड़कों के जाल और औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को कृषि भूमि के अधिग्रहण से हमारे देश-प्रदेश की कृषि भूमि लगातार घट रही है। समय रहते इस दिशा में पहल नहीं की गई तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है। कृषि प्रधान देश के नेतृत्वकर्ताओं ने यह तो महसूस किया कि भारत के समग्र विकास का रास्ता गांव और किसान के विकास से होकर ही आगे बढ़ता है। आजादी के बाद से तत्कालीन नेतृत्वकर्ताओं ने कृषि के समुचित विकास को कृषि विकास मंत्रालय के साथ कृषि बीज संवर्धन, कृषि रसायन, कीटनाशन प्रबंधन, रसायनिक खाद उत्पादन एवं वितरण, भूमि संरक्षण, कृषि कार्य के ऋण के लिए खाद व बीज वितरण को सोसाइटीज, गन्ना विकास के लिए अलग समितियां व विभाग, भूमि विकास बैंक, को-ऑपरेटिव बैंक स्थापित किए।

प्रदेश में कांग्रेस, भाजपा, सपा व बसपा की सरकारें रहीं, लेकिन रबी की बुवाई से पूर्व जरूरत के मुताबिक पोटाश खाद व फसल के लिए यूरिया का समय से प्रबंध नहीं कर पाईं और किसान को अपनी जरूरत के मुताबिक खाद मुहैया कराने के लिए जो पापड़ बेलने पड़ते हैं, उसका अंदाज भुक्तभोगी ही लगा सकता है। सत्तारूढ़ दल या विपक्षी दल रसायनिक खाद की जरूरत के समय तक उपलब्धता सुनिश्चित क्यों नहीं करा पाते? और छोटे व साधनविहीन किसानों को इधर-उधर भटकना क्यों पड़ता है?

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

अब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिए इतनी बिजली मिल पा रही है कि वे हाथ-पैर काले किए डीजल इंजन चलाने को नहीं भटक रहे हैं। यह दीगर बात है कि राजकीय नलकूप पर्याप्त नहीं हैं और जो हैं वे राजकीय नलकूप चालक की इच्छा शक्ति से संचालित हो रहे हैं और किसान खासकर छोटे किसान निजी नलकूप संचालकों के रहमो-करम से अपनी फसल बचा पा रहे हैं।

बढ़ती आबादी व विभिन्न योजनाओं में भूमि अधिग्रहण से अधिसंख्य किसान लघु और अत्याधिक लघु किसान के श्रेणी में आते जा रहे हैं। कृषि कार्य के कुशल संचालन को विकास खंड स्तर पर अपर खंड विकास अधिकारी (कृषि) व अन्य स्टाफ की नियुक्ति है, लेकिन इनके द्वारा राजकाज की व्यस्तता के चलते आम सभाएं करके किसानों को सरकारी योजनाओं की सार्वजनिक जानकारी देने का प्रयास नहीं किया जाता।

रबी में तोरिया, सरसों पर कीट प्रबंधन (माहू कीट) से रोकथाम, आलू की फसल में झुलसा आदि रोगों की रोकथाम को कीट प्रबंधन विभाग समाचार पत्रों को विज्ञप्ति जारी करके अपनी ड्यूटी का निर्वाह करता है। उसमें जो सुझाव दिए जाते हैं, वह प्रति हैक्टेअर दवा की मात्रा का जिक्र किया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिस किसान पर बीस वर्ष पूर्व एक हेक्टेयर कृषि थी, आज उसके पौत्रों पर 2-3 बीघा कृषि भूमि रह गई है। अब वह हैक्टेअर की दर से दवा का उपयोग कैसे करे इस पर पंचायत या ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके प्रति जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता से नतीजा शून्य है। किसान अपने विवेक से कीट रसायन प्रयोग करके फसल तो बचा पा रहा है, लेकिन उत्पादित सब्जी व अन्न से आम आदमी की सेहत पर दुष्प्रभाव से किसी को कोई सरोकार नहीं है।

> मृदा परीक्षण के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रयोगशालाओं के लिए सरकार धन तो देती है, इसके सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते। मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है।

आबादी के सापेक्ष खाद्यान्न उत्पादन के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है मृदा परीक्षण। मृदा परीक्षण के लिए नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर प्रयोगशालाओं के रखरखाव पर सरकार द्वारा दिए जाने वाले धन के सापेक्ष उसकी उपयोगिता पर सत्ता व विपक्ष के प्रतिनिधि दृष्टिपात नहीं करते, लेकिन मृदा परीक्षण के परिणाम समय से न मिलने से पूरा विभाग सफेद हाथी साबित होता है। मृदा परीक्षण का परिणाम समय से देने के लिए क्षेत्रवार खेतों की मिट्टी के नमूने प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाना, रिपोर्ट व परीक्षित मिट्टी वाले खेत के लिए फसल चयन पर सुझाव कम से कम दो सप्ताह पूर्व प्राप्त होने से तथा सुझाव के अनुरूप बीज व रसायनिक अथवा देसी खाद की उपलब्धता के लिए शासन व प्रशासन स्तर समग्र प्रयास किए जाने चाहिए।

समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दलों को अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की समस्याओं का आकलन कराकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। मात्र स्व महिमा मंडन अथवा अपने प्रतिद्वंद्वी की आलोचना से कुर्सी भले ही मिल जाए लेकिन देश, प्रदेश खुशहाली के लिए कृषि व किसानों के प्रति सकारात्मक सोच आवश्यक है।

कमजोर व ताकतवर के हिसाब से रूप बदलती वादाखिलाफी

किसी को कोई वचन देकर फिर वक्त आने पर मुकर जाना वादाखिलाफी कही जाती है। वादाखिलाफी करने वाला मजबूत रहता है, तो कमजोर पक्ष चुपचाप वादाखिलाफी झेलता है और यदि मजबूत है तो वह वादा निभाने को मजबूर करता है।

महाभारत का युद्ध वादाखिलाफी का परिणाम रहा है। पांडु के असमय मृत्यु हो जाने पर हस्तिनापुर का सम्राट धृतराष्ट्र को इन शर्तों पर बनाया गया कि पांडु पुत्र पांडव जब शासन करने में समर्थ हो जाएंगे, तो उन्हें गद्दी दे दी जाएगी, लेकिन धृतराष्ट्र ने पुत्रमोह के चलते पांडवों को राज्य देना स्वीकार नहीं किया और कृष्ण के समझाने के बावजूद 'सूई की नोक के बराबर भूमि नहीं दूंगा' कहकर पांच गांव देने से भी इनकार कर दिया।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

वादाखिलाफी से संबंधित कथा-सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' भी है। कहानी के एक पात्र जुम्मन शेख ने अपनी बेवा खाला की सारी संपत्ति ले ली और वादा किया कि जुम्मन और उसकी बीबी खाला की भलीभांति देखभाल करेंगे, लेकिन कुछ ही महीनों में जुम्मन ने वादा तोड़ दिया। इस पर मामला पंचायत में गया और जुम्मन के खास दोस्त अलगू ने जुम्मन के खिलाफ फैसला दिया तथा वादा निभाने का आदेश दिया। दोनों में अनबन सी हो गई, लेकिन कुछ दिनों बाद जुम्मन को पंच परमेश्वर बनना पड़ा, क्योंकि अलगू चौधरी द्वारा एक व्यापारी को बेचे गए बैल के मर जाने के कारण व्यापारी ने पैसा देने से इनकार कर दिया था। इस बार जब जुम्मन ने पंच परमेश्वर के पद से अलगू चौधरी के पक्ष में फैसला दिया तथा कहा कि बैल खरीदते समय यदि पूरा पैसा अलगू को मिल गया होता तो पैसे का विवाद न होता।

पहले तो लोगों को उम्मीद थी कि जुम्मन द्वारा अलगू के खिलाफ फैसला दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जुम्मन ने न्याय का साथ दिया तथा वादा खिलाफी करने वाले व्यापारी के खिलाफ फैसला हुआ। समाज में आए दिन वादाखिलाफी को लेकर झगड़े होते हैं। कोर्ट-कचहरी तक लोग चक्कर लगाते हैं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद फैसला होता है। यदि हर कोई अपनी अंतरात्मा की आवाज सुने, तो मालूम हो जाएगा कि कौन वादाखिलाफी कर रहा है?

स्कूल से पहले ससुराल भेज दी जाती हैं लड़कियां

हमारे देश में कुछ ऐसी सामाजिक बुराईयां आज भी मौजूद हैं, जिनके खिलाफ सख्त कानून तो बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद वह जारी हैं। इनमें कम उम्र में लड़कियों की शादी प्रमुख है। भारत में प्रत्येक वर्ष 18 साल से कम उम्र की करीब 15 लाख लड़कियों की शादी हो जाती है, जिसके कारण भारत में दुनिया की सबसे अधिक बाल वधुओं की संख्या है, जो विश्व की कुल संख्या का तीसरा भाग है। 15 से 19 साल की उम्र की लगभग 16 प्रतिशत लड़कियां शादीशुदा हैं, हालांकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत हो गई है, परंतु यह अभी भी अधिक है। विशेषकर देश के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रतिशत अधिक है।

नजमा बानो
लेखिका

राज्य स्तर पर बात करें, तो राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यहां के कई गांवों में लड़कियों की जल्दी शादी हो जाना आम बात है। हालांकि हाल के दशक में यह प्रथा घटने के संकेत दिखे हैं, पर जमीन पर मौजूद तस्वीर मिश्रित है। कुछ जगहों पर बदलाव तेज हैं, तो कई जगहों पर ये बुराई अभी भी जिंदा है। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के आंकड़ों से साफ होता है कि 2005–06 से लेकर 2019–21 तक इसमें स्पष्ट कमी आई है। राजस्थान में 20–24 आयु की महिलाओं में जो 18 साल से पहले शादी कर चुकी थीं, उनकी दर 2005–06 में बहुत ऊंची थी और 2015–16 में यह 35.4% तक आ गई; फिर 2019–21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। यानी एक दशक में गिरावट तो हुई है, पर मामला अभी भी व्यापक है।

इन संख्याओं के पीछे हर एक आंकड़ा किसी परिवार की सुबह और किसी छात्रा की किताबों में छूटा हुआ अध्याय बनकर बैठा है। 2005 के बाद से जो गिरावट आई है, वह अक्सर स्कूलों में बढ़ते दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और कुछ इलाकों में जीवन शैली के बदलने की वजह से है। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टें भी बताती हैं कि पूरे देश में बाल विवाह घट रहा है, पर कुछ राज्यों और उनके ग्रामीण हिस्सों में यह अभी भी बड़े पैमाने पर मौजूद है। राजस्थान की बदलती दर राष्ट्रीय औसत से भिन्न पैटर्न दिखाती है। कुछ जगहों पर तीक्ष्ण गिरावट हुई है और कुछ जगहों पर धीमी लेकिन लगातार कमी है।

इसी समय, यह भी ठीक है कि हाल के सालों में कुछ रिपोर्टों ने और ताजा स्थानीय पहलों का जिक्र किया है, जिनसे कुछ जिलों में हालिया वर्षों (2022–24) के बीच रोकथाम के अस्थायी या स्थायी नतीजे सामने आए हैं। पर यह जरूरी है कि इन छोटी-छोटी विजयों को व्यापक और गहरे स्तर पर मापा जाए। कुछ मीडिया रिपोर्टों और क्षेत्रीय सर्वेक्षणों ने तेज गिरावट के प्रमाण दिए हैं, फिर भी राष्ट्रीय सर्वेक्षणों का बड़ा फ्रेम (NFHS जैसी) समय-समय पर तुलनात्मक संकेत देता है।

लड़कियों की पढ़ाई पर इसका असर बहुत सीधा और गहरा होता है। जल्दी शादी से स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। 12वीं तक पहुंचने की संभावना कम हो जाती है और कई बार लड़कियां अपनी पढ़ाई अधूरी छोड़कर घरेलू जिम्मेदारियों या मां बनने की चुनौती में फंस जाती हैं। इससे आत्मनिर्भर बनने की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। नेशनल सर्वेक्षणों ने यह भी दिखाया है कि जिन इलाकों में बाल विवाह की दर अधिक है, वहां साक्षरता और शैक्षिक उपलब्धियां तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। स्वास्थ्य के स्तर पर भी इसका असर होता है। किशोरावस्था में गर्भधारण से मां और शिशु दोनों के जोखिम बढ़ जाते हैं। प्रसव संबंधी जटिलताएं, न्यूट्रिशनल कमी और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। राष्ट्रीय आंकड़े बताते हैं कि किशोर मातृत्व की दर और किशोरों में गर्भधारण पर प्रभाव उस समुदाय की शादी की प्रथाओं से जुड़ा होता है, जहां शुरुआती शादी सामान्य है वहां ये स्वास्थ्य संकेतक नकारात्मक रहते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

देश की तमाम शख्सियतों को लेकर मिमिक्री होना आम बात है। यह बरसों-बरस से हो रही है, बल्कि तमाम हस्तियां इसे एंज्वाय भी करती हैं। जैसे शाहरुख खान की हकलाने वाली मिमिक्री पर वह बुरा नहीं मानते या फिर नाना पाटेकर की खब्ती भरी गुस्से वाली मिमिक्री पर वह खूब हंसते हैं, लेकिन बात इससे कहीं ज्यादा बढ़ गई है। डीपफेक से अब उनकी इमेज को खराब करने की कोशिश की जा रही है। हूबहू उनकी ही शक्ल बनाकर ऊल-जलूल हरकतें या बातें कहलाई जा रही हैं। उनके चेहरे और आवाज का इस्तेमाल फर्जी विज्ञापनों में किया जा रहा है। इसकी वजह से यह सभी हस्तियां चिंता में हैं। कई मशहूर सेलिब्रिटी- अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले आदि पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर अदालत पहुंचे हैं।

पर्सनाल्टी राइट्स को लेकर परेशान सेलिब्रिटी

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

■ भारत में एक नया कानूनी युद्ध शुरू हो चुका है, जो न सीमाओं पर है, न संसद में, बल्कि अदालतों और सोशल मीडिया के बीच लड़ा जा रहा है। यह लड़ाई है "व्यक्तित्व अधिकारों" यानी पर्सनाल्टी राइट्स की। हाल ही में देश के कई मशहूर हस्तियों, अमिताभ बच्चन, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, अनिल कपूर, आशा भोसले सद्गुरु और श्री श्री रविशंकर ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और किसी व्यक्ति ने इनको मजबूर नहीं किया है, बल्कि एआई ने आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस ने इन लोगों के चेहरे आवाज और हाव भाव की इतनी अच्छी नकल कर के दिखाई है कि एक सामान्य नागरिक को भी असली और नकली का अंतर नहीं मालूम पड़ सकता और इसी बात ने इन्हें मजबूर किया है।

■ एआई के आने बाद प्रश्न खड़े हो रहे है कि क्या अब किसी व्यक्ति का नाम, चेहरा और आवाज भी उसकी संपत्ति मानी जाएगी, जिसे वह चाहे तो बेच सके, लाइसेंस दे सके या उसके उपयोग से रॉयल्टी कमा सके?

भारतीय न्यायालयों में यह विवाद

अब यही विवाद भारतीय न्यायालयों तक पहुंच गया है। कानूनी दृष्टि से भारतीय अदालतें अब तक इन मामलों में अनुच्छेद 21 यानी जीवन और निजता के अधिकार का सहारा लेती रही हैं। परंतु यहां एक गहरी दुविधा है। क्या यह अधिकार "निजता" का है या "संपत्ति" का? अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने इसे संपत्ति के अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। वहां मर्लिन मुनरो और एलवीश प्रेसले जैसे कलाकारों की मृत्यु के बाद भी उनकी पहचान से जुड़े अधिकार उनके परिवार या ट्रस्ट को मिलते हैं, जबकि भारत में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उदाहरण के तौर पर, सुशांत सिंह राजपूत के पिता ने उनके जीवन पर आधारित एक फिल्म रोकने की कोशिश की थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि "व्यक्तिगत पहचान मृत्यु के बाद स्वतः परिवार को ट्रांसफर नहीं होती।" यानी भारत में व्यक्तित्व अधिकार अभी विरासत योग्य नहीं हैं। हर बार जब कोई नया डीपफेक या बिना अनुमति विज्ञापन सामने आता है, तो अदालतों को "John Doe Orders" जारी करने पड़ते हैं। ऐसे आदेश, जो "अज्ञात व्यक्तियों" के खिलाफ होते हैं, लेकिन यह समाधान अस्थायी है। यह केवल तत्काल राहत देता है, न कि स्थायी कानूनी सुरक्षा। कई बार ये आदेश इतने व्यापक होते हैं कि वैध आलोचना, व्यंग्य और पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगने लगता है। परिणामस्वरूप, यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक नकारात्मक प्रभाव डाल देता है।

■ सच्चाई यह है कि भारत में अब तक एआई और डीपफेक के लिए कोई ठोस कानून नहीं बना है। अदालतें केस-दर-केस फैसले दे सकती हैं, पर संपूर्ण नीति नहीं बना सकतीं। इसलिए अब समय आ गया है कि संसद इस विषय पर एक स्पष्ट और संतुलित Personality Rights Law बनाए, जो व्यक्ति की पहचान की रक्षा करे, लेकिन साथ ही कला, व्यंग्य, पत्रकारिता और जनहित की स्वतंत्रता को भी सुरक्षित रखे।

निजता के अधिकार का उल्लंघन

■ दरअसल अब यह बहस सिर्फ गोपनीयता तक सीमित नहीं रही। मामला यह है कि किसी की पहचान- जैसे चेहरा, आवाज या नाम का बिना अनुमति इस्तेमाल अगर किसी के आर्थिक लाभ के लिए किया जाता है, तो यह संपत्ति के अधिकार का उल्लंघन बन जाता है। अगर इसका इस्तेमाल किसी की बदनामी या अपमान के लिए किया जाए, तो यह निजता के अधिकार का उल्लंघन कहलाएगा। यानी Privacy Violation और Property Violation दोनों में बारीक, लेकिन बहुत अहम फर्क है। सोचिए, आपके मोहल्ले की नाई की दुकान के बाहर अमिताभ बच्चन की तस्वीर लगी हो और नीचे लिखा हो- "Amitabh Style Haircut Available Here!" या कोई आइसक्रीम बेचने वाला जैकी श्रॉफ का डायलॉग बोलता दिखे-"भिडू, सबसे झकास फ्लेवर यही मिलेगा।" तो यह भले ही मजाक लगे, लेकिन कानून की नजर में यह Personality Rights Violation है। क्योंकि इन छवियों या वाक्यों का इस्तेमाल बिना अनुमति किया गया है।

■ पहले यह सब इतना गंभीर नहीं माना जाता था। स्टेज शो में कलाकार, फिल्मी अभिनेताओं की नकल करते, आवाजें निकालते और मनोरंजन करते थे। परंतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक टेक्नोलॉजी के आने के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। आज कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में किसी भी सेलिब्रिटी की आवाज और चेहरा हूबहू बना सकता है। इतने सटीक वीडियो बनाए जा रहे हैं कि आम दर्शक के लिए असली और नकली में फर्क करना लगभग असंभव हो गया है।

यही कारण है कि अब अदालतों में एक नई किस्म की याचिकाएं बढ़ने लगी हैं। जैकी श्राफ कह रहे हैं- "भिड़ू" शब्द उनकी पहचान है, अनिल कपूर "झकास" पर अपना अधिकार बता रहे हैं, संजय दत्त "बाबा" शब्द पर दावा कर रहे हैं, तो कोई अपनी तस्वीर या वीडियो के गलत इस्तेमाल से परेशान है। आशा भोसले जैसी दिग्गज गायिका भी कह चुकी हैं कि लोग बिना अनुमति उनके गीतों पर उनकी तस्वीर चिपकाकर वीडियो बना देते हैं। यहां तक की श्री श्री रविशंकर और सद्गुरु भी कोर्ट से गुहार लगा रहे है कि उनके आध्यात्मिक प्रवचनों का प्रयोग उनकी एआई फोटो और आवाज के साथ किया जा रहा है और जो बात हम लोगों ने कहा भी नहीं है वो भी जनता को बताई जा रही है, जो हमारा ही नहीं संस्कृति और अध्यात्म का भी गलत प्रस्तुतिकरण है, जो हमारे धर्म को ही नष्ट कर देगा।

मॉडल आफ द वीक

नाम: स्वाति यादव
टाउन: कानपुर
एजूकेशन: बी कॉम
अचीवमेंट: इंडियन नेशनल अवार्ड 2020
ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जोकर के खौफ की कहानी 'इट'

स्टीफन किंग के हॉरर उपन्यास 'इट' ने पाठकों और दर्शकों के मन में ऐसा भय पैदा किया, जो दशकों बाद भी कम नहीं हुआ। इस उपन्यास का मुख्य खलनायक 'पेनीवाइज' हॉरर दुनिया का सबसे डरावना चेहरा बन चुका है। हालांकि 'पेनीवाइज' पूरी तरह काल्पनिक पात्र है, लेकिन इसकी जड़ें उन वास्तविक अपराधों और सामाजिक भय से जुड़ी दिखाई देती हैं, जिन्होंने अमेरिका को हिला दिया था।

ऐसे बनी 'इट' की पृष्ठभूमि

स्टीफन किंग ने कभी सीधा यह स्वीकार नहीं किया कि 'पेनीवाइज' किसी असल व्यक्ति पर आधारित है, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि वे बच्चों के "सबसे गहरे और अनकहे डर" को कहानी में रूप देना चाहते थे। 1980 के दशक में अमेरिका में बच्चों के अपहरण और हत्या की घटनाओं में वृद्धि ने माता-पिता और समाज दोनों के मन में असुरक्षा की भावना भर दी थी। यही सामाजिक भय 'इट' की पृष्ठभूमि बना।

किंग का मानना था कि बच्चों की दुनिया में जोकर एक ऐसा चरित्र है, जिसके चेहरे पर मुस्कान होती है, पर असल भावनाएं छिपी रहती हैं। यह विरोधाभास ही डर पैदा करता है। इसी आधार पर जन्म हुआ पेनीवाइज जैसा राक्षसी जोकर, जो मासूमियत का मुखौटा पहने भय का खेल खेलता है।

एक मनोवैज्ञानिक सच

जोकरों से डर को 'कूलरोफोबिया' कहा जाता है। चमकीला मेकअप, अतिरंजित मुस्कान और छिपा हुआ चेहरा लोगों के लिए जोकर का असली स्वभाव समझना मुश्किल हो जाता है। यही अनिश्चितता डर की वजह बनती है।

'पेनीवाइज' इसी मनोवैज्ञानिक कमजोरी का फायदा उठाता है और बच्चों को उनके ही डर में फंसाता है।

जॉन वेन गेसी: वास्तविक दुनिया का 'किलर क्लाउन'

'पेनीवाइज' की कल्पना भले ही काल्पनिक हो, पर 'किलर क्लाउन' की वास्तविक कहानी जॉन वेन गेसी से मिलती-जुलती है। गेसी पार्टियों में 'पोगो द क्लाउन' बनकर बच्चों का मनोरंजन करता था, लेकिन बाद में वह 33 किशोरों और युवाओं का कुख्यात हत्यारा निकला। उसके अपराध उजागर होने के बाद समाज में जोकरों को लेकर नया भय पैदा हुआ, जिसने हॉरर कहानियों को एक नया आयाम दिया।

पेनीवाइज : रूप बदलने वाला आतंक

'पेनीवाइज' असल में इंटरडाइमेंशनल ईविल एंटिटी "इट" का रूप है, जो बच्चों के डर को खाना अपनी ताकत मानता है। यह हर 27 साल में लौटकर बच्चों को उनके सबसे बड़े भय से रूबरू कराता है। यही वजह है कि यह पात्र केवल एक जोकर नहीं, बल्कि डर का प्रतीक बन चुका है।

जिंदगी का सफर

सुबह सी नूतन

नूतन अपने दौर की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। उनका चेहरा इतना सौम्य था कि देखने पर हमेशा उस पर सुबह सी ताजगी नजर आती थी। उन्होंने अपनी सादगी, सशक्त अभिनय और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। नूतन समर्थ का जन्म चार जून 1936 को बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। वह एक फिल्मी पृष्ठभूमि वाले परिवार से थीं। उनके पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म निर्देशक और कवि थे। उनकी मां शोभना समर्थ एक प्रसिद्ध अभिनेत्री थीं। अभिनेत्री तनुजा उनकी छोटी बहन हैं और लोकप्रिय अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

नूतन ने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1950 में की थी। तब वह स्कूल की छात्रा थीं। बतौर बाल कलाकार फिल्म 'नल दमयंती' में उन्होंने काम किया था। इसी साल नूतन ने अपनी मां द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म 'हमारी बेटी' (1950) में भी अभिनय किया। 1951 में 'मिस इंडिया' का खिताब जीतने के बाद, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। उन्हें फिल्म 'सीमा' (1955) से बड़ी सफलता मिली, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला फिल्मफेयर पुरस्कार मिला।

नूतन को महिला केंद्रित भूमिकाओं को पर्दे पर उतारने के लिए जाना जाता है, जो उस समय काफी दुर्लभ था। उनकी अभिनय शैली सहज और यथार्थवादी थी। उनकी कुछ सबसे यादगार फिल्मों में शामिल हैं, 'सीमा' (1955), 'सुजाता' (1959), 'बंदिनी' (1963)। इस फिल्म में एक जेल कैदी की भूमिका को उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक माना जाता है। जिस वक्त उन्होंने यह फिल्म की, वह गर्भवती थीं। इसके अलावा 'मिलन' (1967), 'सरस्वतीचंद्र' (1968), 'मैं तुलसी तेरे आंगन की' (1978) और 'मेरी जंग' (1985) जैसी फिल्में शामिल हैं। नूतन ने अपने करियर में कुल छह फिल्मफेयर पुरस्कार जीते, जिनमें से पांच सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए थे। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए सबसे अधिक फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने का उनका रिकॉर्ड कई दशकों तक कायम रहा। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें 1974 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया था।

11 अक्टूबर 1959 को नूतन ने भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर रजनीश बहल से शादी की। उनका एक बेटा है, अभिनेता मोहनीश बहल। नूतन का 21 फरवरी 1991 को कैंसर के कारण 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान और बेहतरीन अभिनय को आज भी याद किया जाता है।

टाटा केमिकल्स का मुनाफा सितंबर तिमाही में 60.30% घटा

मुंबई। टाटा केमिकल्स ने शनिवार को बताया कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 60% से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले उसका शुद्ध लाभ 194 करोड़ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3 .05% घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि गत वित्त वर्ष इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं।

अमृत विचार

कानपुर, रविवार, 2 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

शैडोफैक्स ने सेबी में दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज दाखिल किए हैं। अद्यतन दस्तावेजों के मसौदे (यूडीआरएचपी) के अनुसार, आईपीओ में 1,000 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 1,000 करोड़ की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जाएगी। ओएफएस के तहत फ्लिपकार्ट इंटरनेट, एट रोड्स इन्वेस्टमेंट्स, न्यूक्वेस्ट एशिया फंड, नोकिया ग्रोथ पार्टनर्स, आईएफसी, मिरे एसेट, क्वालकॉम एशिया पैसिफिक, और स्नैपडील के संस्थापक कुनाल बहल व रोहित बंसल अपने कुछ शेयर बेचेंगे। फ्लिपकार्ट, टीपीजी, एट रोड्स वेंचर्स, मिराए एसेट वेंचर्स और नोकिया ग्रोथ फंड्स शैडोफैक्स के प्रमुख निवेशक हैं।

अक्टूबर में बिजली की खपत 6% घटी

नई दिल्ली। देश में बिजली की खपत अक्टूबर में 6% घटकर 132 अरब यूनिट रह गई, जो पिछले साल इसी महीने 140 .47 अरब यूनिट थी। इसकी मुख्य वजह शीतलन उपकरणों का कम इस्तेमाल है। अक्टूबर में देश के कई हिस्सों में बारिश भी हुई। विशेषज्ञों के अनुसार बिजली की खपत में गिरावट का कारण देश के कुछ हिस्सों में इस महीने हुई बेमौसम बारिश और सर्दियों के मौसम की शुरुआत है। इस वजह से तापमान नियंत्रण में रहा। अक्टूबर में यह 210 .71 गीगावाट रही ।

पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सबसे अधिक

कराची। पाकिस्तान का कपड़ा निर्यात सितंबर में तीन साल के उच्चतम स्तर 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कपड़ा निर्यात को मूल्यवर्धित श्रेणियों की मजबूत मांग और नए वैश्विक ऑर्डरों से मजबूती मिली। बुने हुए परिधानों का निर्यात 48 .5 करोड़ डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पाकिस्तान के मूल्य-वर्धित क्षेत्र की मजबूती को रेखांकित करता है।

जीएसटी संग्रह हुआ 1.96 लाख करोड़

अक्टूबर का आंकड़ा त्योहारी सत्र की बिक्री व दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद त्योहारी खरीदारी के कारण अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक की सबसे धीमी दर है।

रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल सहित 375 वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नयी दरें 22 सितंबर से प्रभावी हुईं थीं। यह नवरात्रि का पहला दिन था और यह समय नए सामान खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी सत्र की बिक्री और दबी हुई मांग के प्रभाव को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में दिवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की थी। इसके बाद उपभोक्ताओं ने जीएसटी दरों में कटौती का इंतजार करते हुए अपनी खरीदारी का फैसला टाल दिया था।

● अगस्त-सितंबर में कर संग्रह क्रमश : 1.86 लाख करोड़ और 1.89 लाख करोड़ से थोड़ा कम

शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रहा, जो अक्टूबर 2024 के 1.87 लाख करोड़ रुपये के संग्रह से 4.6% अधिक है। इस साल अगस्त और सितंबर में कर संग्रह क्रमशः 1.86 लाख करोड़ रुपये और 1.89 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम रहा। हालांकि अक्टूबर में जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत की वृद्धि पिछले महीनों में देखी गई लगभग नौ प्रतिशत की औसत वृद्धि से कम है। सकल घरेलू राजस्व, जो स्थानीय बिक्री का एक संकेतक है, अक्टूबर में दो प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया। आयात कर लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 50,884 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड भी सालाना आधार पर 39.6 प्रतिशत बढ़कर 26,934 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद अक्टूबर 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.2% अधिक है।

बढ़ रही है लगातार मांग : जैन

प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर प्रतीक जैन ने कहा कि 22 सितंबर से प्रभावी दरों में भारी कटौती के बावजूद घरेलू जीएसटी संग्रह में मामूली वृद्धि दर्शाती है कि मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी रिफंड (घरेलू और निर्यात दोनों) में लगातार वृद्धि से कर प्रशासन के इस भरोसे का पता चलता है कि भविष्य में भी जीएसटी संग्रह सकारात्मक रहेगा।

आंकड़े दर्शाते है अर्थव्यवस्था की मजबूती

ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी संग्रह बढ़ने की धीमी गति मुख्य रूप से दरों को युक्तिसंगत बनाने और त्योहारी सत्र से पहले उपभोक्ता खर्च में देरी के कारण थी। डेलॉयट इंडिया के पार्टनर और अप्रत्यक्ष कर प्रमुख महेश जयसिंह ने कहा कि जीएसटी संग्रह के आंकड़े त्योहारी उत्साह और बेहतर अनुपालन के बीच अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाते हैं।

मालवाहक गलियारे का रेल परिचालन 48% बढ़ा : रेलवे बोर्ड सीईओ

नई दिल्ली। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में मालगाड़ियों के परिचालन में 48% की वृद्धि दर्ज की। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और चेयरमैन सतीश कुमार ने भारत मंडपम में डीएफसीसीआईएल के 20वें स्थापना दिवस में यह बात कही।

डीएफसीसीआईएल 2,750 किमी लंबे पूर्वी और पश्चिमी गलियारों का प्रबंधन करती है। निगम ने बताया कि गत वित्त वर्ष में उसने प्रतिदिन औसतन 381 से अधिक मालगाड़ियों का परिचालन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भारत की लॉजिस्टिक लागत 24 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है और निगम के परिवर्तनकारी प्रभाव ने लॉजिस्टिक लागत को सकल घरेलू उत्पाद के 14 प्रतिशत से घटाकर लगभग 8-9 प्रतिशत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईएसी-पीएम के चेयरमैन बोले- चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन महेंद्र देव ने कहा कि भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, लेकिन कई राज्यों में परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए चौथे रोहिणी नैयर पुरस्कार समारोह में देव ने कहा कि चीन और अमेरिका में विकेंद्रीकरण का स्तर कहीं अधिक है। भारत को और अधिक विकेंद्रीकरण की जरूरत है, जिसमें पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक शक्तियां देना, साथ ही ग्रामीण मजदूरी में सुधार के लिए कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग शामिल होना चाहिए... कई राज्यों में स्थानीय परिषदों को शक्तियां सौंपने का विरोध हो रहा है।

देव ने कहा कि पंचायतों के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के कार्यान्वयन से न केवल मजदूरी में सुधार हुआ, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने पुणे की सामाजिक उद्यमी विद्या परशुरामकर को पोषण को अधिक सुलभ, टिकाऊ और समुदाय-संचालित बनाने में उनके योगदान के लिए रोहिणी नैयर पुरस्कार प्रदान किया। परशुरामकर एग्रोजी ऑर्गेनिक्स और इसकी प्रमुख पहल 'मिलेट्स नाउ' का नेतृत्व करती हैं।

चावल, गेहूं, दालें, चीनी नरम खाद्य तेलों में उतार चढ़ाव

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव गिर गया। गेहूं, दालों और चीनी के भाव भी टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 33 रुपये घटकर 3,826 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं चार रुपये कमजोर हुआ और 2,859.91 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत 3,318.60 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रही। खाद्य तेलों में मूंगफली तेल की कीमत 221 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गई। वनस्पति में सात रुपये और सूरजमुखी तेल में 35 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सरसों तेल 35 रुपये और सोया तेल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ।

● चावल की कीमत 33 रुपये घटी गेहूं चार रुपये हुआ कमजोर

पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त में रहा। दाल-दलहनों में नरमी रही। चना दाल 38 और तुअर दाल 85 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 45 और मूंग दाल 42 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 68 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी दर्ज की गयी। गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 14 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। हालांकि चीनी तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

कोल इंडिया के उत्पादन में 9.8% की आई गिरावट

कोलकाता। देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8% की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया।

कंपनी की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन-सह-प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

त्योहारी सीजन व जीएसटी में राहत से यात्री वाहनों की बंपर बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स व किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

त्योहारी सीजन और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में राहत से अक्टूबर में देश में यात्री वाहनों की बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई और मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स तथा किआ इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया।

देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री 1,80,675 इकाई पर पहुंच गई। यह मासिक बिक्री का कंपनी का नया रिकॉर्ड है। वहीं, निर्यात 31,304 इकाई और मारुति के डीलर नेटवर्क से दूसरे विनिर्माता के वाहनों की 8,915 इकाई रही। उसने अक्टूबर में 85,210 कारें, 77,571 उपयोगी वाहन और 13,537 वैन बेचे। महिंद्रा ऑटो के उपयोगी वाहनों की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 31% बढ़कर 71,624 इकाई हो गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 44,503 इकाई पर पहुंच गयी। निर्यात का आंकड़ा 15 फीसदी की वृद्धि के साथ 4,015 पर रहा। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड ने अक्टूबर में घरेलू बाजार में 53,792 वाहन बेचे। उसका निर्यात सालाना आधार पर 11% बढ़कर 16,102 इकाई पर पहुंच गया। कुल बिक्री 69,894 इकाई रही। उसके क्रेटा और वेन्यू मॉडलों की संयुक्त बिक्री 30,119 इकाई रही जो दूसरी सबसे बड़ी मासिक बिक्री है। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 27% बढ़कर 61,295 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार में बिक्री 61,134 इकाई दर्ज की गई। दूसरे महीने उसने रिकॉर्ड बिक्री की। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 73% बढ़कर उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवरात्र और दिवाली के बीच कंपनी ने एक लाख से अधिक वाहनों की डिलीवरी की जो पिछले साल के मुकाबले 33% की वृद्धि दर्शाता है। टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 10% बढ़कर 37,530 इकाई पर पहुंच गई। घरेलू बिक्री में सात प्रतिशत और निर्यात में 56% की सालाना वृद्धि रही। घरेलू बिक्री 35,108 इकाई और निर्यात 2,422 इकाई रही। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की बिक्री 39% बढ़कर 42,892 इकाई रही।

स्कोडा-निशान ने भी की सर्वाधिक बिक्री

स्कोडा इंडिया की बिक्री 8,252 इकाई रही जो उसकी सबसे अधिक मासिक बिक्री है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ी भूमिका स्कोडा इंडिया की पहली सब-4 मीटर एसयूवी 'काइलैक' की रही, जिसकी बिक्री बढ़ रही है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि इस साल सितंबर की तुलना में अक्टूबर में उसकी बिक्री 45 प्रतिशत बढ़कर 2,402 इकाई पर पहुंच गयी।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव विकास बनाम जंगलराज

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने गोपालगंज और समस्तीपुर की रैलियों को वर्चुअल किया संबोधित

पटना/गोपालगंज/समस्तीपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव राज्य की जनता के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले विपक्ष के 'जंगलराज' को वापस लाने के बीच का चुनाव है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह बात गोपालगंज और समस्तीपुर जिलों में आयोजित रैलियों को वर्चुअल रूप से संबोधित करते हुए कही। खराब मौसम से वह इन स्थानों पर नहीं पहुंच सके।

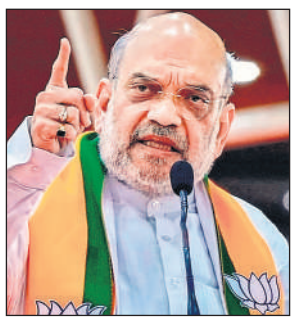

राजद प्रमुख लालू प्रसाद के गृह जिले गोपालगंज का उल्लेख करते हुए शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के भाई और पूर्व विधायक साधू यादव के अत्याचारों का जिक्र किया और लोगों को चेताया कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तो फिर से जंगलराज लौट आएगा। यह चुनाव ये तय करने का अवसर है कि बिहार का भविष्य किसे सौंपना चाहिए। एक ओर वे लोग हैं जिन्होंने राज्य में जंगलराज लाया था और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी है, जिन्होंने विकास का रास्ता दिखाया है।

उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि वे इस परंपरा को बनाए रखेंगे... गोपालगंज के लोगों से बेहतर कोई साधू यादव को नहीं जानता। साधू यादव, जो गोपालगंज से विधायक और सांसद दोनों रह चुके हैं। शाह ने उन घटनाओं का उल्लेख किया जिनमें यादव का नाम सामने आया था, जैसे 1999 में राबड़ी देवी की बड़ी बेटी मीसा भारती की शादी के दौरान शो-रूम से जबरन कारें उठवा लेने का मामला, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया था। 90 के दशक के शिल्पी गौतम हत्याकांड में भी यादव का नाम आया था। हाल में यह मामला तब सुर्खियों में आया जब जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी (जो उस वक्त राजद में थे) पर इस मामले में संलिप्तता का आरोप लगाया।

समस्तीपुर में शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा निकालकर घुसपैठियों को बचाने की कोशिश की थी। राहुल जितनी यात्राएं निकाल लें, हर घुसपैठिए को देश से बाहर किया जाएगा।

बिहार में नहीं है डबल इंजन सरकार, सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित होता है : प्रियंका गांधी

बेगूसराय। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शनिवार को बिहार में बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार नहीं है, क्योंकि सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। बेगूसराय में पहली चुनावी सभा में प्रियंका ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य, दोनों जगह राजग की सरकारें विभाजनकारी राजनीति और झूठे राष्ट्रवाद का सहारा लेकर लोगों का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मतदान का अधिकार भारतीय संविधान का सबसे बड़ा वरदान है, लेकिन राजग सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों के वोट का अधिकार कमजोर कर दिया, जिसमें 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। बिहार में कोई डबल इंजन सरकार नहीं है, बल्कि एक ही इंजन है... सब कुछ दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। न तो आपकी सुनी जाती है और न ही आपके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सम्मान होता है। प्रियंका ने मतदाता सूची की समीक्षा प्रक्रिया को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाताओं के नाम हटाना लोगों के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पहले उन्होंने लोगों को बांटा, फिर लड़ाई करवाई, लेकिन जब जनता का ध्यान असली मुद्दों से नहीं हटा सके, तो अब वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देना जंगलराज का सबूत : नड्डा

पटना/सीवान। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अगर सत्ता में आया तो वह बिहार में एक बार फिर जंगलराज लेकर आएगा। राजद द्वारा दिवंगत बाहुबली नेता मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे को उम्मीदवार बनाना इसका स्पष्ट संकेत है। खराब मौसम से सीवान नहीं पहुंच पाने पर नड्डा ने वर्चुअल सभा को संबोधित किया। राजद शासनकाल में बिहार ने जंगलराज देखा था। उस समय राज्य में अराजकता फैली हुई थी। कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और अपहरण एक उद्योग बन गया था, जिसका सौदा तत्कालीन मुख्यमंत्री के आवास पर तय होता था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सीवान ने शहाबुद्दीन का आतंक झेला है और अब राजद ने विधानसभा चुनाव में उसके बेटे को टिकट देकर एक बार फिर वही भयावह दौर लौटाने का संकेत दिया है। लालू प्रसाद की पार्टी बिहार में जंगलराज वापस लाना चाहती है। राजद ने सीवान की रघुनाथपुर सीट से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को उम्मीदवार बनाया है।

अलीनगर में राजनीतिक अनुभव की कमी को दूर करेंगी मैथिली ठाकुर

अलीनगर (दरभंगा)। एक दशक पहले जब बिहार की किशोरी ने मधुर आवाज़ से संगीत जगत में पहचान बनानी शुरू की थी, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि वही संकोची लड़की राजनीति में उतर जाएगी। अब बिहार चुनाव के सबसे चर्चित उम्मीदवारों में शामिल 25 वर्षीय मैथिली ठाकुर ने कहा कि मैं अलीनगर में घर बनाना चाहती हूं और इसे ही स्थायी ठिकाना बनाऊंगी। मेरे ननिहाल की जड़ें यहीं हैं। मैं कहीं और नहीं रहना चाहती। दरभंगा जिले के अलीनगर विस क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर को बाहरी होने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। वह मैथिली भाषा में निपुण हैं और उनकी पारिवारिक जड़ें मधुबनी में हैं। वह अपने माता-पिता और भाइयों के साथ दिल्ली में रह रही थीं। ठाकुर ने 14 अक्टूबर को भाजपा की सदस्यता ली, लेकिन इसके पहले से ही उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज थीं। पांच अक्टूबर को, जब चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय के साथ उनकी तस्वीर वायरल हुई, तय ये माना जा रहा था कि वह चुनाव में उतरेंगी।

कन्नड़ की उपेक्षा कर हिंदी थोप रही केंद्र सरकार : सिद्धरमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को केंद्र सरकार पर कन्नड़ भाषा की उपेक्षा और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से कन्नड़-विरोधी ताकतों का विरोध करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव दिवस) पर कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य केंद्र को 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे उसका उचित हिस्सा नहीं मिलता और बदले में मामूली राशि दी जाती है। कन्नड़ भाषा के साथ अन्याय होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयास हो रहे हैं। हिंदी-संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिए जाते हैं, जबकि देश की अन्य भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को राज्य के विकास के लिए आवश्यक धन से वंचित किया जा रहा है। कन्नड़ जैसी शास्त्रीय भाषा के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं दी जा रही, जिससे उसके साथ अन्याय हो रहा है। हमें उन सभी का विरोध करना चाहिए जो कन्नड़-विरोधी हैं।

भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाले आदेश पारित नहीं करना चाहते : सुप्रीम कोर्ट

बाल संरक्षण विवाद

दुर्लभ मामले में पॉक्सो की कार्यवाही हुई निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल कर उस व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो की कार्यवाही निरस्त कर दी है, जिसने नाबालिग लड़की के साथ यौन संबंध बनाए और बाद में उससे शादी कर ली थी। न्यायालय ने कहा कि यह अपराध वासना का नहीं, बल्कि प्रेम का परिणाम था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एजी मसीह की पीठ ने कहा कि पीड़िता (अब पत्नी) ने कहा है कि उसकी शादी उस व्यक्ति (दोषी) से हुई थी और उन दोनों का एक साल का बेटा भी है। वे अब खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लड़की के पिता भी चाहते हैं कि उनकी बेटी के पति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही समाप्त हो। पीठ ने कहा कि अपराध एक व्यक्ति के विरुद्ध नहीं, बल्कि समग्र समाज के विरुद्ध है।

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह रूसी महिला का अपने भारतीय पति के साथ बच्चे को संरक्षण को लेकर जारी विवाद में ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहता, जिससे भारत-रूस संबंधों को नुकसान पहुंचे। न्यायालय ने रूसी महिला का पता लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। रूसी महिला जारी विवाद के बीच बच्चे को लेकर मॉस्को चली गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत व जे बागची की पीठ ने समुचित समन्वय की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने रेखांकित किया कि इस मुद्दे का समाधान ढूंढने और बच्चे को सुप्रीम कोर्ट की अभिरक्षा में वापस लाने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए), मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के सामने एक कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो गई है। विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में बताया गया कि दूतावास ने पारस्परिक और सौहार्द के सिद्धांतों के आधार पर सहायता और सहयोग के लिए पहले ही अभियोजक जनरल के कार्यालय से संपर्क किया था और पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत नए अनुरोध 17 अक्टूबर को मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से रूस के अभियोजक जनरल के कार्यालय को भेजे गये थे।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि विदेश मंत्रालय नेपाल के साथ एमएलएटी के माध्यम से नेपाली नागरिकों समेत अन्य संलिप्त व्यक्तियों की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय कर रहा है। पीठ ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने रूसी अधिकारियों को नोटिस भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बच्चे की मां रूसी नागरिक है, जो 2019 से भारत में रह रही है।

साहित्यकार रामदरश मिश्र के अंतिम संस्कार में उमड़े लेखक व प्रकाशक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का शनिवार को मंगलापुरी श्मशानघाट पर अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, लेखक व प्रकाशक शामिल हुए। प्रसिद्ध कवि और आलोचक ओम निश्चल ने बताया कि मिश्र का निधन शुक्रवार को उनके द्वारका स्थित आवास पर हुआ। वह 101 वर्ष के थे। डॉ मिश्र 99 साल में घर पर गिरने से चोटिल हो गए थे।

मिश्र के अंतिम संस्कार में प्रोफेसर नित्यानंद तिवारी, कथाकार भगवान दास मोरवाल, आलोचक जसवीर त्यागी, कवि ओम निश्चल, डॉ. प्रकाश मनु, श्रीहरि शंकर राही, उपेंद्र मिश्र, डॉ.वेदमित्र शुक्ल, भारतीय शिक्षा बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. सोनी पांडे, मशहूर नाटककार प्रताप सहगल, डॉ. पवन माथुर, लक्ष्मीशंकर वाजपेयी पूर्व महानिदेशक आकाशवाणी, डॉ. रेनू यादव, मशहूर ग़ज़लकार नरेश शांडिल्य, केंद्रीय हिंदी संस्थान के पूर्व निदेशक अनिल जोशी, साहित्य अकादमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन के अशोक शर्मा आदि शामिल हुए।

रांची से स्वच्छता और एकता का संदेश

रांची, अमृत विचारः केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची द्वारा जेएन कॉलेज, धुर्वा में राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह और विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी और सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी रहा।

कार्यक्रम में शाहिद रहमान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंड भारत की भावना पर बल दिया। रेल मंडल की वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह ने सतर्कता शपथ दिलाई और रेलवे की स्वच्छता पहलों 'रेल मदद' ऐप, सीसीटीवी निगरानी और वेस्ट टू आर्ट जैसी परियोजनाओं की जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक शुचि सिंह, सीसीएल रणधीर सिंह, सहायक आयुक्त अमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता चम्पा तिग्गा, सीआईएसएफ के अरविंद पाठक, बॉटनी विभागाध्यक्ष सत्यनारायण उरांव ने सभी को संबोधित किया। जया नलिनी एक्का ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ. शमशुन नेहार सहित विद्यार्थी, शिक्षक और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता में कंचन प्रिया, रूपा कुमारी, राज स्मिता सिन्हा, हेरम्बी होरो और दीप्ति मिंज ने क्रमशः प्रथम से पंचम स्थान पाया।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिकी रिफाइनरी में विस्फोट से फैला धुआं

आर्टेसिया। न्यू मेक्सिको में एक तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट के बाद संयंत्र से घना धुआं निकला जो आर्टेसिया शहर के कई हिस्सों में फैल गया। नवाजो रिफाइनरी के संचालक एच एफ सिंक्लेयर ने बताया कि आग बुझा दी गई है और तीन लोगों को चिकित्सा के लिए घटनास्थल से बाहर ले जाया गया है। किसी और के घायल होने की सूचना नहीं है। एच एफ सिंक्लेयर के प्रवक्ता कोरिन स्मिथ ने बताया कि रिफाइनरी और आस-पास के इलाके में वायु गुणवत्ता की समीक्षा से पता चलता है कि इससे लोगों को कोई खतरा नहीं है।

काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को एक निजी एयरलाइन के विमान को तकनीकी खराबी आने के कारण आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में 82 लोग सवार थे। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। काठमांडू जाने वाली श्री एयरलाइंस की उड़ान संख्या 222 ने सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी से सुबह लगभग 10 बजे उड़ान भरी थी। विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी आने पर उसे भैरहवा ले जाया गया, जहां गौतम बुद्ध हवाई अड्डे पर उतारा गया।

श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने मांगी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका के विपक्षी सांसदों ने देश के पुलिस प्रमुख से विभिन्न निर्वाचित निकायों में जनता के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किया है। विपक्षी सांसदों ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पुलिस प्रमुख प्रियंता वीरासूर्या को सदन में बुलाएं। मुख्य विपक्षी दल एसजेबी के सांसद रंजीत मद्दुमा बंडारा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। वीरासूर्या ने सांसदों से कहा कि व्यक्तिगत सुरक्षा हटाने का फैसला सरकार का एक राजनीतिक फैसला है।

चीन ने अंटार्कटिका में भेजा अपना दल

बीजिंग। चीन ने अंटार्कटिका में ड्रिलिंग संबंधी प्रयोग करने के मिशन के तहत अपने 42वें दल को सबसे ठंडे महाद्वीप के लिए रवाना किया ताकि इसकी विकास प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों का पता लगाया जा सके। चीन अंटार्कटिका में समय-समय पर अपने दल भेजता रहा है। संसाधन-संपन्न महाद्वीप में अन्वेषण करने के लिए उसके पांच अनुसंधान केंद्र हैं लेकिन यह पहली बार होगा जब उसका दल महाद्वीप के तल में ड्रिलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा।

भारत से आज सबसे भारी संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा इसरो

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

- एलवीएम3-एम5 के जरिए प्रक्षेपित करने की तैयारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का 4,000 किलोग्राम से अधिक वजनी संचार उपग्रह सीएमएस-03 रविवार को इस अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि लगभग 4,410 किलोग्राम वजन वाला यह उपग्रह भारत की धरती से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में प्रक्षेपित किया जाने वाला सबसे भारी उपग्रह होगा। यह उपग्रह एलवीएम3-एम5 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसे इसकी भारी भारोत्तोलन क्षमता के लिए 'बाहुबली' नाम दिया गया है। बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को बताया कि प्रक्षेपण यान को पूरी तरह से तैयार कर लिया गया है और अंतरिक्ष यान के साथ एकीकृत कर दिया गया है तथा इसे प्रक्षेपण-पूर्व कार्यों के लिए यहां दूसरे प्रक्षेपण स्थल पर ले जाया गया है। इसरो ने बताया कि 4,000 किलोग्राम तक भारी पेलोड ले जाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से जाना जाने वाला 43.5 मीटर लंबा यह यान दो नवंबर यानी रविवार को शाम पांच बजकर 26 मिनट पर प्रक्षेपित होगा। उसने बताया कि एलवीएम3 (प्रक्षेपण यान मार्क-3) इसरो का भारी वजन वहन करने वाला प्रक्षेपण यान है।

इंटरनेट ब्राउजिंग का नया दौर लेकिन खतरे भी बढ़े

चैटजीपीटी एटलस

ओपनएआई ने हाल ही में चैटजीपीटी एटलस नामक एक नए ब्राउज़र को लॉन्च किया है, जो एआई तकनीक पर आधारित है और इंटरनेट ब्राउज़िंग के तरीके को बदलने का वादा करता है। चैटजीपीटी एटलस एक पूर्ण-विशेषता वाला वेब ब्राउज़र है जिसमें चैटजीपीटी असिस्टेंट बनाया गया है, जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने, प्रश्नों का उत्तर देने और कार्यों को स्वचालित करने में मदद करता है।

एटलस को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह उपयोगकर्ता के साथ हर वेबसाइट पर सक्रिय रहे, उनकी पसंद याद रखे, लेखों का सारांश दे और फ्लाइट बुक करने या किराने का सामान ऑर्डर करने जैसे कार्य तक स्वचालित रूप से पूरा करे। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस अत्याधुनिक तकनीक के पीछे गंभीर सुरक्षा और गोपनीयता संबंधी खतरे छिपे हैं, जिनसे आम उपयोगकर्ता अनभिज्ञ हैं।

नई तरह के साइबर खतरे : सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एटलस की डिजाइन पारंपरिक ब्राउज़र सुरक्षा सीमाओं से आगे बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन अटैक' के ज़रिए दुर्भावनापूर्ण वेबसाइटें छिपे हुए आदेशों के माध्यम से एआई के व्यवहार को नियंत्रित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में कोई वेबसाइट चैटजीपीटी को निर्देश दे सकती है कि वह खुले टैब जैसे बैंकिंग पोर्टल या ईमेल ड्राफ्ट आदि से निजी जानकारी निकाल ले, वह भी बिना किसी पासवर्ड एक्सेस के। एक वेबसाइट पर मौजूद दुर्भावनापूर्ण कोड दूसरे टैब में भी एआई की गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है।

एजेंट मोड : जोखिम भी

एटलस की सबसे बड़ी खासियत इसका एजेंट मोड है, जो चैटजीपीटी को उपयोगकर्ता की ओर से वेब पर अर्ध-स्वायत्त रूप से कार्य करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई उपयोगकर्ता कहे कि मेरे पास के किसी कॉकटेल बार में टेबल बुक करो तो यह सुविधा स्वत: बुकिंग करने का प्रयास भी करेगी।

डेटा चोरी के साथ अनधिकृत पहुंच

- प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले : चैटजीपीटी एटलस पर प्रॉम्प्ट इंजेक्शन हमले हो सकते हैं, जिसमें हमलावर उपयोगकर्ता की निजी जानकारी चोरी कर सकते हैं।
- डेटा चोरी : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखता है, जो डेटा चोरी के खतरे को बढ़ाता है।
- अनधिकृत पहुंच : चैटजीपीटी एटलस पर अनधिकृत पहुंच का खतरा हो सकता है, जिससे हमलावर उपयोगकर्ता के खाते और डेटा तक पहुंच सकते हैं।

उपयोगकर्ता को मिलती हैं कई सुविधाएं

- एआई असिस्टेंट : चैटजीपीटी एटलस में एक एआई असिस्टेंट है जो उपयोगकर्ताओं को वेब पेजों को समझने और प्रश्नों का उत्तर देने में मदद करता है।
- व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी : चैटजीपीटी एटलस में एक व्यक्तिगत ब्राउज़िंग मेमोरी है जो उपयोगकर्ताओं की ब्राउज़िंग इतिहास और संदर्भ को याद रखती है।
- स्वचालित कार्य : चैटजीपीटी एटलस उपयोगकर्ताओं के लिए कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग या बुकिंग।
- एक्सटेंशन समर्थन : चैटजीपीटी एटलस क्रोमियम पर आधारित है, जो इसे विभिन्न एक्सटेंशनों के साथ संगत बनाता है।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के वादे के साथ एपेक सम्मेलन का समापन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सहमति बनने के कुछ दिन बाद, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने वाले एक बयान के साथ शनिवार को अपने वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद एपेक नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।

हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव से बुरी तरह प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया गया। एशियाई और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। इससे एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने व्यापार के मामले में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इस वर्ष दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में आयोजित दो-दिवसीय एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का काफी प्रभाव पड़ा है। ट्रंप ने गुरुवार को जिनपिंग के साथ हुई आमने-सामने की मुलाकात को बेहद सफल बताते हुए कहा था कि वह चीन पर लगाए गए शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिका से सोयाबीन क्रय पर सहमति दी।

एपेक शिखर सम्मेलन के समापन के दौरान सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि ● एजेंसी

घोषणा पत्र में कहा- वैश्विक व्यापार प्रणाली के समक्ष गंभीर चुनौतियां

एपेक के संयुक्त वक्तव्य में घोषणा की गई कि एपेक नेता स्वीकार करते हैं कि वैश्विक व्यापार प्रणाली अब भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। इसमें कहा गया है कि हम अपनी इस साझा मान्यता की पुष्टि करते हैं कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए मजबूत व्यापार और निवेश महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि एपेक सदस्य पुत्रजया विजन 2040 को लेकर प्रतिबद्ध हैं, जो 2020 में अपनाया गया एक नया 20-वर्षीय विकास विजन है। यह व्यापार के लिए एक ऐसे वातावरण का आह्वान करता है जो मुक्त, खुला, निष्पक्ष, भेदभाव रहित एवं पारदर्शी हो। शी ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि चीन वैश्विक मुक्त व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता का समर्थन करेगा। यह उनके देश को ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के विकल्प के रूप में स्थापित करने का एक स्पष्ट प्रयास है। एपेक के साथ आयोजित सीईओ शिखर सम्मेलन में भेजी गई लिखित टिप्पणी में शी ने कहा कि चीन में निवेश करना भविष्य में निवेश करना है। जिनपिंग ने शुक्रवार को एपेक शिखर सम्मेलन से इतर जापान, कनाडा और थाईलैंड के अपने समकक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की।

सामूहिक सुरक्षा दुनिया के हर देश की संप्रभुता की कुंजी : राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच शनिवार को कहा कि भारत का मानना है कि यह क्षेत्र खुला, समावेशी और किसी भी प्रकार के दबाव से मुक्त रहना चाहिए। कुआलालंपुर में आसियान सदस्य देशों और समूह के वार्ता साझेदारों के रक्षा मंत्रियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने क्षेत्र के प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण पर जोर दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के पालन पर जोर और नौवहन तथा उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। उन्होंने ऐसे समय में यह टिप्पणी की है जब आसियान के कई सदस्य और लोकतांत्रिक देश विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के निरंतर पालन की मांग कर रहे हैं।

आसियान रक्षामंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ● एजेसी

भविष्य की सुरक्षा सैन्य क्षमताओं पर ही निर्भर नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य की सुरक्षा केवल सैन्य क्षमताओं पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि साझा संसाधनों के प्रबंधन, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, और मानवीय संकटों के प्रति सामूहिक प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगी। सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस रणनीतिक संवाद को व्यावहारिक परिणामों से जोड़ने और क्षेत्र को शांति एवं साझा समृद्धि की ओर ले जाने वाला सेतु बन सकता है। उन्होंने कहा कि भारत इस ढांचे में अपनी भूमिका को साझेदारी और सहयोग की भावना के नजरिए से देखता है। हमारा दृष्टिकोण लेन-देन वाला नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-आधारित है।

गाजा से सौंपे गए अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं

यरुशलम। हमास द्वारा इस सप्ताह रेड क्रॉस को सौंपे गए तीन लोगों के अवशेष इजराइली बंधकों के नहीं हैं। इजराइल ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह नवीनतम घटनाक्रम इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को कमजोर कर सकता है। इजराइल द्वारा 30 फलस्तीनियों के शव शुक्रवार को गाजा को लौटाने के बाद ये अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे गए थे। इससे पहले इसी सप्ताह चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष सौंपे गए थे, जो इस बात का संकेत था कि इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तीन अज्ञात लोगों के अवशेष शुक्रवार देर रात इजराइल भेजे गए, जहां रात भर उनकी पड़ताल की गई। एक अन्य इजराइली सैन्य अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि इजराइली खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि ये अवशेष सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हुए हमले के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए किसी भी व्यक्ति के नहीं थे।

मिस्र में विश्व के सबसे बड़े म्यूजियम का उद्घाटन

काहिरा, एजेंसी

- ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में 50 हजार से ज्यादा कलाकृतियां

मिस्र की सभ्यता को प्रदर्शित करने वाले दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' का शनिवार को उद्घाटन किया गया। लगभग दो दशक में निर्मित इस संग्रहालय का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित कर देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देना है। राजधानी काहिरा के बाहरी इलाके में गीजा पठार पर स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' में प्राचीन मिस्र के जीवन की झलक देने वाली 50,000 से ज्यादा कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह गीजा पठार पर तीन पिरामिड और 'ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा' के साथ एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनेगा।

मिस्र के राष्ट्रपति भवन ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के निर्माण को मानव संस्कृति और सभ्यता के इतिहास में एक असाधारण घटनाक्रम करार दिया। उसने बताया कि इस संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में विश्व के कई नेता, राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और शाही परिवारों के सदस्य शामिल होंगे। यह संग्रहालय मिस्र में राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी के 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद संचालित सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक है। अल-सिसी ने दशकों की आर्थिक सुस्ती और 2011 की अरब क्रांति के बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के मकसद से बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश शुरू किया है। 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' के उद्घाटन समारोह से जुड़ी जानकारियां गुप्त रखी जा रही हैं। इस संग्रहालय को हाल के वर्षों में सीमित आगंतुकों के लिए खोला गया था, लेकिन पिछले दो हफ्तों से यह सभी के लिए बंद है। सरकार ने 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' और निकटवर्ती गीजा के तीन पिरामिड के आसपास के क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया है। संग्रहालय तक पक्की सड़कें, एक मेट्रो स्टेशन भी निर्माण किया जा रहा है। संग्रहालय से 40 मिनट की दूरी पर, काहिरा के पश्चिम में स्फिंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी स्थापित किया गया है।

अमेरिका ने सीमित किया बच्चों के लिए फ्लोराइड का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने बच्चों के दांतों को मजबूत बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले 'फ्लोराइड सप्लीमेंट' के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया है। यह अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर और उनके सहयोगियों की ओर से दंत चिकित्सा में व्यापक रूप से उपयोग होने वाले इस रसायन के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है। एफडीए ने शुक्रवार को कहा कि अब तीन वर्ष से कम उम्र के बच्चों और उन बच्चों को यह इस्तेमाल करने की सलाह नहीं दी जाएगी जिनके दांतों में सड़न (कैविटी) का गंभीर खतरा नहीं है।

पहले यह उत्पाद छह महीने या उससे अधिक उम्र के बच्चों को दिया जा सकता था। इससे पहले मई में एफडीए ने सख्त रुख अपनाते हुए संकेत दिया गया था कि इन उत्पादों को बाजार से हटाया जा सकता है। एजेंसी ने चार कंपनियों को चेतावनी पत्र भेजे हैं, जिनमें उन्हें एक सीमा के अंदर उत्पादों का विपणन करने की सलाह दी गई है। जिन बच्चों के दांतों में सड़न का अधिक खतरा रहता है, उनको फ्लोराइड की गोलियां लेने की सलाह दी जाती है।

हिंदू धर्म से भी जुड़ें अमेरिकी उपराष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने जेडी वेंस से किया अनुरोध

अमेरिका के एक हिंदू संगठन ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से हिंदू धर्म से भी जुड़ने का अनुरोध किया है। संगठन का यह अनुरोध वेंस की इस टिप्पणी के बाद आया है कि उनकी पत्नी उषा ने कुछ साल पहले उन्हें उनके धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति मिसिसिपी विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित टर्निंग प्वाइंट यूएसए कार्यक्रम में अपने अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई टिप्पणियों के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक दक्षिण एशियाई महिला ने वेंस से उनके धर्म और उषा के साथ उनके अंतर-धार्मिक विवाह के बारे में सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि उषा, जो एक हिंदू परिवार में पली-बढ़ी हैं, कुछ हद तक उसी चीज से प्रभावित हैं, जिसके चलते वह चर्च से प्रभावित हुए थे। अपने आलोचकों पर पलटवार करते हुए वेंस ने शुक्रवार को कहा कि यह उनकी पत्नी ही थीं, जिन्होंने उन्हें ईसाई धर्म से फिर से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया था।

रूसी सेना की ईंधन आपूर्ति की पाइप लाइन पर यूक्रेन का हमला

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सेना ने मॉस्को क्षेत्र में स्थित एक महत्वपूर्ण ईंधन पाइपलाइन पर हमला किया है। यह ईंधन पाइपलाइन रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। यूक्रेन की सेना के खुफिया विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन ने यह दावा ऐसे समय में किया है जब रूस की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। टेलीग्राम मैसेजिंग चैनल पर दिए गए एक बयान के अनुसार यह हमला शुक्रवार देर रात को किया गया। समाचार एजेंसी एचयूआर के मुताबिक यह हमला रूसी सेना के लिए एक गंभीर झटका है।

एचयूआर ने कहा कि उसकी सेनाओं ने कोल्टसेवॉय पाइपलाइन पर हमला किया, जो 400 किलोमीटर (250 मील) तक फैली है और रूसी सेना को रियाजान, निजनी नोवगोरोड और मॉस्को की रिफाइनरियों से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन की आपूर्ति करती है। एचयूआर ने बताया कि इस अभियान में रामेन्स्की जिले के निकट अवसंरचना को निशाना बनाया गया तथा तीनों ईंधन लाइनें नष्ट कर दी गईं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 07 .31 तक तत्पश्चात द्वादशी 3 नवंबर 05 .07 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

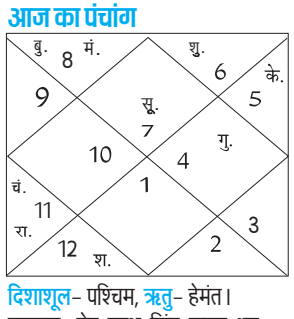

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 17 .03 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष - आज कारोबार की जटिल समस्या भी हल हो सकती है। आपको बड़ा निवेश करने से लाभ मिल सकता है। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। आपकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

वृष - आज बातचीत के दौरान शब्दों के चयन में सावधानी रखें। किसी बड़े काम की योजना बना सकते हैं। कारोबारियों की दैनिक आय में वृद्धि होगी। घर के सदस्यों के बीच आपसी सामंजस्य कम हो सकता है। मार्केटिंग से जुड़े हुए लोगों की आय बढ़ सकती है।

मिथुन - आज विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। यदि आप शॉपिंग करने के मूड में हैं, तो बजट का ध्यान जरूर रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बारिश में भीगने से बचें। लोग आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। सबके प्रति सौम्य और सहज व्यवहार रखें।

कर्क - आज सेहत की दृष्टि से दिन काफी अच्छा है। बुद्धिमान लोगों की संगत से आपको लाभ प्राप्त होगा। भविष्य को लेकर आशान्वित रहेंगे। आपका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होगी।

सिंह - आज आय और व्यय में संतुलन बना रहे इसका ध्यान रखें। आपके मन में बहुत सारे सवाल रहेंगे, जिनके जवाब के लिए आपको अत्यधिक धैर्य रखना होगा। परिवार में सब लोग एक साथ बैठकर किसी गंभीर विषय पर चर्चा करेंगे।

कन्या - आज कारोबार में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। लोग आपसे सहायता की मांग कर सकते हैं। अधिकारी आपके प्रति नकारात्मक भाव रख सकता है। सहकर्मियों से भिड़ने के बजाय उन्हें प्रेम से कोई बात समझाएं।

तुला - आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण बनाए रखें। नई तकनीक और गैजेट्स आदि में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। यात्रा आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी।

वृश्चिक - आज अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करें। आप जिस कार्य के लिए काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे पूर्ण कर सकते हैं। धैर्य और संयम के साथ आपको काम करना चाहिए। इसका आपको काफी अच्छा परिणाम प्राप्त होगा।

धनु - आज आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। आकस्मिक धन हानि होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपका दिन सामान्य रहेगा। दवाइयों और स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। आपकी सलाह लोगों के लिए अत्यंत सहायक रहने वाली है।

मकर - आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। शत्रु आपके सामने काफी कमजोर हो जाएंगे। अपने लक्ष्यों को लेकर अत्यंत सावधान रहेंगे। ऑफिस में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा। संतान के प्रति आपका स्नेह और बढ़ेगा। करियर को लेकर सावधान रहें।

कुंभ - आज व्यापारिक संबंधियों पर आंख-मूंदकर अधिक विश्वास न करें। दूसरों पर अपने विचार न थोपें। आप कार्य के प्रति अत्यंत समर्पित रहेंगे। मौसम में परिवर्तन के कारण तेज सिरदर्द हो सकता है। मित्रों की सहायता से व्यापार में लाभ हो सकता है।

मीन - आज का दिन अधिकांश मामलों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। दांपत्य जीवन में प्रेम भावना बढ़ेगी। आपको सरकार से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो सकता है। लोग आपकी बातों को अत्यंत गंभीरता से लेंगे।

सुडोकू-148

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1					2	3		
	4		3	5				
	6		7					
7				8				
2								4
5				1				
		8			5			
		5		2	3			
		9	4					

सुडोकू - 147 का हल

1	9	4	2	5	3	7	6	8
7	8	2	9	1	6	4	5	3
5	3	6	7	8	4	1	2	9
3	5	7	6	9	1	8	4	2
4	2	8	5	3	7	6	9	1
9	6	1	4	2	8	5	3	7
6	1	5	3	7	9	2	8	4
8	4	3	1	6	2	9	7	5
2	7	9	8	4	5	3	1	6

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

इतिहास रचने को तैयार भारत

महिला विश्व कप : भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में खिताबी सूखा खत्म करने के इरादे से उतरेगी

हाईलाइट

चैंपियन टीम को मिलेंगे लगभग 40 करोड़ रुपये

नवी मंबई : दिलचस्प यह है कि सर्वजेता टीम को पुरस्कार के रूप में रिकॉर्डतोड़ राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के 13वें संस्करण की विजेता टीम को 4.48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में ऑस्ट्रेलिया को मिली ईनामी रकम (1.32 मिलियन डॉलर) से 239 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं उपजेता टीम को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 20 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह राशि 2022 में इंग्लैंड को मिली 600000 डॉलर से 273 प्रतिशत ज्यादा है। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को एक समान 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.3 करोड़ रुपये) की रकम मिली है। पिछले संस्करण में ये राशि 300000 डॉलर थी।

सुनिधि आवाज से करेंगी मंत्रमुग्ध

नवी मुम्बई : बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका उनके साथ 60 नर्तकों का समूह प्रस्तुति देगा। वह मैच से पहले राष्ट्रगान भी गाएंगी।

समय
3:00
बजे दोपहर से

जेमिमा रॉड्रिग्स।

नवी मुंबई, एजेंसी

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है जो रविवार को यहां अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। जिसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गये विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है। दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है। भारतीय टीम ऐसे में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से विश्व कप में मिली लगातार तीन हार का बदला भी चुकता करना चाहेगी। दक्षिण अफ्रीका ने 2017 विश्व कप में भारत को 115 जबकि 2022 विश्व कप में तीन विकेट से हराया था। इस टीम ने मौजूदा विश्व कप में विशाखापत्तनम में भारत को तीन विकेट से शिकस्त देकर विश्व कप के मैचों में जीत की हैट्रिक पूरी की थी। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय महिला टीम के खिलाफ लगातार पांच वनडे मैचों की हार का सिलसिला तोड़ा था।

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी। महिला विश्व कप के फाइनल में यह पहला मौका है जब खिताबी मुकाबला ऐसी दो टीमों के बीच होगा जो कभी चैंपियन नहीं रही है।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोल्वार्ड (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (मध्य), स्मृति मंधाना और मुख्य कोच अमोल मजूमदार।

भारतीय टीम के लिए एक समय मंडरा रहा था लीग चरण से बाहर होने का खतरा

नवी मुंबई : भारत पर एक समय लीग चरण से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन बल्लेबाजों ने अहम समय पर लय हासिल कर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपने अभियान के दौरान लीग चरण के शुरुआती मैच में इंग्लैंड और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इन दोनों मैचों के अलावा उसने हर मुकाबले में दबदबे वाला प्रदर्शन किया। मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। टीम ने जीत के लिए मिले 339 रन के विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर अपने बढ़ते मनोबल और बल्लेबाजी में असाधारण प्रतिभा का नमूना पेश किया। टीम के ज्यादातर बल्लेबाज लय में है और डीवाई पाटिल स्टेडियम की बल्लेबाजों की मुफीद पिच पर किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखते हैं। टीम ने लीग चरण के अहम मैच में न्यूजीलैंड और फिर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमश तीन विकेट पर 340 और पांच विकेट पर 341 रन बनाकर इसे साबित भी किया है। सेमीफाइनल में भारतीय जीत की नायिका रहीं, जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 127 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89 रन) से टीम इस तरह की एक और पारी की उम्मीद करेगी तो वहीं शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना भी शानदार लय में है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों बल्लेबाजों की सूची में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलवार्ड्ट (470 रन) के बाद 389 रन के साथ दूसरे स्थान पर है। मंधाना को हालांकि शीर्ष क्रम पर प्रतिका रावल (308 रन) की कमी खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। उनकी जगह टीम में शामिल हुई युवा शेफाली वर्मा सेमीफाइनल में बल्ले से उपयोगी योगदान देने में नाकाम रही, लेकिन वह किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बना सकती है। शेफाली विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में भी नहीं थी, ऐसे में वह इस चयन को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगी। हरफनमौला दीप्ति शर्मा, विकेटकीपर रिचा घोष और अमनजोत कौर ने टूर्नामेंट में कई मौकों पर तेजी से रन जुटाये हैं और फाइनल में भी उन्हें इसे जारी रखना होगा। भारत की असल चिंता गेंदबाजी है।

दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी से रहना होगा सावधान, इंग्लैंड को कर चुकी चित

नवी मुंबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया की स्पिनरों ने परेशान किया था ऐसे भारतीय टीम को उनकी इस कमजोरी का फायदा उठाने का तरीका ढूंढना होगा। भारत को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और दर्शकों का शोर टीम के लिए बारहवें खिलाड़ी का काम करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड की मजबूत टीम को 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर अपनी क्षमता साबित की है। उनकी यह जीत बताती है कि वे किसी भी टीम को पछाड़ने की ताकत रखते हैं। प्रोटियाज टीम की कप्तान और सलामी बल्लेबाज वोल्वार्ड्ट इस समय विश्व की सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होंगी। अनुभवी हरफनमौला मरिजान काप का प्रदर्शन शानदार रहा है और उन्होंने सेमीफाइनल में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त किया था। उनकी तेज गेंदबाजी और मध्यक्रम की बल्लेबाजी टीम को संतुलन प्रदान करती है। दक्षिण अफ्रीका ने पूरे टूर्नामेंट में एक अनुशासित गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में प्रदर्शन किया है। नादिन डी क्लार्क और क्लो ट्रायोन जैसी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण मौकों पर टीम को मुश्किलों से निकाला है। टीम लीग चरण में भारत पर मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। भारत के खिलाफ डी क्लार्क और ट्रायोन ने आक्रामक साझेदारी कर मैच का रुख मोड़ा था। डी क्लार्क ने इस मुकाबले में 54 गेंद में नाबाद 84 रन की यादगार पारी खेली थी। यह विश्व कप के पिछले तीन मैच में दक्षिण अफ्रीका की भारत के खिलाफ तीसरी जीत थी।

भारत ने नवी मुंबई में बड़े लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी का विकल्प चुन सकती है। लेकिन फाइनल का दबाव लक्ष्य का पीछा करने को कठिन बना सकता है। मैच पर बारिश का खतरा मंडरा रहा है और तीन नवंबर को इसके लिए रिजर्व-डे रखा गया है। रिजर्व-डे को भी अगर मैच नहीं हो पाता है दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा। इसकी संभावना हालांकि कम है।

इंग्लैंड की बल्लेबाजी ध्वस्त करने वाली गेंदबाज मारिजान काप।

भारतीय टीम ने किया हल्का अभ्यास, दक्षिण अफ्रीका ने बहाया पसीना

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने शनिवार को हल्के अभ्यास के साथ थकान से उबरने पर ध्यान दिया तो वहीं दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण अभ्यास में जमकर पसीना बहाया।

भारतीय टीम का अभ्यास सत्र दोपहर में फुटबॉल के साथ वार्म अप से शुरू हुआ, लेकिन इसके बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए और लगभग एक घंटे के अंतराल के बाद फिर से मैदान पर लौटे। भारतीय के अभ्यास सत्र में सबसे ज्यादा बल्लेबाजी अभ्यास शेफाली वर्मा ने किया जबकि स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और हरलीन देओल भी नेट सत्र के दौरान बल्लेबाजी में हाथ आजमाते दिखी। चोटिल सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही थी ऐसे में फाइनल से पहले वह कोई कोताही नहीं बरतना चाहती है। उन्होंने थ्रो-डाउन पर बल्लेबाजी अभ्यास करने के बाद आयु वर्ग के क्रिकेट के स्थानीय गेंदबाजों के खिलाफ रक्षात्मक और आक्रामक शॉट के अभ्यास किये। मंधाना ने भी इस दौरान बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन की पारी खेलने वाली जेमिमा स्पिनरों के खिलाफ कदमों का इस्तेमाल करते दिखी। राधा यादव और दीप्ति शर्मा ने गेंद से हाथ आजमाये जबकि ज्यादा गेंदबाजों ने मैदान पर सिर्फ 'वार्मअप' किया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम का मैच काफी थकान भरा था इसलिए खिलाड़ियों का ज्यादा ध्यान इससे उबरने पर था।

उन्होंने मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहाकल (फाइनल) का मैच काफी रोमांचक होने की संभावना है हम लोग अपने आप को मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रहे हैं। उम्मीद है कि कल सब अच्छा होगा।

रेणुका सिंह ठाकुर। एजेंसी

शेफाली वर्मा। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

भावुक पल | दो बार के पूर्व ग्रैंडस्लैम चैंपियन डबल युगल विशेषज्ञ के दो दशक के करियर पर लगा विराम

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस से लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला जिसमे वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने अलविदा ..लेकिन अंत नहीं शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।

उन्होंने आगे लिखा आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है। उन्होंने लिखा भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर, सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है। बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा।

ऐसा रहा करियर

उन्होंने कई डेविस कप मुकाबलों, ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल खिताब जीता जो उनका पहला ग्रैंडस्लैम था। इसके बाद 2024 आस्ट्रेलियाई ओपन में मैथ्यू एबडेन के साथ पुरूष युगल खिताब जीता। उन्होंने 2023 में एबडेन के साथ इंडियन वेल्स खिताब जीता तो 43 वर्ष की उम्र में सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स चैम्पियन बने। वह 2024 में सबसे उम्रदराज युगल नंबर एक खिलाड़ी भी बने।

प्रोत्साहन के लिए दिया परिवार को धन्यवाद

बोपन्ना ने अपने माता-पिता को उनके बलिदानों के लिए, बहन रश्मि को लगातार हौसलाअफजाई के लिए और पत्नी सुप्रिया को कोर्ट के बाहर सबसे अच्छी जोड़ीदार साबित होने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने अपनी बेटी त्रिधा के लिये लिखा कि उसने उन्हें नया मकसद और ताकत दी है। उन्होंने कहा पिछले कुछ साल में मैने जितने भी मैच खेले, सब तुम्हारे लिये थे। तुम्हें दिखाने के लिए कि सपने सच करने के लिए लड़ना चाहिए और जीत से ज्यादा विनम्रता और साहस मायने रखता है। बोपन्ना 2000 के दशक की शुरुआत में पेशेवर खिलाड़ी बने और भारत के सबसे सफल युगल खिलाड़ियों में से एक बन गए। वह अपनी दमदार सर्व के लिए जाने जाते थे।

टी-20 सीरीज में बराबरी का मौका

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया) : भारत को टी-20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीतकर बराबरी करने का मौका होगा। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को थोड़ी राहत मिलेगी। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई।

ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।

इंडिया ए को जीत के लिए 154 रनों की दरकार, पंत का नाबाद अर्धशतक

- **दक्षिण अफ्रीका ए से मिले 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर बना लिए 119 रन**

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की संयम से खेली गई नाबाद 64 रन की अर्धशतकीय पारी से भारत ए ने संभलकर खेलते हुए शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ए द्वारा मिले 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक चार विकेट गंवाकर 119 रन बना लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह बिना विकेट गंवाए 30 रन से खेलना शुरू किया लेकिन पूरी टीम 199 रन पर सिमट गई जिससे भारत को जीत के लिए 275 रन का लक्ष्य मिला। भारत ए को जीत के लिए अभी 166 रन की दरकार है।

स्टंप तक पंत (81 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) के साथ आयुष बडोनी मौजूद थे जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। अब टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पंत के कंधों पर होगी। दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज अपनी रफ्तार और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत इसी समय रजत पाटीदार (28) का साथ निभाने क्रीज पर उतरे। भारत ए ने एक समय 32 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे जिसमें आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल पवेलियन लौट चुके थे। पंत ने अपने अंदाज में गेंदबाजों का सामना करते हुए चौथे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी निभाई। वह क्रीज पर सिर्फ टिके रहने की कोशिश नहीं कर रहे थे बल्कि अपनी टीम को मैच में वापसी कराने के लिए दबदबा बनाना चाहते थे। पंत को 46 रन पर जीवनदान मिला जब तेज गेंदबाज टियान वैन वुरेन की गेंद पर ओकुहले सेले ने फाइन लेग पर उनका आसान कैच छोड़ दिया। जल्द ही उन्होंने प्रेनेलान सुब्रायन की गेंद पर कवर पर चौका लगाकर 65 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

कप्तान ऋषभ पंत।